26 अप्रैल 2025
शनिवार

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

न मिटेगा मां का सिंदूर–न सूनी होगी दादी की गोद और न ही बिछड़ेगा बच्चों से पापा का प्यार

छह जिलों में एयरपोर्ट के लिए होगा सर्वे, अयोध्या की तर्ज पर विकसित होगा पुनौरा धाम

कैबिनेट का फैसला

- सीएम नीतीश की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की बैठक में 34 एजेंडों पर लगी मुहर
- अलग-अलग विभागों में कुल 3887 पदों पर बहाली को दी गई मंजूरी

केटी न्यूज/पटना

बिहार में इस साल होनेवाले विधानसभा चुनाव को देखते हुए नीतीश सरकार ने शुक्रवार को हुई कैबिनेट की बैठक में अलग-अलग विभागों में कुल 3887 पदों पर बहाली को मंजूरी दी है। ये बहाली बिहार शिक्षा, खेल, पशु और विधि विभाग की जाएगी।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की बैठक में 34 एजेंडों पर मुहर लगी। इसमें मुख्यमंत्री की यात्रा के दौरान जो वादे किए गए थे, उनके अनुसार बिहार के 8 जिलों (मधुबनी, गोरौल, शाम्हों, इमामगंज, अधौरा, कटोरिया, असरगंज और चकाई) में नए डिग्री कॉलेज खोले जाएंगे। इन कॉलेजों के लिए कुल 526 पदों को मंजूरी दी गई है। इनमें से 422 पद शिक्षक वर्ग के होंगे (हर कॉलेज में एक प्रिंसिपल भी शामिल) और 104 पद शिक्षकेत्तर स्टाफ के होंगे। सीतामढ़ी जिले में स्थित मां सीता की जन्मस्थली पुनौरा धाम को श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र अयोध्या की तरह विकसित किया जाए इसके लिए उसी डिजाइन कंसल्टेंट को चुना गया है जिसने राम मंदिर बनाया था। यह कंपनी नोएडा की मेसर्स डिजाइन एसोसिएट्स इनकॉरपोरेटेड है।

नीतीश कैबिनेट ने 3837 पदों पर बहाली को दी मंजूरी

मधुबनी, वीरपुर, मुंगेर, वाल्मीकि नगर, भागलपुर एवं सहरसा हवाई अड्डे के निर्माण के सर्वे के लिए दो करोड़ 43 लाख रुपये की मंजूरी मिली है। बिहार सरकार बिहार में पहली बार 'खेलो इंडिया यूथ गेम 2025' का आयोजन करने जा रही है जो राज्य के लिए ऐतिहासिक होगा। 'खेलो इंडिया यूथ गेम 2025' के आयोजन के लिए कैबिनेट में मंजूरी मिल गई है। इस खेल में खर्च के लिए 119 करोड़ 4 लाख 79 हजार 429 रुपये की स्वीकृति कैबिनेट से दी गई है। पशु चिकित्सा सेवाओं में सुधार के लिए 2159 पदों का सृजन हुआ है। वहीं राजगीर में स्थित बिहार खेल विश्वविद्यालय के संचालन के लिए विभिन्न कोटि के कुल 244 पदों के सृजन की स्वीकृति मिली है। महाधिवक्ता कार्यालय पटना में विभिन्न कोटि के लिए 40 पदों के सृजन की स्वीकृति मिली है। वहीं राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग में 185 पदों के सृजन की स्वीकृति भी दी गई है। इनमें जिला भू अर्जन पदाधिकारी के 104 पद हैं और राजस्व पदाधिकारी सह कानूनगो के 81 पद हैं। गन्ना उद्योग विभाग में 19 पद सृजित किए गए हैं। इस तरह कई विभागों को मिलाकर आज 3,837 पदों के सृजन की स्वीकृति मिली है। बिहार पर्यटन बॉन्डिंग एवं मार्केटिंग संशोधन नीति 2025 की स्वीकृति दी गई है। इंदिरा गांधी हृदय रोग संस्थान चिकित्सा सेवा नियमावली 2023 में संशोधन करने की स्वीकृति मिली है। वैशाली जिला अंतर्गत बाबा गणिनाथ पालवैया धाम मेला महनार को बिहार राज्य मेला प्राधिकार के प्रबंधन के अंतर्गत शामिल करने की मंजूरी मिली है।

विशेष सर्वेक्षण एवं बंदोबस्त नियमावली 2025 को स्वीकृति

कैबिनेट बैठक में बिहार विशेष सर्वेक्षण एवं बंदोबस्त (संशोधन) नियमावली 2025 को स्वीकृति प्रदान की गई है। जिससे राज्य में भूमि सुधार से संबंधित कार्यों को और अधिक प्रभावी ढंग से क्रियान्वित किया जा सकेगा। इस नियम के लागू होने से बदलैन आधार पर जमीनों का मालिकाना हक भी माना जाएगा। दरअसल, बिहार में बड़े स्तर पर ऐसी जमीनें हैं जिन्हें भूमि मालिकों ने आम सहमति से मौखिक आधार पर एक दूसरे से जमीन के बदले जमीन के तौर पर बदला था। चूकि दस्तावेजों में जमीन का मालिकाना नाम किसी अन्य के नाम पर है और जमीन पर कब्जा किसी और का है। ऐसे में भूमि सर्वेक्षण में इन जमीनों के मालिकाना हक को लेकर भू स्वामी परेशान थे। इस समस्या से निजात दिलाने के लिए अब नीतीश सरकार ने बदलैन आधार पर हुई जमीनों को भी भू स्वामी के नाम पर सर्वक्षण में शामिल करने की मंजूरी दी है।

कैबिनेट में ऑनलाइन सेवाओं के विस्तार को लेकर फैसला हुआ। जिसमें विभाग द्वारा संचालित 13 ऑनलाइन सेवाओं के कार्यों की सूचना प्रणाली को विकसित करने हेतु नामांकन के आधार पर विज्ञान केन्द्र को कार्य सौंपा गया है। यह कार्य वित्त (संशोधन) नियमावली 2024 के तहत विभागीय संकल्प संख्या 12088 03.12.2024 के प्रावधानों के अंतर्गत किया जा रहा है। कैबिनेट में फैसला लिया गया कि वैशाली के बाबा गणिनाथ पवैया चाम गेला मेला को बिहार राज्य मेला प्राधिकरण के अंतर्गत लाया गया है। अररिया के बाबा सुन्दरनाथ धाम मंदिर मेला को भी प्राधिकरण की सूची में जोड़ा गया है।

खबरें फटाफट

इसरो के पूर्व अध्यक्ष के कस्तूरीरंगन का बेंगलुरु में निधन

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के पूर्व अध्यक्ष के कस्तूरीरंगन का निधन हो गया। उन्होंने बेंगलूरू में अंतिम सांस ली। वे 84 वर्ष के थे। वे पिछले कुछ समय से अस्वस्थ थे। उनका पार्थिव शरीर 27 अप्रैल को अंतिम दर्शन के लिए रमन रिसर्च इंस्टीट्यूट (आरआरआई) में रखा जाएगा। पूर्व इसरो प्रमुख के निधन पर पीएम मोदी ने शोक जताया। पीएम मोदी ने कहा कि के कस्तूरीरंगन ने इसरो में बहुत परिश्रम से काम किया और भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया। राष्ट्रीय शिक्षा नीति का मसौदा तैयार करने के लिए भारत हमेशा डॉ. कस्तूरीरंगन का आभारी रहेगा। कस्तूरीरंगन का जन्म 24 अक्तूबर 1940 को केरल के एनार्कुलम में हुआ था। उन्होंने लंबे समय तक इसरो में सेवाएं दीं। वे 1994 से 2003 तक इसरो के चेयरमैन और भारत सरकार के सचिव रहे। 2003 में इसरो से सेवानिवृत्त होने के बाद कस्तूरीरंगन इंडियन एकेडमी ऑफ साइंसेज के अध्यक्ष बने। इसके साथ ही मानव संसाधन विकास मंत्रालय के सदस्य बने।

आतंकी हमला: अमित शाह ने सभी राज्यों के मुख्यमंत्री से की बात

गृहमंत्री की दो टूक... सभी पाकिस्तानियों को खोज-खोजकर राज्य से बाहर निकालें

- पाकिस्तानियों के वीजा रद्द करने के फैसले के बाद एक्शन मोड में हैं गृहमंत्री

एजेंसी/कोलकाता

गृह मंत्री अमित शाह ने सभी राज्यों के मुख्यमंत्री से बात की है, उनकी तरफ से दो टूक कहा गया है कि सभी पाकिस्तानियों को खोज-खोज कर बाहर निकाला जाए, उनके वीजा रद्द हों। पहलगाम हमले के बाद यह पहला मौका है जब अमित शाह ने सभी राज्यों के मुख्यमंत्री से ऐसे बात की है। बताया जा रहा है कि गृह मंत्री ने पहले सभी बड़े अधिकारियों के साथ एक बैठक की थी, उसके बाद ही राज्यों के मुख्यमंत्रियों के लिए ये निर्देश जारी किया गया। जानकारी के लिए बता दें कि बुधवार को ही सीसीएस की बैठक के बाद फैसला हो चुका था कि पाकिस्तानियों के वीजा रद्द होंगे। अब इसी कड़ी में गृह मंत्री अमित शाह ने सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों को भी ऐसा करने के निर्देश दे दिए हैं। यहां पर समझने वाली बात यह है कि कई राज्यों में अवैध तरीके से पाकिस्तानी रहते हैं, ऐसे में अब उन्हें चिन्हित कर बाहर निकालने की बात कही गई है।

आर्मी चीफ उपेंद्र द्विवेदी द्वारा जम्मू-कश्मीर का दौरा किया गया है। उन्होंने भी जांच एजेंसियों ने जरूरी इनपुट लिए हैं, उसी आधार पर अब आगे की रणनीति बनने वाली है। अब इस प्रकार की सारी गतिविधियां इस ओर इशारा कर रही हैं कि सरकार कोई बड़ा कदम उठाने वाली है। वैसे इस बात का अंदाजा तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एक बयान से भी हो जाता है। बिहार की धरती से उन्होंने आतंकियों को खुली चुनौती देने का काम किया है।

कांग्रेस ने हमले को लेकर गृहमंत्री का मांगा इस्तीफा

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को कहा कि पहलगाम आतंकी हमले के पीछे का मंसूबा देशवासियों को विभाजित करने और एक भाई को दूसरे भाई से लड़ाने का था, ऐसे में जरूरी है कि आतंकवाद को पराजित करने के लिए सभी एकजुट हों। कांग्रेस नेता ने हमले में घायल हुए कुछ लोगों का हाल जाना और जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री से मुलाकात कर आतंकी हमले के बारे में चर्चा की। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने संवाददाताओं से कहा, यह एक भयावह त्रासदी है। मैं यहां के हालात जानने और मदद करने आया हूं। जम्मू-कश्मीर के सभी लोगों ने इस हमले की निंदा की है और वे राष्ट्र के साथ हैं। उन्होंने कहा कि मेरा प्यार और स्नेह उन सभी लोगों के साथ है, जिन्होंने अपने परिवार के सदस्यों को खो दिया है। मैं सभी को बताना चाहता हूं कि पूरा राष्ट्र उनके साथ खड़ा है। राहुल गांधी ने बृहस्पतिवार को नई दिल्ली में हुई सर्वदलीय बैठक का हवाला देते हुए कहा, कल हमने सरकार के साथ बैठक की और पूरे विपक्ष ने इस हमले की निंदा की। इसके साथ ही हमने सरकार द्वारा की जाने वाली किसी भी कार्रवाई को पूरा समर्थन दिया है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया, जो कुछ हुआ है उसके पीछे समाज को विभाजित करने का मंसूबा है, भाई को भाई से लड़ाने की साजिश है। ऐसे में यह जरूरी है कि हर भारतीय एकजुट होकर आतंकवादियों की नापाक कोशिश को विफल करें।

वहीं, दूसरी ओर कांग्रेस ने पहलगाम आतंकी हमले को लेकर कई सवाल उठाए हैं। पार्टी ने हमले को लेकर गृहमंत्री के इस्तीफे की मांग की है। कांग्रेस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, पहलगाम आतंकी हमला कई सवाल खड़े करता है– सुरक्षा में चूक कैसे हुई? इंटेलिजेंस फेल कैसे हुआ? आतंकी बॉर्डर के अंदर कैसे आए? 28 लोगों की मौत का जिम्मेदार कौन? क्या गृह मंत्री अपने पद से इस्तीफा देंगे? क्या पीएम मोदी इस चूक की जिम्मेदारी लेंगे?

आतंकी हमले के लिए पीएम मोदी और गृहमंत्री अमित शाह जिम्मेदार: संजय राउत– शिवसेना (यूबीटी) के राज्यसभा सांसद संजय राउत ने आरोप लगाया कि इस आतंकी हमले के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह जिम्मेदार हैं। उन्होंने अमित शाह का इस्तीफा मांगा और उन्हें भारत के इतिहास का सबसे नाकामयाब गृह मंत्री बताया।

दुख की इस घड़ी में हम भारत के साथ खड़े हैं : गबार्ड

नई दिल्ली। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के रिश्तों में तल्खियां बढ़ गई हैं। अमेरिका, रूस के साथ-साथ यूरोपीय देशों ने आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत के साथ खड़े रहने की बात कही है। इस बीच अमेरिकी राष्ट्रीय खुफिया निदेशक तुलसी गबार्ड ने इस आतंकी हमले पर दुख जाते हुए भारत के साथ खड़े रहने की बात कही है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर तुलसी गबार्ड ने कहा कि हम पहलगाम में 26 हिंदुओं को निशाना बनाकर किए गए भीषण इस्लामी आतंकवादी हमले के मद्देनजर भारत के साथ एकजुटता से खड़े हैं। उन्होंने कहा, मेरी प्रार्थनाएं और गहरी संवेदनाएं उन लोगों के साथ हैं जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया है। हम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारत के सभी लोगों के साथ हैं। हम आपके साथ हैं और इस जघन्य हमले के लिए जिम्मेदार लोगों को पकड़ने में आपका समर्थन करते हैं। जम्मू कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल 2025 को आतंकियों ने सैर पर गए पर्यटकों पर अंधाधुंध फायरिंग की, जिसमें 26 लोगों की मौत हो गई। जिस समय यह आतंकी घटना हुई उस समय अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस अपने परिवार के साथ भारत दौरे पर थे। पहलगाम हमले को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भी फोन कर अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं और पूर्ण समर्थन की बात कही थी।

नीट पेपर लीक का मास्टरमाइंड संजीव मुखिया पटना से गिरफ्तार

कोर्ट से आदेश पर रिमांड पर लेगी पुलिस

केटी न्यूज/पटना

बिहार पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स ने नीट पेपर लीक केस में बड़ी कार्रवाई की है। एसटीएफ ने गुरुवार की देर रात नीट पेपर लीक के मास्टरमाइंड संजीव मुखिया को पटना से गिरफ्तार किया। 3 लाख के इनामी संजीव फ्लैट में छिपा था। एसटीएफ ने उसे धर दबोचा। टीम आरोपी से पूछताछ कर रही है। एसटीएफ जल्द संजीव मुखिया को कोर्ट में पेश करेगी। कोर्ट से आदेश पर रिमांड पर लेने की तैयारी है।

बिहार के नालंदा जिले के नगरनौसा गांव निवासी संजीव मुखिया कृषि कॉलेज में तकनीकी सहायक पद पर नौकरी करता था। मां यशोदा देवी नर्स रह चुकी हैं। संजीव के पिता जनकिशोर प्रसाद किसान हैं। संजीव की पत्नी ममता विधानसभा चुनाव लड़ चुकी है। उइकने संजीव पर दर्ज किया था पेपरलीक का केस। संजीव का बेटा शिवकुमार भी पेपरलीक मामले में जेल में बंद है।

कॉलेज में ही रची थी पेपर लीक की साजिश: संजीव मुखिया नालंदा के नूरसराय उद्यान महाविद्यालय में तकनीकी सहायक के पद पर था। संजीव ने नीट पेपर लीक की पहले से पूरी प्लानिंग कर रखी थी। 5 मई को नीट परीक्षा हुई। 6 मई से लेकर 14 मई तक संजीव कॉलेज से गायब था। कॉलेज ने संजीव को पत्र लिखकर जवाब मांगा। संजीव ने 18 मई को पत्र का जवाब देते हुए कहा कि उसकी तबीयत खराब हो गई थी।

कई राज्यों में सक्रिय है गिरोह: पुलिस जांच में सामने आया है कि संजीव मुखिया एक अंतरराज्यीय परीक्षा माफिया गिरोह का संचालन करता है। इस नेटवर्क में बिहार, झारखंड, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, राजस्थान और मध्यप्रदेश जैसे राज्यों के ठग जुड़े हुए हैं। इन राज्यों में जब भी किसी भर्ती परीक्षा का नोटिफिकेशन जारी होता है, यह गिरोह प्रश्न पत्र लीक करने की साजिश में लग जाता है।

कई जिलों में की छापेमारी: बिहार पुलिस ने 7 अप्रैल 2025 को संजीव मुखिया पर 3 लाख का इनाम घोषित किया था। उसकी तलाश में एसटीएफ ने बिहार के विभिन्न जिलों के साथ-साथ अन्य राज्यों में भी व्यापक छापेमारी की, लेकिन वह पुलिस की पकड़ में नहीं आया। हालांकि, गुरुवार देर रात एसटीएफ को संजीव के पटना में मौजूद होने की सूचना मिली। जब टीम ने दानापुर में जाकर जांच की, तो वह संजीव ही निकला और उसे मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया गया।

नक्सलियों ने की ऑपरेशन ऑल आउट रोकने की मांग

एजेंसी/रायपुर

छत्तीसगढ़ के बीजापुर और तेलंगाना बॉर्डर के 'करेगुट्टा' पहाड़ी क्षेत्र में सीआरपीएफ के नेतृत्व में चार दिन से जारी ऑपरेशन 'ऑल आउट' का नतीजा सामने आने लगा है। चारों तरफ से घिरने के बाद नक्सली बैकफुट पर आ गए हैं। उन्होंने सीआरपीएफ सहित विभिन्न बलों के संयुक्त ऑपरेशन को तुरंत प्रभाव से रोकने की मांग की है। उत्तर पश्चिम सब जोनल ब्यूरो, भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) के प्रभारी रूपेश ने शुक्रवार को इस बाबत एक पत्र जारी किया है। इसमें कहा गया है कि बीजापुर-तेलंगाना सीमा पर एक बड़ा सैन्य अभियान लांच किया गया है। इस अभियान को तुरंत रोकना चाहिए। सभी बलों को वापस बुला लेना चाहिए। पत्र के मुताबिक, सभी लोग चाहते हैं, समस्या का समाधान शांति वार्ता के जरिए हो। शांति वार्ता के लिए हमारी पार्टी हमेशा तैयार है। विश्वास की कमी को दूर करने के लिए हमारी तरफ से लगातार प्रयास जारी हैं, लेकिन सरकार की मंशा अलग ही दिख रही है। शांति वार्ता के जरिए समस्या हल होने की संभावना रहने के बावजूद, सरकार दमन व हिंसा के प्रयोग से समस्या का समाधान के लिए प्रयास कर रही है। इसी का नतीजा है, बीजापुर व तेलंगाना सीमा पर बड़ा सैन्य अभियान लांच किया गया है। हम सरकार से अनुरोध करते हैं कि वार्ता के जरिए समस्या का समाधान का रास्ता अपनाए। इस रास्ते से सकारात्मक नतीजा निकलेंगे। बंदूक के बल पर समस्या के हल के लिए सरकार द्वारा अमल किए जा रहे सैनिक अभियान को एक महीने के लिए स्थगित करें।

सोनिया गांधी, राहुल गांधी को नोटिस जारी करने से कोर्ट का इनकार

एजेंसी/नई दिल्ली

नेशनल हेराल्ड मनी लॉन्ड्रिंग मामले में दिल्ली की एक कोर्ट ने कांग्रेस नेता सोनिया गांधी, राहुल गांधी और अन्य को नोटिस जारी करने से फिलहाल इनकार कर दिया है। कोर्ट ने अगली सुनवाई 2 मई को तय की है। कोर्ट ने ईडी से और अधिक प्रासंगिक दस्तावेज लाने और खामियों को दूर करने को कहा है। ईडी ने तर्क दिया कि नए कानूनी प्रावधानों के तहत आरोपी को सुने बिना शिकायत (आरोप पत्र) पर संज्ञान नहीं लिया जा सकता। ईडी ने कोर्ट से अपील की करते हुए कहा कि हम नहीं चाहते कि यह आदेश लंबा खिंचे। नोटिस जारी किया जाए। हालांकि, कोर्ट ने इस बात पर जोर दिया कि अदालत को पहले इस तरह के नोटिस जारी करने की आवश्यकता के बारे में आश्वस्त होना चाहिए। कोर्ट ने टिप्पणी की कि मैं संतुष्ट होने तक ऐसा आदेश पारित नहीं कर सकता।

सुप्रीम कोर्ट से कांग्रेस सांसद राहुल गांधी को मिली बड़ी राहत, कोर्ट ने लगाई फटकार

स्वतंत्रता सेनानियों के बारे में सोच-समझकर बोलें: सुप्रीम कोर्ट

एजेंसी/नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट से कांग्रेस सांसद राहुल गांधी को बड़ी राहत मिली है। कोर्ट ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के उस आदेश पर रोक लगा दी है, जिसमें लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के खिलाफ उत्तर प्रदेश की एक ट्रायल कोर्ट की ओर से जारी समन को रद्द करने से इनकार कर दिया गया था। राहुल को उनके खिलाफ दायर वीडी सावरकर मानहानि मामले में समन किया गया था।

सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी को विनायक दामोदर सावरकर पर उनकी गैरजिम्मेदाराना टिप्पणी के लिए फटकार लगाई। कोर्ट ने कहा कि हमें अपने स्वतंत्रता सेनानियों का मजाक नहीं उड़ाना चाहिए। हालांकि, शीर्ष अदालत ने उत्तर प्रदेश में उनकी टिप्पणी के लिए दर्ज मामले में राहुल गांधी के खिलाफ आपराधिक कार्यवाही पर रोक लगा दी। न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और जस्टिस मनमोहन की पीठ ने राहुल गांधी को भविष्य में इस तरह के कोई भी बयान न देने की चेतावनी भी दी, क्योंकि शीर्ष अदालत इस तरह की टिप्पणियों पर स्वतः संज्ञान ले सकती है। पीठ ने कांग्रेस नेता की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक सिंघवी से पूछा कि क्या राहुल गांधी जानते हैं कि महात्मा गांधी भी अंग्रेजों के साथ अपने संवाद में आपका वफादार सेवक जैसे शब्दों का इस्तेमाल करते थे। जब सिंघवी ने तर्क दिया कि राहुल के खिलाफ शत्रुता और सार्वजनिक उत्पात को बढ़ावा देने के आरोप नहीं बनते तो पीठ ने टिप्पणी की, 'आप बहुत आज्ञाकारी हैं, क्या आपके मुवक्किल को पता है कि महात्मा गांधी ने भी वायसराय को संबोधित करते समय 'आपका वफादार सेवक' शब्द का इस्तेमाल किया था? क्या महात्मा गांधी को केवल इसलिए 'अंग्रेजों का सेवक' कहा जा सकता है, क्योंकि उन्होंने वायसराय को 'आपका सेवक' कहकर संबोधित किया था। उन दिनों मैंने भी देखा है, कलकत्ता उच्च न्यायालय के हमारे न्यायाधीश मुख्य न्यायाधीश को 'आपका सेवक' लिखकर संबोधित करते थे।' न्यायमूर्ति दत्ता ने कहा, 'क्या आपके मुवक्किल को पता है कि उनकी दादी (इंदिरा गांधी) जब प्रधानमंत्री थीं, तो उन्होंने भी इन्हीं सज्जन (सावरकर) की प्रशंसा करते हुए एक पत्र भेजा था?'

जिले के मुस्लिमों में उबाल: मस्जिदों में गूंजा आतंकवाद मुर्दाबाद-पाकिस्तान मुर्दाबाद का नारा

♦ डुमरांव के शाही जाम-ए-मस्जिद में मस्जिद में काली पट्टी लगाकर अता की गई जुमे की नमाज

केटी न्यूज/डुमरांव

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद देशभर में गुस्से की लहर दौड़ गई है। लश्कर-ए-तैयबा द्वारा किए गए इस हमले में निर्दोष लोगों की जान जाने से जनता आक्रोशित है और पूरे देश में पाकिस्तान के खिलाफ विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं।

लोगों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से अपील किया कि पाकिस्तान को इस कायराना हरकत का कड़ा जवाब दिया जाए। उसी क्रम में डुमरांव में मुस्लिम भाईयों के द्वारा पहल की गयी और पहलगाम में हुए आतंकी हमले के खिलाफ में मुस्लिम समुदाय के लोगों ने भी हाथ पर काली पट्टी बांध रखी बांधकर नमाज अदा की है। उन लोगों में पाकिस्तान के खिलाफ काफी आक्रोश था। मस्जिद में नमाज से पहले काली पट्टी वितरित किए और उसे लगाकर विरोध दर्ज कराया। शुक्रवार को जुमें नमाज के बाद डुमरांव नगर के तकिया मुहल्ले में स्थित शाही जाम-ए- मस्जिद के बाहर हजारों की संख्या में मस्लिम भाईयों के द्वारा मस्जिद के गेट पर खड़े होकर आतंकबाद मुदार्बाद, पाकिस्तान मुदार्बाद के नारे लगाए। हिन्दुस्तान जिन्दाबाद, हिन्दुस्तान में भाईचारा जिन्दाबाद के नारे लगाये गये।

घायलों के जल्द सेहतमंद होने की दुआ की : नमाजियों ने इस आतंकी हमले में मारे गए लोगों की आत्म की शांति और मुल्क की तरक्की, घायलों के जल्द सेहतमंद होने की दुआ की। विदेशी ताकतों को एक कड़ा संदेश देने की बात कही थी कि भारतीय उन्हें देश की शांति और एकता को कमजोर नहीं करने देंगे। ज्ञात हो कि गुरूवार को ओवैसी ने पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के सिलसिले में मेरी अपील है कि कल जब आप नमाज-ए-जुमा पढ़ने जाएं तो अपनी बांह पर काली पट्टी बांध लें। ऐसा करके हम यह संदेश देंगे कि हम भारतीय विदेशी ताकतों को भारत की शांति और एकता को कमजोर नहीं करने देंगे। इस हमले से आतंकवादियों को हमारे कश्मीरी भाइयों को निशाना बनाने का मौका मिल गया है। मैं सभी भारतीयों से अपील करता हूं कि वे दुश्मन की चालों में न फंसें।

बीच चौराहे पर फांसी देने की मांग की

जाम-ए-मस्जिद के ईमाम जुलफिकार राही ने कहा कि हम आतंकबाद के इस कायराना हरकत की खुलकर विरोध करते है। वहीं भारत सरकार से अपील करते है कि खोजबीन कर बीच चौराहे पर फांसी दे देनी चाहिए। जो हमारे देश की गंगा-जमुनी तहजीब को बर्बाद करना चाहते है। पहलगाम में बेगुनाहों का खून बहाया है ताकि पाकिस्तान में बैठे उनके आकाओं की भी रूह कांप जाये। दुबारा हमारे मुल्क हिन्दुस्तान पर नपाक ईरादे से सोचने से पहले सौ बार सोचना पड़ें। इस मुश्किल हालात में देश का बच्चा-बच्चा भारत के सरकार के साथ खड़ा है। हम प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के उस फैसले का इंतजार कर रहे है। जैसे कि 1971 में हमारी पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के द्वारा पाकिस्तान के दो टुकड़े कर चोट पहुंचायी थी। शाही जाम-ए- मस्जिद में मस्जिद डुमरांव में जुम्मे की नमाज के पहलगाम आतंकी हमले के खिलाफ जुमा की नमाज में जान गंवाने वाले लोगों के लिए दुआ पढ़ी गई।

छात्र बोले- मोदी-शाह अंकल पाकिस्तान को नक्शे से मिटा दें, शब्दकोश से हटा दें आतंकवाद को, ताकि...

न मिटेगा मां का सिंदूर-न सूनी होगी दादी की गोद और न ही बिछड़ेगा बच्चों से पापा का प्यार

हमारी बहादुर सेना जल्द से जल्द इन हत्यारों को सजा देगी

पहलगाम में जिस तरह से धर्म और नाम पूछकर आतंकवादियों ने हिन्दुओं का नरसंहार किया उससे समूचा राष्ट्र आक्रोश में है। भारत की बेटी जिस की हाथों की मेहंदी का रंग भी अभी फीका नहीं हुआ था और तीन दिन पहले ही उसकी शादी हुई थी, उसकी अपने पति भारतीय नौसेना के लेफ्टीनेंट विनय नरवाल के शव के साथ तस्वीर देखकर पूरे देश का दिल दहल गया। मुझे पूरा भरोसा है कि हमारी बहादुर सेना जल्द से जल्द इन हत्यारों को सजा देगी और हमारी सरकार इन आतंकवादियों को भेजने वालों को सबक सिखाने में कोई कसर नहीं छोड़ेगी। उन्होंने भारत सरकार से निवेदन किया कि पाकिस्तान को इसका माकूल जवाब दें और आतंकवाद को जड़ से समाप्त करें। **- अजीत ठाकुर, निदेशक, पब्लिक स्कूल, नियाजीपुर**

केटी न्यूज/बक्सर/डुमरांव

जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए दर्दनाक आतंकवादी हमले ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है। इस हमले में 26 निर्दोष लोगों की जान चली गई। जबकि कई लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। इस घटना के बाद देशभर में गुस्सा है। चाहे वो राजनैतिक दल के नेता हो, शिक्षाविद् हो, व्यापारी हो या आम जनता हो या फिर स्कूल छात्र सभी सड़कों पर उतर कर पाकिस्तान मुर्दाबाद और आतंकवाद मुर्दाबाद के जोरदार नारे लगा रहे हैं।

वहीं निजी और सरकारी विद्यालयों के छात्रों व शिक्षकों के द्वारा मारे गए निर्दोष लोगों को शुक्रवार को श्रद्धांजलि दी गई और दो मिनट का मौन रखा गया। शिक्षकों व छात्रों की मांग है कि आतंकवाद के खिलाफ भारत सरकार और कड़ा रुख अपनाए और पाकिस्तान को स्पष्ट संदेश दे कि भारत अब किसी भी हमले को बर्दाश्त नहीं करेगा और इस हमले का मुंहतोड़ जवाब देगा।

जिले के शैक्षणिक संस्थानों ने एक स्वर में कहा कि दुख की इस घड़ी में हम सभी पीड़ित परिवारों के साथ खड़े हैं। उन्होंने ईश्वर से दिवंगत आत्माओं को शांति प्रदान करने और परिजनों को इस अपूर्णीय क्षति को सहने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की है। उन्होंने घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की भी कामना की। ऐसी घटनाएं हमारे देश की एकता और अखंडता को नहीं डिगा सकतीं। वहीं छात्रों में इस हमले के खिलाफ आक्रोश है। उनका कहना है कि टीवी व मोबाइल पर जो तस्वीर देखने को मिल रही है। वो काफी भयावह है। मोदी और शाह अंकल को चाहिए की अब पाकिस्तान को नक्शे से मिटा दे। ना पाकिस्तान रहेगा और नाही भारत के शब्दकोष में आतंकवाद रहेगा फिर तो हमारे देश के नौजवान शहीद होंगे और नाही आम जनता है। ना हमारी मां की मांग की सिंदूर हटेगा और ना ही किसी दादी की आंचल सूनी होगी और न ही किसी बेटा-बेटी से पिता का प्यार छिन सकेगा पाकिस्तान।

बच्चों में दिखी देशभक्ति की भावना

वहीं, इस घटना के बाद छोटे-छोटे स्कूली बच्चों में देशभक्ति की भावना उमड़ रही है। बच्चों में आतंकियों के खिलाफ आक्रोश देखकर यह सहसा अंदाजा लगाया जा सकता है कि यदि आज वो बड़े होते तो आतंकियों व पाकिस्तान के खिलाफ खड़ा होने से कोई ताकत नहीं रोक सकता।

बदले के साथ बच्चों में देशभक्ति की भावना जगाना जरूरी

पाकिस्तान संरक्षित आतंकियों ने कश्मीर में जो हमला किया है, उसकी जितनी भी निंदा की जाए वो कम होगी। आज बाहरी ताकतें हमारी देश की अखंडता को तोड़ने की साजिश कर रही है। जिसका जवाब सरकार को हरहाल में देना चाहिए। वहीं, हमें इस बात का भी ध्यान रखना होगा कि कोई भी ऐसी घटना से हमरे देश के लोगों और धर्मों के बीच तकरार न उत्पन्न हो सके। इसके लिए जरूरी है कि हम अपने बच्चों को ऐसी शिक्षा व तहजीब सिखाएं जो धर्म से ऊपर और देश भावना से ओतप्रोत हो। क्योंकि जब बच्चों के साथ सभी लोगों में धर्म को छोड़ देशभक्ति की भावना रहेगी, तो पाक जैसे नापाक देश हमारी देश की अखंडता को तोड़ने में कभी कामयाब नहीं होगा।
- डॉ. प्रदीप कुमार पाठक, निदेशक, हेरिटेज पब्लिक स्कूल, अहरौली

बोले शिक्षाविद्...

“ हम पहलगाम में हुए घृणित, अमानवीय हमले की कड़ी से कड़ी निंदा करते हैं, जिसमें निर्दोष नागरिकों को निशाना बनाकर उनकी हत्या कर दी गई। इस तरह की कायरतापूर्ण क्रूरतापूर्ण कृत्यों का समाज में कोई स्थान नहीं है और यह कश्मीरियत के मूल्यों और भारत के विचार पर सीधा हमला है, जो लंबे समय से क्षेत्र में एकता, शांति और सद्भाव का प्रतीक रहा है। पीएम-मोदी व गृहमंत्री अमित शाह से उम्मीद है कि पाकिस्तान को सबक सीखा पीओके को भारत में कब्जा कर लेगें। **- ब्रम्हा ठाकुर, निदेशक, राइजिंग सन इंटरनेशनल स्कूल, डुमरांव**

“ पहलगाम हमले पर कहा ष्आतंकवादी ने जो बर्बरियत किया है, उसकी जितना भी निंदा करें कम है। मासूम लोगों पर हमले के लिए जिम्मेदार लोगों को चुन-चुन कर सजा दी जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि मानवता के साथ रहने वाला हर इंसान भारत के साथ है। पाकिस्तान के संबंध में यह कहना अनुचित नहीं होगा कि लातों के भूत बातों से नहीं मानते। हमें भारत के गृहमंत्री अमीत शाह व पीएम मोदी पर पूर्ण भरोसा की मारे गये एक-एक भारतीय के खून के एक-एक कतरा का हिसाब लेगें। **- भवेश तिवारी, शिक्षाविद्, सिमरी**

“ पहलगाम हमला यह बड़ी दु:खद घटना है। जब यह घटना हुई तो वहां की पुलिस कहां थी। जब लोगों के कपड़े उतार कर उनकी पहचान की जा रही और उनका धर्म पूछकर मार जा रहा था। केंद्र सरकार पाकिस्तान व देश द्रोहियों को कड़ा जवाब दिया जाए। पाकिस्तान ऐसी हरकतों को बंद कर दे नहीं तो इसका अंजाम भुगतने के लिए तैयार रहे। पाकिस्तान पर सैन्य कार्यवाई के बिना सीमा पार बैठे आंतकी आकाओं का सफाया करना मुमकिन नहीं।
- संजीव कुमार उर्फ सिंकू सिंह, निदेशक, लिजेंड स्कूल, डुमरांव

“ पहलगाम में निहत्थे लोगों पर किया गया आतंकी हमला न केवल घृणित है, बल्कि कायरता की चरम सीमा भी है। देश इन हमलों को कभी नहीं भूलेगा। सरकार इस कायराना हमले का सख्त और निर्णायक जवाब दिया जाए। अब समय आ गया है कि पाक को उसकी औकात दिखायी जाये। आंतकियों को यह पता नहीं है कि भारतीय सैन्य बल में वह ताकत है कि आतंकियों को पूरी तरह नेस्तनाबूद कर देगी व उनके आकाओं को सिर छुपाने की जगह नहीं मिलेगी।
- अजय कुमार पांडेय, निदेशक, एमआर सेठ जयपुरिया स्कूल, डुमरांव

“ पहलगाम में हुई आतंकी हमले की कड़ी निंदा की। उन्होंने कहा कि पहलगाम में जो आतंकी हमला हुआ है, वह बहुत ही निंदनीय है। इस हमले के दोषियों पर सख्त से सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। साथ ही आतंकियों को संरक्षण देने वालों को ऐसी सजा मिलनी चाहिए कि फिर आतंकवाद बढ़ावा कि वे हिमाकत करने से पहले अंजाम के बारे में सौ बार सोचे। पीएम आतंकवाद को जड़ से मिटाने के लिए कठोर कदम उठाए। जिससे कि आतंकी व उनके संरक्षक की रुह कांप उठे। पीएम द्वारा जबाबी कार्रवाई के लिए पूरे देशवासी उनके साथ खड़े हैं।
- दीपक कुमार, निदेशक, ज्ञान ज्योति पब्लिक स्कूल, रूपसागर

शिक्षकों की मांग- आतंकियों को मिले ऐसी सजा कि न नसीब हो जमीन और न ही आसमान

डुमरांव। पहलगाम में हुए आतंकी हमले से लोगों में उबाल है। इस घटना में लोगों को अंदर तक झकझोर दिया है। आक्रोशित लोगों ने कहा कि इस बार पाकिस्तान को सबक सिखाना होगा। आतंकियों को जड़ से खत्म करना होगा। इसके लिए सरकार को कड़े उठाने चाहिए।

गुरूवार की देरशाम नगर के डुमरांव कम्पटेटिव क्लासेज के बैनर तले शिक्षकों ने कैंडल जलाकर हमले में जान गंवाने वाले लोगों को श्रद्धांजलि दी। इसके बाद हाथों में कैंडल लिए शिक्षक व छात्र शहर का भ्रमण कर पाकिस्तान के खिलाफ आक्रोश व्यक्त किया। इस दौरान डुमरांव कम्पटेटिव क्लासेज इंग्लिश के शिक्षक अजितेश कुमार ने कहा कि पहलगाम में दहशतगर्दों ने निर्दोष लोगों की निर्मम हत्या की है। उन्होंने आतंकवाद का पुतला फूंक कर भारत सरकार से आतंकियों को समूल रूप से नष्ट करने के लिए कठोर से कठोर कदम उठाने की मांग की। उन्होंने सरकार से आग्रह करते हुए कहा कि अब बहुत हो गया, आतंकवादियों को ऐसी सजा दी जाए कि न उन्हें जमीन मिले, न आसमान। वहीं मैथ के शिक्षक विश्वजीत पाठक पहलगाम हमले को कायराना हरकत बताया। यह हमला पाकिस्तान समर्थक आतंकियों की करतूत है। वहीं शिक्षक दीपेश, मो. एजाज व सोनू ने कहा कि उन सभी निर्दोष हिंदुस्तानियों की हत्या करने वाले आतंकवादियों के खिलाफ सरकार से मांग की तुरंत कठोर से कठोर कारवाई की।

भारत सरकार मृतकों को एक करोड़ रुपये एवं आश्रितों को दे सरकारी नौकरी: पाण्डेय

केटी न्यूज/बक्सर

बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राजेश कुमार के निदेर्शानुसार शुक्रवार को शाम छह बजे से महागठबंधन के सभी घटक दलों द्वारा संयुक्त रूप से जम्मू कश्मीर के पहलगाम नरसंहार के मृतकों को श्रद्धांजलि देने के लिए कैंडल मार्च का आयोजन किया गया। अंबेडकर चौक बक्सर से शहीद स्मारक कवलदह पोखरा तक निकाला गया।

जिला कांग्रेस कमिटी के निलंबित अध्यक्ष डॉ मनोज पांडे उपस्थित होकर भारत सरकार से मृतक परिवार को एक करोड़ रूपया एवं आश्रितों को सरकारी नौकरी देने की मांग की है। डॉ पाण्डेय ने कहा कि इस निंदनीय कार्य को भारत सरकार संज्ञान में ले हम सब उनके साथ हैं। देश का एक-एक बच्चा एक-एक सिपाही एक-एक कांग्रेस परिवार भारत सरकार के साथ है। जो भी भारत सरकार को न्याय के लिए फैसला करनी पड़े तत्काल करें। देश में आतंकवादियों व पाकिस्तान के खिलाफ गुस्सा गुस्सा तभी शांत होगा, जब आतंकियों को सजा मिलेगी। कार्यक्रम में शामिल होने वाले मुख्य में जिला कांग्रेस कमेटी के संजय कुमार पांडेय, संजय कुमार दुबे, महेंद्र चौबे, अजय यादव, रोहित उपाध्याय, निर्मला देवी, त्रिजोगी नारायण मिश्रा, वीरेंद्र राम, जय राम, राम विनय सिंह, अभय मिश्रा, राजू वर्मा, कमल पाठक सलीम अंसारी मुख्य सैकड़ों लोगों ने शामिल हुए।

डुमरांव में अधिवक्ताओं ने किया कार्य बहिष्कार, पहलगाम हमले के खिलाफ निकाला आक्रोश मार्च

कोर्ट में लगे नारे... आतंक को देश से समाप्त करो

केटी न्यूज/डुमरांव

पहलगाम आतंकी हमला को लेकर डुमरांव स्थित अनुमंडलीय व्यवहार न्यायालय में अधिवक्ताओं ने विरोध जताया। देश की अस्मिता पर हुए हमले के खिलाफ जहां अधिवक्ताओं ने एक दिवसीय कार्य बहिष्कार किया वहीं नगर में आक्रोश मार्च निकाला।

इस आक्रोश मार्च में अधिवक्ता अपने हाथों में विभिन्न प्रकार के श्लोगन लिखी तख्ती अपने लिये हुए थे। अधिकवक्ताओं के इस आक्रोश मार्च को देखने के लिये लोग सड़कों के किनारे खड़े हो गए। इस दौरान जमकर पाकिस्तान विरोधी नारे लगाए गए। साथ ही सरकार से आतंकवाद को जड़ समाप्त करने की मांग करते हुए इनके विरोध में कड़ा रूख अपनाने की बात कही गई। आक्रोश मार्च नगर भ्रमण करते हुए न्यायालय के गेट पर जाकर समाप्त कर सभा में तब्दिल हो गया।

जहां सभा को संबोधित रते हुए अधिवक्ता संघ के अनुमंडलीय अध्यक्ष दरोगा सिंह ने कहा कि जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकियों ने निर्दोष 28 पर्यटकों को मौत के घाट उतार दिया था। उन लोगों के साथ हुआ जिस प्रकार से कृत्य किया गया, उन्होंने कभी ऐसी कल्पना नहीं की होगी। आतंकियों और दहशगर्दों द्वारा पर्यटकों से उनका नाम पुछना और महिलाओं के सामने उनके पतियों को गोलियों से भून देने वाली इस घटना को भुलाया नहीं जा सकता। यह घटना हमारी देश की सुरक्षा में चुक को भी दिखती है। घाटी में यदि पुलिस और सैन्य बलों की तैनाती होती तो आतंकी ऐसी घटना को अंजाम देने से भी डरते।

अधिवक्ताओं ने केंद्र सरकार से मांग किया कि इस प्रकार के आतंकियों के हमले को देशवासी कब तक सहते हुए अपने सगे-संबंधियों को खोते रहेंगे, सरकार को इसे जड़ से समाप्त करने की दिशा में कार्य करे। इस आक्रोश मार्च में सुनील तिवारी, पृथ्वीनाथ शर्मा, सुनील पांडेय, चितरंजन प्रसाद, प्रभानाथ तिवारी, मूरली मनोहर, उमाशंकर, अशोक प्रसाद, हृदय नारायण पांडेय, गुप्तेश्वर कुमार, मारकंडेय पाठक, उदय नारायण राम सहित दर्जनों अधिवक्ता शामिल रहे।

बोले शिक्षाविद्...

“ पहलगाम हमले की जितनी निंदा की जाए वो कम है। सरकार को इस हत्याकांड के दोषी को सख्त सजा देनी चाहिए। पूरा देश और बक्सर के लोग उन लोगों के समर्थन में खड़े हैं, जिन्होंने पहलगाम हमले में अपने प्रियजनों को खो दिया है। सभी हिंदू और मुसलमान आतंकवादियों के खिलाफ एकजुट हैं। हमें विश्वास है कि देश जवाब देगा, किसी को बख्शा नहीं जाएगा। इस मामले में आज पूरा देश एकजुट और सरकार के साथ है।
- डॉ. रमेश सिंह, शिक्षाविद् सह निदेशक, संत जॉन सेकेन्ड्री स्कूल डुमरांव

“ पहलगाम की आतंकी घटना निंदनीय है। पाकिस्तानी आर्मी चीफ के एजेंट के चलते हिंदू-मुस्लिम को अलग करने के लिए धर्म पूछकर हत्याएं की गई। सरकार को अब कड़ा जवाब देना चाहिए। अभी चुप बैठने का समय नहीं है। इन आतंकवादियों को सरकार को कुचल देना चाहिए। पहलगाम में पाकिस्तान की कायराना हरकत पर पूरा देश गुस्से में है। अभी नहीं तो कभी नहीं। सरकार पाकिस्तान को कड़ा तमाचा मारना चाहिए, जिसकी गूंज पूरी दुनिया में सुनाई दे।
- जय प्रकाश सिंह, निदेशक, रेडिऐन्ट पब्लिक स्कूल, बक्सर

“ पहलगाम आतंकवादी हमले ने हर एक भारतवासी का दिल हिलाकर रख दिया है। आतंकवाद का कोई धर्म नहीं होता। इस घटना की केवल निंदा करने से बात नहीं बनेगी। भारत सरकार को इस आतंकवाद को शरण देने वालों पर कड़ा कदम उठाने की जरूरत है। इसके लिए हर देशवासी को तन, मन और धन से भारत सरकार के साथ ताकि आतंकवाद को जड़ से खत्म किया जा सके। ताकि पाकिस्तान व उनके संरक्षित आतंवादी फिर ऐसी गलती नहीं कर सके।
- डॉ. शोभा सिंह, प्राचार्य, सुमित्रा महिला कॉलेज, डुमरांव

“ पहलगाम में जिस तरह से प्रर्यटकों पर को धर्म पूछकर हत्या की गयी है। वह पाकिस्तान और उसके द्वारा पोषित आतंकबादियों की एक सोची -समक्षी रणनिति है कि भारत में हिन्दू लोग मुस्लिमों को मारने लगे और भारत में जातिय-धर्म का उनमाद भड़के गृह युद्ध जैसी स्थिति बन जाए। भारत के लोगों को संयम बरतना चाहिए और पाकिस्तान के इस भयावह षड़यंत्र के जाल में नही फंसना चाहिए। पाकिस्तान को माकुल जबाब देने के लिए भारत में नरेन्द्र मोदी की सरकार है। **- टीएन चौबे, निदेशक कैम्ब्रिज स्कूल, डुमरांव**

“ आतंकियों ने धर्म पूछकर गोलियां चलाई है। इस हमले से यह साफ हो गया है कि पाक संरक्षित आतंकी संगठन हमारे देश की एकता तोड़ने की साज़िश की है। इसका न सिर्फ मोहतोड़ जबाब मिलनी चाहिए, बल्कि आतंकियों व उनके संरक्षक को ऐसी सजा मिलनी चाहिए, जिससे जिनकी सात नस्ल रखें याद। उन्होंने कहा हमारी धैर्य की बहुत हो चुकी अग्नि परीक्षा। आतंकी व उनके संरक्षण से अब होनी चाहिए आर पार की लडाई। पीएम के हर फैसले के साथ पूरे देशवासियों को रहेगा सहयोग।
- अमरेन्द्र राजेश, निदेशक, द एमिटी स्कूल, सोनवर्षा

डुमरांव में बाईपास निर्माण का शीघ्र होगा श्रीगणेश, प्रशासनिक कवायद तेज

रैयतदारों को भेजा गया नोटिस मापी के समय रहें मौजूद: सीओ

- सोमवार से शुरू होगी बाईपास सड़क के लिए चिन्हित भूखंड की मापी
- सीओ ने डुमरांव व भोजपुर कदीम के रैयतदारों से की अपील

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव में बाईपास सड़क की निर्माण प्रक्रिया का शीघ्र श्रीगणेश होगा। रैयतों की उदासीनता के बीच प्रशासन ने बाईपास निर्माण की कवायदें तेज कर दी है। सोमवार से चिन्हित भूमि का सीमांकन कार्य शुरू होगा। जिसको ले प्रशासनिक तैयारियां तेज कर दी गई है। सीओ शमन प्रकाश ने नोटिस जारी कर बताया है कि डुमरांव व भोजपुर कदीम मौजा के अंतर्गत आने वाले चिन्हित भूमि की मापी कराई जाएगी। इस दौरान उन्होंने रैयतदारों को वहां मौजूद रहने की अपील की है।

सीओ ने बताया कि सोमवार की सुबह 10 बजे से भोजपुर और डुमरांव मौजा की चिन्हित जमीनों की मापी कार्य शुरू कर दिया जाएगा। उन्होंने सभी रैयतदारों से अपील किया है कि वो ससमय मौके पर पहुंच जाएं जिससे विभागीय कार्य में सहूलियत व परदर्शिता आयेगी।

बाईपास निर्माण की प्रक्रिया पिछले कई माह से लंबित : बता दें कि बाईपास की स्वीकृति के बाद भूमि अधिग्रहण में रैयतदारों की उदासीनता से बाईपास निर्माण की प्रक्रिया पिछले कई माह से लंबित थी। रैयतदारों की उदासीनता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि पिछले माह तक कुल 506 रैयतो में मात्र नौ ने ही मुआवजे के लिए अपना आवेदन जमा किया था, शेष 497 रैयतदार जमीन का मुआवजा लेने से आना कानी कर रहे थे। रैयतदारों का कहना है कि सरकार द्वारा उनकी जमीन का सीमांकन कृषि योग्य भूमि के तहत किया गया है, जबकि वर्तमान में उनकी भूमि आवासीय हो गई है। सरकार द्वारा इसका रिव्यू कर मुआवजा देना चाहिए। मुआबजे की राशि को लेकर ही रैयतदारों में आवेदन देने के प्रति उदासीनता बनी हुई थी। जिसक कारण यह मसला लंबे समय तक पेंडिंग पड़ा हुआ था।

एसडीएम व जिला भू-अर्जन पदाधिकारी की बैठक में तेज हुई थी कवायद : प्रशासन ने यह तय किया है कि बहुत जल्द इस बाईपास सड़क का निर्माण कराया जाएगा। पिछले माह यह तय किया गया था कि शेष बचे रैयतदारों को एक बार फिर से नोटिस भेज चयनित भूमि का सीमांकन कर बाईपास निर्माण की प्रक्रिया शुरू करेगी। इसी के तहत अब सीओ ने नोटिस दे रैयतदारों को यह जानकारी दी है कि सोमवार से इस जमीन की मापी कराई जाएगी उन्होंने रैयतदारों को वहां मौजूद रहने की अपील भी की है।

नये सर्किल रेट से भुगतान करने की मांग

हालांकि, रैयतदार भी चाहते है कि डुमरांव में बाईपास सड़क का निर्माण शीघ्र हो, लेकिन वे अपने जमीन का उचित कीमत की मांग प्रशासन से कर रहे है। खिरौली के भू-धारी किसान रिंकू चौबे, आलोक चौबे, अनिल चौबे, कौशलेन्द्र चौबे आदि ने बताया कि सरकार द्वारा 2014-15 के सर्किल रेट से भुगतान किया जा रहा है, जबकि वर्तमान में सर्किल रेट का रिव्यू करने पर उनकी जमीन की कीमत सरकार के वर्तमान रेट से दुगना से तिगुना हो जाएगी। भू-धारी किसानों ने कहा कि सरकार को उनकी जमीन का आज के रेट से कीमत देनी चाहिए।

सीमांकन कार्य हो चुका है पूरा

"बाईपास सड़क के लिए चिन्हित जमीन का सीमांकन कार्य पूरा हो गया है। सोमवार से बाईपास निर्माण में चिन्हित भोजपुर कदीम और डुमरांव मौजा के जमीनों की मापी कराई जाएगी। रैयतदारों से अपील है कि वो अपने अपने जमीनों पर 10 बजे मौजूद रहेंगे।

- शम प्रकाश, सीओ, डुमरांव

फर्जी नंबर प्लेट लगी स्कार्पियो के साथ पकड़ा गया नाबालिग चालक

सिमरी। तिलक राय के हाता थाना की पुलिस ने थाना क्षेत्र के नियाजीपुर बाजार के समीप से एक फर्जी नंबर प्लेट वाली स्कार्पियो को जब्त करने के साथ ही नाबालिग चालक को पकड़ा है। पुलिस उससे पूछताछ कर इस मामले में जानकारी जुटा रही है कि उक्त स्कार्पियो की चोरी कहां से की गई थी।

थानाध्यक्ष विकास कुमार ने बताया कि नियाजीपुर बाजार के समीप स्थित पुलिया के पास वाहन जांच की जा रही थी। तभी बलिया की ओर से एक स्कार्पियो आती दिखाई पड़ी। जब उक्त वाहन को रोक कर पड़ताल की गई तो उसका चालक नाबालिग निकला। पुलिस ने जब स्कार्पियो के नंबर प्लेट की जांच की तो वह फर्जी निकला। इसके बाद पुलिस ने उक्त वाहन को जब्त करने के साथ ही चालक को पकड़ थाने लाई। चालक रोहतास जिले के मलियाबाग का बताया जा रहा है।

संदेहास्पद स्थिति में युवक की मौत, हत्या का आरोप

केटी न्यूज/डुमरांव

एक युवक की संदेहास्पद स्थिति में मौत हो गई है। मृतक के स्वजन जहां पीट-पीटकर हत्या करने का आरोप लगा रहे हैं, वहीं परिस्थितिजन्य साक्ष्य दुर्घटना की ओर इशारा कर रहे थे। पुलिस भी प्रथम द्दष्टया इसे दुर्घटना ही मान रही है। हलांकि पुलिस पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के का इंतजार कर रही है।

मृतक की पहचान डुमरांव नगर परिषद के विस्तारित क्षेत्र में आने वाले वार्ड 15 के निषाद टोला निवासी सुदर्शन चौधरी के 40 वर्षीय पुत्र जितेन्द्र चौधरी के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि वह गुरुवार की शाम गांव के ही समीप बक्सर पटना एनएच-922 के किनारे स्थित चाट में अचेत पड़ा था। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंचे स्वजन उसे वहां से उठाकर इलाज के लिए डुमरांव अनुमंडलीय अस्पताल ले गए, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

घटना की सूचना पर नया भोजपुर पुलिस मौके पर पहुंची तथा शुक्रवार की सुबह शव को कब्जे में ले पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल बक्सर ले गई। वहीं, स्वजनों ने आरोप लगाया है कि पूर्व के विवाद में पड़ोस के गांव के एक व्यक्ति ने पीट पीटकर उसकी हत्या कर दी है।

स्वजनों के क्रंदन चित्कार से गमगीन हो गया था माहौल : घटना के बाद स्वजनों के क्रंदन चित्कार से गांव का महौल गमगीन हो गया था। ग्रामीणों ने बताया कि उसकी पत्नी की मौत कुछ वर्ष पहले हो गई थी। इकलौता पुत्र पंकज 12 वर्ष का है। वहीं, घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

नहीं मिला लिखित आवेदन

"घटना की सूचना मिलते ही शव को कब्जे में ले पोस्टमार्टम कराया गया। स्वजनों ने अभी तक लिखित आवेदन नहीं दिया है। प्रथम द्दष्टया यह मामाल दुर्घटना का प्रतीत हो रहा है। जैसा आवेदन मिलेगा, एफआईआर दर्ज कर मामले की जांच की जाएगी। पीएम रिपोर्ट से ही जानकारी मिल सकती है कि उसकी मौत कैसे हुई है।

- मनीष कुमार, थानाध्यक्ष, नया भोजपुर

स्कूल में अनियमितता पर दो प्राचार्यों को शो-कॉज

केटी न्यूज/बक्सर

जिले के दो विद्यालयों के प्राचार्यों को जिला शिक्षा पदाधिकारी ने शो-कॉज जारी किया है। डीईओ अमरेन्द्र कुमार पांडेय ने अलग-अलग पत्र जारी कर स्कूलों में पाई गई गंभीर अनियमितताओं पर जवाब मांगा है।

साथ ही, प्राचार्यों पर स्कूल संचालन व व्यवस्थाओं को लेकर निर्दिष्ट बिंदुओं पर स्पष्टीकरण किया है। संतोषजनक जबाव नहीं देने पर विभागीय कार्रवाई की जाएगी। बताया जा रहा है कि कन्या मध्य विद्यालय अमरपुर के निरीक्षण में पाया गया कि शौचालयों में पानी की सुविधा नहीं थी। स्कूल की कक्षाएं जर्जर हालत में थीं। साथ ही, एमडीएम में

अनियमितता पाई गई। बिल और वाउचर अद्यतन नहीं थे। शिक्षिका विभा गुप्ता बिना सूचना लंबे समय से अनुपस्थित पाई गईं। दूसरी ओर मध्य विद्यालय महावीर चबूतरा के निरीक्षण में प्रिंटर और पीने का पानी उपलब्ध कराने वाला यंत्र खराब पाया गया। कंपोजिट ग्रांट की राशि के उपयोग में पारदर्शिता का अभाव, शिक्षिका संध्या सिंह बिना सूचना अनुपस्थित थीं। सफाई व भुगतान में भी अनियमितता देखी गई थी।

कार्य में लापरवाही को ले लिपिक से मांगा जबाव

डीईओ ने कर्तव्य में लापरवाही पर कार्यालय के लिपिक रामकुंवर सिंह यादव को शोकॉज किया है। बताया गया कि परिचारी अनील कुमार राम एएसएम प्लस टू उवि बलिहार 29 फरवरी 2024 को सेवानिवृति हुए, उसके बाद से अब तक कई प्रकार का भुगतान लंबित है। वहीं सेवानिवृत होने के उपरान्त महालेखाकार बिहार पटना द्वारा आवेदन के आधार पर 4 अक्टूबर 2024 को श्री राम के द्वारा कार्यालय में भुगतान हेतु आवेदन दिया गया है. जिसपर आज तक ग्रुप बीमा, अर्जिता अवकाश एवं अन्य उपादान का भुगतान नही किया गया है।

अजय को भाजपा पश्चिमी नगर महामंत्री की मिली जिम्मेदारी

बक्सर। भाजपा बक्सर नगर पश्चिमी की बैठक शहर के एक निजी लॉज में संपन्न हुई। इसकी अध्यक्षता नगर अध्यक्ष पश्चिमी अजय वर्मा व संचालन अंजय चौबे ने की। इस दौरान प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल, संगठन महामंत्री भीखू भाई दलसानिया, जिलाध्यक्ष ओम प्रकाश भुवन के निदेर्शानुसार एवं पूर्व जिलाध्यक्ष सह प्रभारी केदारनाथ नाथ तिवारी, वरिष्ठ भाजपा नेता चौधरी राम विनोद राय, रोहतास प्रभारी हिमांशु चतुवेर्दी, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य धनंजय राय आदि की उपस्थिति में बक्सर नगर पश्चिमी के कमिटी की औपचारिक घोषणा की गई।

ट्रेन से कट युवक की मौत, नहीं हुई शिनाख्त

डुमरांव। दानापुर डीडीयू रेलखंड पर डुमरांव रेलवे स्टेशन के समीप ट्रेन से कट एक युवक की मौत हो गई है। इसकी जानकारी मिलते ही जीआरपी ने शव को कब्जे में ले पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल बक्सर भेज दिया। समाचार लिखे जाने तक युवक की पहचान नहीं हो पाई थी। युवक की उम्र करीब 27 वर्ष के आस पास बताई जा रही है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज रेल पुलिस शिनाख्त के प्रयास में जुट गई है। रेल पुलिस का कहना है कि युवक की तस्वीर को आस पास के थानों के साथ ही सोसल मीडिया के विभिन्न प्लेटफार्म पर डाल पहचान का प्रयास किया जा रहा है। फिलहाल पोस्टमार्टम के बाद नियमानुसार शव को 72 घंटे के लिए सुरक्षित रखा जाएगा।

बरसात से पूर्व शुरू हुई सेंट्रल नाला की सफाई

केटी न्यूज/डुमरांव

बरसात में होने वाले जलजमाव को लेकर नप ने सेंट्रल नाला की सफाई में अपनी ताकत झोंक दी है। इसकी सफाई नहीं होने से बहुत से क्षेत्रों में नाले से पानी ओवरफ्लो होकर जलजमाव की स्थिति को पैदा कर देता है। इससे लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। ईओ मनीष कुमार ने बताया कि सेंट्रल नाला की सफाई बेहतर ढंग की जा रही है। नाला कहीं जाम नहीं होगा और न ही ओवरफ्लो होकर पानी बाहर गिरेगा। सफाई के दौरान सफाई जमादार को मजदूरों की निगरानी में लगाया गया है। इसका निरीक्षण किया जाएगा, कहीं जाम की स्थिति होगी उसे सही कराते हुए सफाई जमादार से स्पष्टीकरण पूछा जाएगा।

मालूम हो कि सेंट्रल नाला की बराबर सफाई नहीं होने के कारण कई स्थानों पर नाला जाम हो गया था। जहां नाला जाम हुआ है, वहां से पानी ओवरफ्लो होकर गली मोहल्लों में फैलने लगता था, जिससे जलजमाव की स्थिति उत्पन्न हो गई थी। नप बरसात से पहले सेंट्रल

नाला से लेकर संपर्क नालियों की सफाई कराने पर जो दे दिया है। जहां सफाई हो रही है, उस मोहल्ले के लोगों का कहना है कि महीना में एकबार भी सफाई नहीं होती है, इसका परिणाम यह है कि सेंट्रल नाले में घास के साथ पेड़-पौधे जम गए हैं, जो जीता जगता उदाहरण है। मालूम हो कि नप ने नगर में नाली, गली और संपर्क सड़कों का जाल बिछा दिया है। बरसात के दिनों में नगरवासियों को जलजमाव का सामना नहीं करना पड़े, नाली का पानी सड़कों पर नहीं बहे इसका पूरी तरह से इंतजाम कराना शुरू कर दिया है।

विश्व मलेरिया दिवस पर सभी स्वास्थ्य संस्थानों में आयोजित हुए विभिन्न कार्यक्रम, बोले एसीएमओ...

मलेरिया से निजात का उन्मूलन ही एक मात्र उपाय

केटी न्यूज/बक्सर

विश्व मलेरिया दिवस के अवसर पर शुक्रवार को जिलेभर में विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन कर लोगों को मलेरिया से बचाव के लिए जागरूक किया गया। इस अवसर पर जिले के स्वास्थ्य संस्थानों में प्रभात फेरी तो कहीं संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस क्रम में जिला मुख्यालय स्थित जीएनएम स्कूल सभागार में एक परिचर्चा का आयोजन किया गया।

इस दौरान जीएनएम के छात्र-छात्राओं को मलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम को लेकर जागरूक किया गया। साथ ही, जीएनएम छात्र-छात्राओं ने रैली भी निकाली। इस दौरान जन-जन का यही नारा है, मलेरिया मुक्त जिला हो हमारा, दूर होगी मलेरिया की बीमारी, जब हम सबकी होगी भागीदारी, मलेरिया से अपने परिवार को बचाओ,

मच्छरदानी अपनाओ आदि स्लोगन और नारे के माध्यम से लोगों को जागरूक किया गया। साथ ही, उक्त कार्यक्रम के माध्यम से लोगों को मलेरिया से बचाव सहित इसके कारण, लक्षण एवं उपचार की विस्तृत जानकारी दी गई।

अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी सह जिला प्रतिरक्षण पदाधिकारी डॉ. विनोद प्रताप सिंह ने बताया कि इस वर्ष "मलेरिया का अंत हमारे साथ पुर्ननिवेश, पुर्नकल्पना, पुर्नजीवन" थीम पर विश्व मलेरिया दिवस मनाया जा रहा है। जिसमें लोगों की सहभागिता बढ़ाने के उद्देश्य से स्थानीय स्तरों पर कार्यक्रमों का अयोजित किए गए। उन्होंने कहा कि मलेरिया मुक्त समाज निर्माण और इस बीमारी से बचाव के लिए सामुदायिक स्तर पर लोगों को जागरूक होने की जरूरत है। मलेरिया से निपटने के लिए उन्मूलन ही एकमात्र स्थायी तरीका है।

दिमागी मलेरिया में तेज बुखार के साथ खून की कमी हो जाती है : जिला वेक्टर जनित रोग नियंत्रण पदाधिकारी डॉ. शैलेंद्र कुमार ने बताया कि मलेरिया प्लाज्मोडियम नामक परजीवी से संक्रमित मादा एनाफिलीज मच्छर के काटने से होता है। मलेरिया एक प्रकार का बुखार है जो किसी भी आयु वर्ग के लोगों को हो सकता है। इसमें कपकपी के साथ 103 से लेकर 105 डिग्री तक बुखार होता है। कुछ घंटों के बाद पसीने के साथ बुखार उतर जाता है, लेकिन बुखार आते-जाते रहता है। फालसीपेरम मलेरिया (दिमागी मलेरिया) की अवस्था में तेज बुखार के साथ खून की कमी हो जाती है। इसमें बुखार दिमाग पर चढ़ जाता है और फेफड़े में सूजन हो जाती है। पीलिया एवं गुर्दे की खराबी फालसीपेरम मलेरिया की मुख्य पहचान है। हालांकि, अब जिले के सभी प्रखंडों में स्थित स्वास्थ्य केंद्रों पर इसकी जांच की सुविधा है और मरीजों के लिए निःशुल्क इलाज एवं दवा की व्यवस्था है।

मुफस्सिल थाना क्षेत्र के दौलतपुर स्थित निजी स्कूल के समीप घटी घटना

स्कार्पियो ने बाइक सवार समेत दो को मारी टक्कर, युवक की मौत

- इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाने के दौरन उसने रास्ते में तोड़ा दम
- जख्मी डांसर का आरा सदर अस्पताल में कराया जा रहा है इलाज

केटी न्यूज/आरा

आरा-बड़हरा मार्ग पर जिले के मुफस्सिल थाना क्षेत्र के दौलतपुर स्थित निजी स्कूल के सभी शुक्रवार की दोपहर स्कार्पियो ने बाइक से बाहर डांसर समेत दो को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में बाइक चला रहे युवक की मौत हो गई। इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाने के दौरान उसने रास्ते में ही दम तोड़ दिया। जबकि बाइक पर पीछे बैठी डांसर भी गंभीर रूप से जख्मी हो गई। इसके बाद उसे इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाया गया। जानकारी के अनुसार मृतक मुफस्सिल थाना क्षेत्र के शुभकारणगंज (चित्रसेनपुर) गांव निवासी कृष्णा कुमार यादव का 28 वर्षीय पुत्र श्याम सुंदर यादव है एवं वह पेशे से पेंटर था। नर्तकी की जगह डांसर कर दीजिएगाजबकि जख्मी डांसर मूल रूप से झारखंड के रांची जिला निवासी धनलाल यादव का 25 वर्षीय पुत्र अर्जुन कुमार है। वह वर्तमान में कुछ वर्षों से बड़हरा थाना क्षेत्र के नेकनाम टोला गांव में रहता है इधर मृतक के चाचा शिव कुमार यादव ने बताया कि उसके दोस्त की शादी थी।

जिसको लेकर वह बाइक से डांसर को लेने के लिए आरा आया था। आरा से जब वह डांसर को लेकर बाइक गांव लौट रहा था। उसी दौरान दौलतपुर स्थित निजी स्कूल के समीप विपरीत दिशा से आ रहे स्कार्पियो ने उसके बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। जिसमे उनका भतीजा श्याम सुंदर यादव एवं उसके बाइक पर बैठी डांसर अर्जुन कुमार गंभीर रूप से जखमी हो गए।

खलिहान में लगी 15 कट्ठे की गेहूं की फसल हुई राख

चौसा। चौसा अंचल के पलिया पंचायत अंतर्गत ओरा गांव में शुक्रवार की दोपहर अचानक खलिहान में रखे गए गेहूं के बोझों में आग लग गई। आग इतनी भीषण थी कि खेत में रखे करीब 15 कट्ठे की गेहूं की फसल पूरी तरह जलकर राख हो गई। आग लगने की वजह स्पष्ट नहीं हो सकी है, लेकिन आशंका जताई जा रही है कि पास के किसी खेत में जल रही चिंगारी हवा के साथ उड़कर खलिहान तक पहुंच गई, जिससे यह हादसा हुआ। मिली जानकारी के अनुसार, ओरा गांव निवासी किसान कमला राम ने अपने खेतों से गेहूं की फसल काटकर खलिहान में रखी थी। दोपहर में अचानक खलिहान से धुआं उठता देख ग्रामीण मौके पर पहुंचे और आग बुझाने की कोशिश शुरू कर दी। ग्रामीणों ने बाल्टी, पाइप और ट्यूबवेल के सहारे आग पर काबू पाने की पूरी कोशिश की।

आरा में मासूम बच्ची के साथ दुष्कर्म पुलिस ने आरोपी को किया गिरफ्तार

केटी न्यूज/आरा

आरा में युवक ने मासूम बच्ची को कमरे में बंद कर बच्ची के साथ दुष्कर्म किया है। घटना जिले के आरा नगर थाना क्षेत्र के एक मोहल्ले की है वहीं घटना की सूचना मिलते ही नगर थाना पुलिस घटनास्थल पर पहुंचकर मामले की छानबीन शुरू कर दी। इसके बाद देर रात एफएसएल की टीम घटनास्थल पर पहुंची और घटनास्थल से कई महत्वपूर्ण साक्ष्य एकत्रित किया।इसके बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

गिरफ्तार आरोपी उसी मोहल्ले का निवासी मो. साहब का 35 वर्षीय पुत्र मो. रिजवान है। वर्तमान में वह थाना क्षेत्र के बरहबतरा मोहल्ले में किराए का मकान लेकर रहता है। बताया जाता है कि जिस किराए के मकान में पीड़ित बच्ची रहती थी। उसी मकान में वह भी अपने फैमिली के साथ रहता था। 6 माह पहले उसने वह घर छोड़कर बरहबतरा में किराए का मकान लिया था।लेकिन कुछ सामान उसी घर में उसने रखा हुआ था। गुरुवार के शाम को अपना सामान लेने के लिए उस घर में आया। तभी बच्चों को बहला फुसलाकर अपने कमरे में ले गया और दरवाजा बंद कर उसके साथ दुष्कर्म किया। जिससे बच्ची की हालत काफी बिगड़ गई। जिसके बाद परिजनों द्वारा उसके खिलाफ टाउन थाना में नामजद प्राथमिकी दर्ज कराई गई। प्राथमिकी दर्ज के उपरांत पुलिस ने त्वरित कार्रवाई कर उसे गिरफ्तार कर लिया है।बताया जाता है कि आरोपी गद्दा बनाने का काम करता है। वह शादीशुदा है एवं उसके दो पुत्र भी है।इधर बच्ची की मां ने बताया कि आरोपी पहले उसी घर में किराए के मकान पर रहता था और कुछ दिन पूर्व उसने मकान छोड़ दिया था। छोड़ने के बाद वह कभी आया भी नहीं था। आज वह कमरे में सोई थी। तभी उनकी बच्ची बाहर निकल गई। इसी बीच उसने इस घटना को अंजाम दिया। इसके बाद बच्ची ने अपनी मां से बताया कि अंकल ने उसके साथ गंदा काम किया है। वहीं उन्होंने उसने बताया कि इस घर में जो भी रेंटर रहते हैं। किसी ने भी उसे बच्ची के साथ गलत काम करते हुए नहीं देखा है। सभी के कमरे का दरवाजा शायद बंद था।

भारत के विरुद्ध पाक जिहादी युद्ध का कठोरतम जबाव जरूरी: विहिप

केटी न्यूज/आरा

विश्व हिंदू परिषद का राष्ट्रव्यापी विरोध प्रदर्शन 25 अप्रैल को पूरे देश में हुआ। उसी क्रम में आरा के बड़ी मठिया चौक पर भी प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शन के दौरान इस्लामिक आतंकवादी का पुतला दहन किया गया। विश्व हिंदू परिषद के जिला सह मंत्री अभिषेक चौरसिया ने जम्मू कश्मीर के पहलगाम में मंगलवार को हुई भीषण आतंकी घटना की निंदा करते हुए कहा है कि अब समय आ गया है कि इस्लामिक जिहादी पाकिस्तान व उसके कश्मीरी स्लीपर सेल के विरुद्ध कठोरतम कार्यवाही सुनिश्चित कर घाटी में पुनः सिर उठाने का दुस्साहस करने वाले मजहबी आतंकवाद का समूल नाश हो।

जिला संयोजक अमित पांडे कहा है कि कश्मीर घाटी के पहलगाम में जिस प्रकार यात्रियों के पेंट उतारकर, कलमा पूछ कर और आईडी चेक कर, जब यह सुनिश्चित हो गया कि वे मुस्लिम नहीं है, उनका नरसंहार किया गया, घोर निंदनीय है। इस अमानवीय घटना पर संपूर्ण देश स्तब्ध व आक्रोशित है। विहिप के विमल किशोर पाठक ने बताया कि यह साफ दिखाई दे रहा है कि 1990 के आतंकवाद के दिनों की वापसी का दुस्साहस हो रहा है। वक्तव्य में स्मरण कराया कि कुछ दिन पूर्व ही एक सांसद ने कहा था कि कश्मीर में जो यात्री या पर्यटक आ रहे हैं या जमीन खरीद रहे हैं वे यहां सांस्कृतिक अतिक्रमण कर रहे हैं। उसके कुछ दिन के बाद ही, पाकिस्तान के सेना अध्यक्ष ने कहा कि था हमारे सामने कश्मीर को वापस लेना ही एक मात्र एजेंडा रह गया है। विहिप नेता ने यह भी कहा कि यह कोई सामान्य आतंकवादी घटना नहीं अपितु, पाकिस्तान का भारत के विरुद्ध खुले युद्ध की घोषणा है। इसका जवाब भारत सरकार को उतनी ही शक्ति से देगा।

छात्रावास चुनाव में धांधली का आरोप

आरा। पिछड़ा छात्रावास जीरो माइल आरा में छात्र प्रधान का चुना था। ये चुनाव छात्र जदयू और भगवान सिंह कुशवाहा के दबाव में कराया जा रहा था। और इसकी सूचना छात्रावासियों को कल दोपहर में दी गई जबकि चुनाव के लिए लेटर पिछले 22 अप्रैल को ही निकला गया था लेकिन छात्रों को सूचना कल दिया गया जबकी 22 तारीख को ही लेटर निर्गत किया गया। छात्र जदयू को इसकी सूचना 2 दिन पहले ही दे दी गई थी। भगवान सिंह कुशवाहा जांच के नाम पर वहां अपने समर्थकों के साथ चुनाव को आपने छात्र संगठन के पक्ष में करने के लिए आ पहुंचे जब वहां के छात्रों ने ये पूछा कि आप चुनाव के समय में किस लिए आए है और अपने हक जैसे सड़क, नाली, खेल सामग्री, पुस्तकालय, वॉटर कुलर, जैसी समस्याओं को जिला कल्याण पदाधिकारी के सामने रखा तो उनके समर्थकों ने छात्रावासियों के साथ बतसुल्की तथा दुर्व्यवहार किया।

कश्मीर के पहलगाम में हुई हैवानियत एवं शैतानियत पर नहीं रहना चाहिए चुप

बोली डॉ.अर्चना सिंह... जो जिस भाषा में समझे, उसी भाषा में ही जवाब दे सरकार

केटी न्यूज/आरा

शहर के शुभ नारायण नगर मझौंवा स्थित संभावना आवासीय उच्च विद्यालय के जुबली हॉल में शुक्रवार को नगर रामलीला समिति ट्रस्ट द्वारा के तत्वावधान में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता नगर रामलीला समिति ट्रस्ट की अध्यक्ष डॉ. अर्चना सिंह ने की। इस दौरान कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले के दौरान मृत भारतीय नागरिकों के लिए दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी गई।नगर रामलीला समिति के ट्रस्ट की अध्यक्ष डॉ. अर्चना सिंह ने कहा कश्मीर के पहलगाम में नरसंहार में मृत भारतीयों के लिए नगर रामलीला समिति ट्रस्ट द्वारा श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई है। पहलगाम में हैवानियत एवं शैतानियत हुई है। भारत के नागरिक होने के नाते हम उम्मीद रखते हैं कि सरकार इसका करारा जवाब देगी।अब भारत में गांधी वाला का युग नहीं है, जो जिस भाषा में समझता है, उसको उसी भाषा में हमें जवाब देना चाहिए। नरसंहार में मृत 28 परिवार के लोग इस देश के नागरिक रहे हैं। उन्होंने इस देश के नियम कानून को माना। देश के हित के लिए टैक्स दिया है। कही न कही गलतियां तो हुई, उसे नकारा नहीं जा सकता है। अब उन गलतियों को दरकिनार करते हुए दरिंदों को ऐसी सजा देनी चाहिए, ताकि भविष्य में इस तरह की घटना की पुनरावृत्ति नही हो सके। उन्होंने कहा कि दुःख की घड़ी में मृतक के परिवार वालों को भगवान सहनशक्ति प्रदान करें। संचालन करते हुए ट्रस्ट के उपाध्यक्ष शंभू चौरसिया ने कहा कि आज कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के गम में पूरा भारत वर्ष डूबा हुआ है। इस घटना में किसी ने भाई, किसी ने पति, तो किसी ने अपना पिता खोया है। बहुत ही दुखद घटना है। पहली बार धर्म पूछ कर एवं चिन्हित कर वारदात को अंजाम दिया गया है सरकार को इसका मुंहतोड़ जवाब देना चाहिए। श्रद्धांजलि सभा में नगर रामलीला समिति ट्रस्ट के डॉ. कुमार द्विजेंद्र, सचिव विष्णु शंकर, कोषाध्यक्ष कर्नल राणा प्रताप सिंह, ट्रस्टी रामकुमार सिंह, डॉ. कृष्ण कुमार, रेणू पांडेय, राधा कुमारी, अखिलेश्वर प्रसाद समेत काफी संख्या में लोग मौजूद रहें।

नवादा के हिसुआ में पीके की जनसभा, बोले मैं वोट मांगने नहीं आया, जाने नेताओं का हाल

बोले प्रशांत किशोर... लालू व नीतीश नहीं, बच्चों का चेहरा देखकर वोट दें

केटी न्यूज/बांका

जनसुराज यात्रा के तहत प्रशांत किशोर शुक्रवार को नवादा पहुंचे। हिसुआ प्रखंड के जीवन पब्लिक स्कूल मैदान में उन्होंने जनसभा को संबोधित किया। जनसभा में हजारों लोग जुटे। उन्होंने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि हम वोट मांगने नहीं आए हैं। हमने जिस पार्टी जिस नेता के लिए काम किया, अपना कंधा लगाया वह सब आज बड़े नेता बन चुके हैं। देश में 10 राज्यों में मुख्यमंत्री बनाया। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, नीतीश कुमार इन सभी के लिए अपना कंधा लगाया। मेरे दादा मजदूरी करते थे और मेरे पिताजी सरकारी डॉक्टर थे। मैं भी सरकारी स्कूल में वहीं बोरा वाला स्कूल में पढ़कर यहां तक पहुंचा हूं। मैं अपनी सुख सुविधा छोड़कर बिहार के बच्चों के भलाई के लिए, बिहार में बदलाव के लिए गांव-गांव घूम रहा हूं। उन्होंने कहा कि आप इतने दिनों से वोट कर रहे हैं, आपके बच्चे का आज तक नहीं बदला। आपने 15 साल लालू और 19 साल से नीतीश कुमार और भाजपा को वोट किया। बिहार के बच्चों को क्या मिला है। आप सभी अपने बच्चों के खुशहाली के लिए अपने लिए वोट करें।उन्होंने कहा कि बिहार में अधिकारी और नेता राशन कार्ड बनवाने से लेकर जमीन की रसीद कटवाने तक के लिए रिश्वत लेते हैं। आम लोग परेशान हैं। अगली बार वोट लालू, नीतीश और मोदी के चेहरे पर नहीं, अपने बच्चों का चेहरा देखकर दें। प्रशांत किशोर ने कहा कि हिसुआ की जनता को अब ऐसे नेताओं को वोट नहीं देना चाहिए जो उन्हें और उनके बच्चों को लूटते हैं। उन्होंने कहा कि अगली बार वोट देकर बिहार में जनता का राज स्थापित करें।सभा में उन्होंने रोजगार और शिक्षा को लेकर बड़े ऐलान किए। कहा कि इस साल छठ के बाद नवादा के युवाओं को 10-12 हजार रुपये की नौकरी के लिए घर-परिवार छोड़कर बाहर नहीं जाना पड़ेगा। उन्हें बिहार में ही रोजगार मिलेगा।उन्होंने कहा कि दिसंबर 2025 से 60 साल से अधिक उम्र के हर पुरुष और महिला को 2000 रुपये मासिक पेंशन दी जाएगी। साथ ही कहा कि जब तक सरकारी स्कूलों में सुधार नहीं होता, तब तक 15 साल से कम उम्र के बच्चों को निजी स्कूलों में पढ़ाएं।

20 मई को जनसुराज की बिहार बदलाव यात्रा

जेपी की जन्मभूमि सिताबदियारा से प्रशांत किशोर करेंगे शुरूआत करेंगे। इस यात्रा का उद्देश्य बिहार में व्यवस्था परिवर्तन और समग्र विकास की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम उठाना है। प्रशांत किशोर ने इस यात्रा को जेपी के अधूरे सपने को पूरा करने और बिहार में नयी राजनीति का आरंभ करने के रूप में बताया। जन सुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर ने जमुई में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान बड़ा ऐलान किया। उन्होंने कहा कि 20 मई से 'बिहार बदलाव यात्रा' की शुरूआत जय प्रकाश नारायण की जन्मभूमि सिताबदियारा से की जाएगी। यह यात्रा जेपी के अधूरे सपने को साकार करने, संपूर्ण क्रांति के उद्देश्य से बिहार में व्यवस्था परिवर्तन और समग्र विकास की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम होगी। पीएम मोदी के बिहार दौरे पर प्रशांत किशोर का तीखा प्रहार किया। प्रशांत किशोर ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हालिया बिहार दौरे पर निशाना साधते हुए कहा कि पीएम मोदी गुजरात में बुलेट ट्रेन की बात करते हैं, जहां एक लाख करोड़ रुपये खर्च किए जा रहे हैं, लेकिन बिहार में केवल 1-2 रेलवे लाइनों के दोहरीकरण और कुछ ट्रेनों की घोषणा होती है। नई ट्रेनें इसीलिए चलाई जा रही हैं ताकि बिहार के युवा उन ट्रेनों से गुजरात की फैक्ट्रियों में मजदूरी करने जा सकें।उन्होंने कहा, हमें खुशी होती अगर बिहार में स्टील की फैक्ट्रियां लगतीं और यहां से मालगाड़ियों के जरिए देशभर में स्टील भेजा जाता। बिहार को ट्रेनों से ज्यादा फैक्ट्रियों की जरूरत है। गुजरात की तरह बिहार में भी बननी चाहिए ताकि हमारे बच्चे अपने राज्य में ही रोजगार पा सकें।नीतीश सरकार के मंत्री अशोक चौधरी पर भी बोला हमलाप्रशांत किशोर ने नीतीश सरकार के मंत्री अशोक चौधरी पर भी करारा हमला बोला। उन्होंने कहा कि अशोक चौधरी का राजनीतिक चरित्र सभी जानते हैं। उन्होंने अपनी बेटी को टिकट खरीद कर सांसद बनवाया है।

मोतिहारी में पुलिस की गश्ती गाड़ी खाई में गिरी

केटी न्यूज/पटना

मोतिहारी के पकड़ीदयाल थाना क्षेत्र में छपड़ा बिहारी पुल के पास गुरुवार की रात करीब 1:15 बजे पुलिस की गश्ती गाड़ी खाई में पलट गई। इस हादसे में एसआई रामदत्त समेत चार पुलिसकर्मी घायल हो गए। बताया गया कि गश्ती गाड़ी के चालक राजमंगल साव नवादा से बैंक की सुरक्षा जांच कर लौट रहे थे। तभी छपड़ा बिहारी पुल के पास एक अज्ञात वाहन ने उनकी गाड़ी को टक्कर मार दी। इस टक्कर से गाड़ी अनियंत्रित होकर खाई में गिर गई। बताया गया कि चालक राजमंगल ने सामने का शीशा तोड़कर सभी पुलिसकर्मियों को गाड़ी से बाहर निकाला। इसके बाद वे खुद भी बेहोश हो गए। गाड़ी में एसआई रामदत्त, सिपाही श्वेता, सिपाही कंचन और चालक राजमंगल सवार थे। हादसे में चालक राजमंगल और सिपाही कंचन को गंभीर चोटें आई हैं। सिपाही श्वेता के घुटने में चोट लगी है और हाथ में शीशा चुभ गया है। सभी घायलों का इलाज मोतिहारी सदर अस्पताल में चल रहा है। सूत्रों के अनुसार, चालक राजमंगल दिनभर ड्यूटी करने के बाद रात की गश्ती पर तैनात था। थकान और पर्याप्त आराम न मिलने से यह हादसा हुआ हो सकता है। पुलिस प्रशासन मामले की जांच कर रही है।

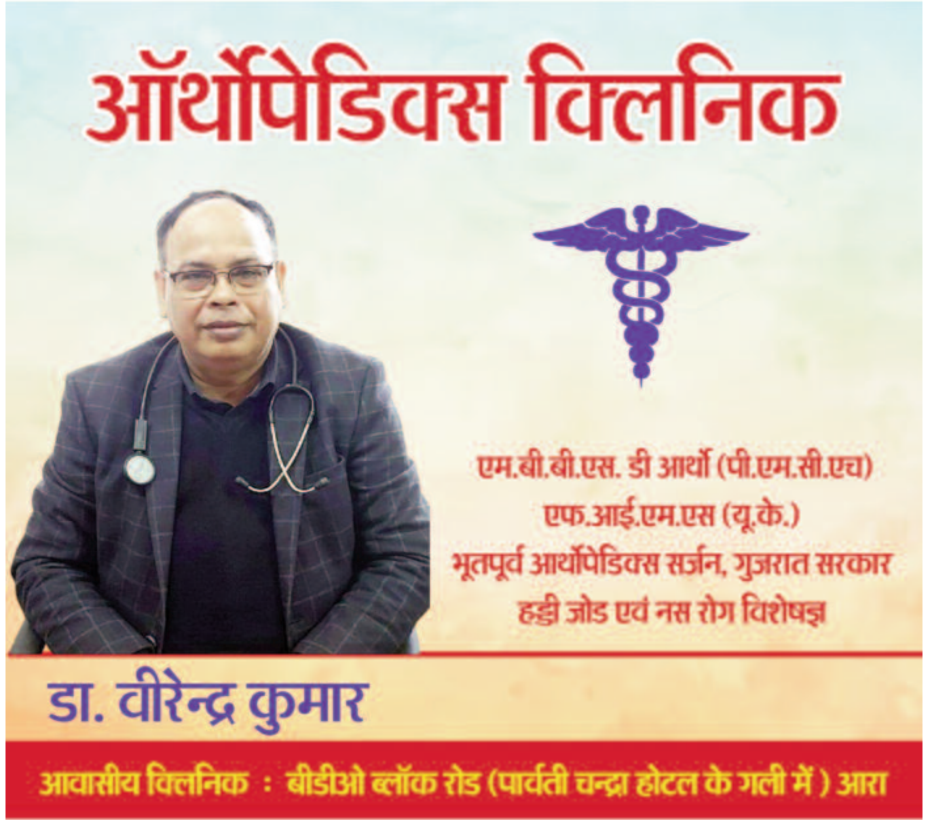

पटना सिविल कोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी

केटी न्यूज/पटना

पटना व्यवहार न्यायालय परिसर में आरडीएक्स जैसे शक्तिशाली बम के प्लांट होने की बात वाला ईमेल मिलने के बाद शुक्रवार प्रशासन ने न्यायालय को पुलिस छावनी में तब्दील कर सघन तलाशी ली। ईमेल मिलने के बाद न्यायालय परिसर के अंदर जाने वाले लोगों को रोक दिया गया और फिर धीरे-धीरे सभी न्यायिक पदाधिकारियों, वकीलों एवं कर्मचारियों को परिसर से बाहर निकाला गया। न्यायालय के तीनों द्वार पर प्रत्येक व्यक्ति की मेटल डिटेक्टर से तलाशी ली गई। पुलिस ने पूरे न्यायालय परिसर की भी बम डिटेक्टर और डॉग स्क्वॉड के द्वारा जांच की। गौरतलब है कि न्यायालय प्रशासन को एक ईमेल प्राप्त हुआ। जिसमें न्यायालय परिसर में शक्तिशाली आरडीएक्स बम प्लांट होने की बात कही गई थी। इससे कुछ दिनों पूर्व पटना उच्च न्यायालय में भी बम प्लांट किए जाने की भी खबर मिली थी, जिसके बाद पटना उच्च न्यायालय की भी सघन तलाशी ली गई थी। व्यवहार न्यायालय के ईमेल पर शुक्रवार पूर्वाह्न 11 बजकर 46 मिनट पर प्राप्त मैसेज के बाद प्रशासन को सूचना दी गई। न्यायालय प्रशासन ने इस संबंध में बार एसोसिएशन को भी सूचना भेजी। सूचना मिलने के बाद नगर पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी)-2 दीक्षा स्वयं मौके पर पहुंची। साथ ही एन्टी टेररिस्ट स्क्वाड और बम निरोधक दस्ता को भी बुलाया गया। भारी संख्या में अतिरिक्त पुलिस बल भी तैनात किए गए। ईमेल भेजने वाले ने लिखा कि आदरणीय न्यायायिक प्रशासन और स्टाफ, क्या आपको पता है? इससे पहले भी हमने कई धमकियां दी थीं, अब जाकर ये ऑपरेशन सक्सेस फुल हुआ है। जज साहब पहलगाम हमला अंतिम बड़ा परिणाम था। आखिरी कील थी। लेकिन, जिहादियों को मेंटली तैयार करने में छह महीने का वक्त लग गया। आज हमारे साथियों ने कंफर्म किया है कि आरडीएक्स वाला कोर्ट परिसर में लगाया गया है। यह ढाई बजे फटेगा।

नक्सल प्रभावित क्षेत्र में मिडिल स्कूल के बंद होने का खतरा

पटना। सरकारी मिडिल स्कूल के बच्चों को पीएमश्री कैटेगरी में आए एक स्कूल में स्थानांतरित करने की कवायद से बवाल मचा है। ग्रामीण इस सरकारी फैसले का विरोध कर रहे हैं। सरकारी स्कूल का भवन उड़ाकर बच्चों को स्कूली शिक्षा से वंचित किए जाने का काम करते थे। बच्चें शिक्षा से वंचित होने जा रहे हैं। औरंगाबाद के अति नक्सल प्रभावित मदनपुर प्रखंड के महुआइन गांव का है, जहां सरकारी आदेश पर गांव के राजकीय मध्य विद्यालय के वर्ग-6 से 8 के बच्चों को पीएमश्री कैटेगरी में आए राजकीय प्लस विद्यालय, मनिका में स्थानांतरित करने की कवायद हो रही है।

शिक्षित बेरोजगार युवाओं को देंगे रोजगार : लांडे

किशनगंज। बिहार के पूर्व आईपीएस शिवदीप लांडे सह हिंद सेना पार्टी के निमार्ता किशनगंज जिले में पहुंचे। उन्होंने कहा, प्रदेश में 60 लाख शिक्षित बेरोजगार युवा हैं। मैं उन्हें मंत्री नहीं। बल्कि नेता बनाना चाहता हूं। पूर्व आईपीएस शिवदीप लांडे अपनी हिंद सेना पार्टी बनाने के बाद पिछले 22 अप्रैल को अररिया जिले से पदयात्रा की शुरुआत की है। बता दें कि सबसे पहले वे किशनगंज सीमा के शीतलनगर चौक पहुंचे।

उसके बाद वे डहुआबाड़ी में युवाओं संग मुलाकात कर संवाद किए। जिसके बाद पहलगाम में शहीद हुए लोगों के लिए वो बिशनपुर में मौन सभा करेंगे। वहां से कैरीबीरपुर पुस्तकालय में युवा साथियों से भेंटवार्ता करेंगे। सौंथा हाट में लोगों से मुलाकात करेंगे।

गोपालगंज में बाइक व बस की टक्कर में दो युवकों की मौके पर मौत, तीसरा घायल

केटी न्यूज/गोपालगंज

अपनी चचेरी बहन की शादी का कार्ड बाटने बाइक से जा रहे युवक के चचेरे भाई तथा बड़े भाई के साले की बस से टक्कर हो जाने के कारण मौत हो गई। जबकि तीसरा युवक बुरी तरह जख्मी हो गया। मृतकों में गोपालगंज जिले के विजयीपुर गांव के हरेंद्र राम का लड़का राजेश राम उर्फ नेचर तथा घायल के बड़े भाई के साला प्रभुराम है। जो पड़ोस के उत्तर प्रदेश के देवरिया जिला के भटनी थाने के खोरीबारी रामपुर गांव के राम प्रसाद राम का लड़का है। घायल का नाम विकास राम है, जो विजयीपुर के हरेराम राम का लड़का है।बता दें कि हरेराम राम की लड़की काजल की शादी 14 मई को होनी है। इसी शादी के कार्ड बांटने के लिए घायल विकास राम, चचेरे भाई राजेश राम तथा अपने बड़े भाई के साला प्रभुराम के साथ बलुआ अफगान भटनी रोड से रिश्तेदारी में जा रहा था कि बलुआ अफगान भटनी रोड के बीच दर्शन चौराहे के पास उत्तर प्रदेश के एक सरकारी बस में जोरदार टक्कर हो गई। बाइक बस की बॉडी में घुस गया, जिसमें राजेश राम और प्रभुराम की घटना स्थल पर ही मौत हो गई। जबकि कार्ड लेकर बाइक पर पीछे बैठा काजल के भाई विकास सड़क के किनारे गिरकर बुरी तरह घायल हो गया। विकास का एक हाथ और पैर टूट गया है तथा सिर फट गया है।सूचना पाकर यूपी के भटनी पुलिस मौके पर पहुंचकर दोनों शव को पोस्टमॉर्टम के लिए देवरिया सदर अस्पताल भेज दिया। जबकि घायल को देवरिया में इलाज के लिए भेज दिया। जहां विकास का इलाज चल रहा है। जैसे ही राजेश की मौत की खबर स्वजनों को मिली कि उसी समय राजेश राम की पत्नी पिंकी देवी के ऊपर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। छह महीने का दूध मुंहे बेटे को लेकर बार-बार बेहोश हो जाती है। वहीं, मां शांति देवी चीतकार मार-मार कर रो रही है। शांति देवी कहती है कि क्या पता हमारा लड़का कैसे उन लोगों के साथ चला गया।

पीएचडी उपाधियों के वितरण से हुई, जिसमें अब तक 248 शोधार्थियों को डॉक्टरेट की डिग्रियां प्रदान की गई

सुरक्षा में चूक: टीएमबीयू के 48वां दीक्षांत समारोह में राज्यपाल के समक्ष छात्र ने की जमकर नारेबाजी

केटी न्यूज/भागलपुर

तिलका मांझी भागलपुर विश्वविद्यालय (टीएमबीयू) का 48वां दीक्षांत समारोह शुक्रवार को भव्यता के साथ आयोजित किया गया। समारोह की अध्यक्षता बिहार के राज्यपाल और कुलाधिपति आरिफ मोहम्मद खान ने की।तिलका मांझी भागलपुर विश्वविद्यालय का 48वां दीक्षांत समारोह शुक्रवार को बीएन कॉलेज परिसर में पूरे भव्यता और गरिमा के साथ आयोजित किया गया।

समारोह की अध्यक्षता बिहार के राज्यपाल सह कुलाधिपति आरिफ मोहम्मद खान ने की। कार्यक्रम की शुरुआत सुबह छह बजे पीएचडी उपाधियों के वितरण से हुई, जिसमें अब तक 248 शोधार्थियों को डॉक्टरेट की डिग्रियां प्रदान की गई। इसके बाद मुख्य दीक्षांत सत्र में कुल 5117 छात्र-छात्राओं को डिग्री और प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। इनमें स्नातकोत्तर, स्नातक, वोकेशनल और प्रोफेशनल कोर्स के विद्यार्थी शामिल रहे।इस अवसर पर तिलकामांझी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. जवाहर लाल ने कहा कि यह दीक्षांत समारोह टीएमबीयू के इतिहास का अब तक का सबसे भव्य और सबसे बड़ा आयोजन रहा है। उन्होंने सफलतापूर्वक डिग्री प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। समारोह में विश्वविद्यालय के पदाधिकारी, शिक्षक, अभिभावक और छात्र-छात्राएं बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ। तिलका मांझी भागलपुर विश्वविद्यालय के 48वें दीक्षांत समारोह में उस समय असहज स्थिति देखने को मिली। जब जदयू के चर्चित विधायक रहे गोपाल मंडल को राज्यपाल के मंच पर बैठने से सुरक्षाकर्मियों ने रोक दिया।

इस घटना के चलते विधायक को लगभग 10 मिनट तक मंच के पास ही खड़े रहना पड़ा, जिससे कार्यक्रम में व्यवधान उत्पन्न हुआ। घटना के अनुसार, गोपालपुर के विधायक गोपाल मंडल समारोह में राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान के मंच के पास जाने की कोशिश कर रहे थे। तभी सुरक्षाकर्मियों ने उन्हें रोक दिया। सुरक्षा प्रोटोकॉल का हवाला देते हुए उन्हें आगे बढ़ने से मना कर दिया गया। इस बीच स्थिति को बिगड़ता देख, टीएमबीयू के कुलपति प्रो. जवाहरलाल ने हस्तक्षेप किया और विधायक को मंच के पास ही अन्यत्र सीट पर बैठने का आग्रह किया। इसके बाद विधायक को बैठाया गया।

बिना रजिस्ट्रेशन नहीं बिकेंगी दवाइयां मेडिकल बोर्ड की मंजूरी होगी अनिवार्य

रांची, एजेंसी। स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने स्पष्ट शब्दों में कहा है कि राज्य में दवा कंपनियों और मेडिकल स्टोर्स का कोई भी फर्जीवाड़ा बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। दवा एक अति आवश्यक और संवेदनशील सामग्री है। इसके गलत या नकली प्रयोग से मरीज की जान जोखिम में पड़ सकती है, तथा उपचार में भी लाभ नहीं मिल पाता।

अतः दवाओं की खरीद-बिक्री पर स्वास्थ्य विभाग की पूरी नजर है। स्वास्थ्य गुरुवार को लोक स्वास्थ्य संस्थान (आईपीएच) सभागार में आयोजित राज्य औषधि नियंत्रण निदेशालय की समीक्षा बैठक में बोल रहे थे। उन्होंने निर्देश दिया कि राज्य की जनता को पारदर्शी और सुलभ तरीके से सही एवं गुणवत्तापूर्ण दवाएं उपलब्ध कराई जाएं। कहा कि इसके लिए स्वास्थ्य विभाग को एक ठोस कार्ययोजना तैयार करने का आदेश दिया गया है। बैठक में राज्य औषधि परीक्षण प्रयोगशाला और मानव संसाधनों की स्थिति की भी समीक्षा की गई। स्वास्थ्य मंत्री ने औषधि निरीक्षकों से उनके द्वारा अब तक की गई कार्रवाइयों, छापेमारी और कार्य प्रणाली की विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने यह भी बताया कि एक सप्ताह के भीतर फिर से समीक्षा बैठक की जाएगी, जिसमें सभी अधिकारी अद्यतन प्रगति प्रतिवेदन के साथ उपस्थित होंगे। बैठक में प्रमुख स्वास्थ्य सेवाएं निदेशक डॉ. चंद्र किशोर शाही, औषधि निदेशक रितु सहाय, संयुक्त निदेशक सुमन तिवारी समेत सभी जिलों के औषधि निरीक्षक एवं अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

एक क्लिक में मिले दवाओं की जानकारी...: स्वास्थ्य मंत्री ने यह भी निर्देश दिया कि ऐसी प्रणाली विकसित की जाए जिससे सभी मेडिकल स्टोर्स में उपलब्ध दवाओं की जानकारी एक क्लिक में मिल सके। सभी ड्रग इंस्पेक्टरों को निर्देश दिया गया कि वे नियमित रूप से दवा दुकानों का निरीक्षण करें, दवाओं की गुणवत्ता और स्टॉक की जांच करें। यदि किसी दुकान में अनियमितता पाई जाती है तो संबंधित दुकानदार पर सख्त कार्रवाई की जाए।

राज्य में उपलब्ध दवाओं का मांगा विवरण: स्वास्थ्य मंत्री डॉ. अंसारी ने औषधि निदेशक रितु सहाय से यह जानकारी भी ली कि राज्य में किन-किन दवाओं की उपलब्धता है और उन पर सरकार का क्या नियंत्रण है। साथ ही, उन्होंने दवाओं की गुणवत्ता परीक्षण की प्रक्रिया के बारे में भी जानकारी प्राप्त की।

बिना पर्ची के कफ सिरप देना कानूनन अपराध: मंत्री ने स्पष्ट किया कि बिना डॉक्टर की लिखित पर्ची के प्रतिबंधित दवाएं या कफ सिरप देना कानूनन अपराध है, और इसे सख्ती से लागू किया जाए। उन्होंने सभी मेडिकल स्टोर्स से इसका पालन करने को कहा।

नकली दवाओं के सिंडिकेट पर करें कार्रवाई: डॉ. अंसारी ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि नकली दवाओं के सिंडिकेट की पहचान कर उन पर कठोर कानूनी कार्रवाई की जाए।

संक्षिप्त समाचार

पहलगाम आतंकी हमले पर पूर्व सीएम चंपाई सोरेन ने कांग्रेस को घेरा, कहा- उनकी उल्टी सोच

लोहरदगा, एजेंसी। पहलगाम की घटना को लेकर कांग्रेस के मंत्री और नेताओं द्वारा दिए जा रहे बयान पर पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने करारा जवाब दिया है. झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन गुरुवार को लोहरदगा पहुंचे. लोहरदगा के जिला परिसदन में उन्होंने मीडिया से बातचीत की. लोहरदगा में भाजपा के कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने पहलगाम की घटना को लेकर दुख जताया. इसके साथ ही कांग्रेस नेताओं की ओर से आ रहे बयानों को लेकर तीखी आलोचना की है.

लोहरदगा सांसद सुखदेव भगत ने कहा था कि वीजा-पासपोर्ट रद्द करने की बात तो ठीक है, लेकिन एक ठोस और सैन्य कार्रवाई होनी चाहिए. वहीं, रांची में कांग्रेस के प्रेस कांफ्रेंस में 23 अप्रैल को राज्य के स्वास्थ्य मंत्री ने कहा था कि यह घटना क्यों घटी है, 56 इंच का सीना क्या कर रहे थे. कांग्रेस नेताओं के इस बयान पर चंपाई सोरेन ने कहा है कि उन लोगों की सोच ही उल्टी है. सरकार कदम उठा रही है. आवश्यक कार्रवाई कर रही है. सर्वदलीय बैठक में भी फैसला लिया जाएगा.

पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि उन लोगों (कांग्रेस) को इंतजार करना चाहिए. इस तरह का बयान ठीक नहीं है. उन्होंने कहा कि पहलगाम में घूमने गए हुए लोगों के साथ जिस प्रकार की बर्बरता हुई है. उसकी जितनी भी निंदा की जाए, कम है. इस प्रकार की घटना बेहद शर्मनाक घटना है. इस घटना से पूरा देश दुखी है. भाजपा नेता ने कहा कि उन्हें पूरा भरोसा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस मामले में कड़ी कार्रवाई करेंगे. सभी को केंद्र सरकार पर भरोसा रखना चाहिए. पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन लोहरदगा में बीजेपी के कार्यक्रम में कार्यकर्ताओं को संबोधित करने पहुंचे थे. नगर भवन में आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता मौजूद थे.

बोकारो रेलवे स्टेशन के पास लगी भीषण आग, 17 दुकानें जलकर राख

बोकारो, एजेंसी। रेलवे स्टेशन के समीप झोपड़ीनुमा दुकानों में गुरुवार की देर रात करीब 1:00 बजे भीषण आग लग गई, जिसमें 17 दुकानें जलकर पूरी तरह राख हो गईं। घटना में हालांकि किसी प्रकार की जानमाल की क्षति नहीं हुई, लेकिन दुकानदारों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, आग लगने की शुरुआत एक गुमटी से हुई, जिसमें संभवतः शॉर्ट सर्किट कारण बताया जा रहा है। देखते ही देखते आग ने आसपास की सभी दुकानों को अपनी चपेट में ले लिया।

सूचना मिलने पर स्थानीय लोगों ने फायर ब्रिगेड को कॉल किया, लेकिन लगभग एक घंटे के विलंब से दमकल की गाड़ी मौके पर पहुंची। तब तक दुकानों को बचाना संभव नहीं हो सका। जली हुई दुकानों में अमित होटल, मनोज जनरल स्टोर, राशन दुकानें व अन्य दैनिक जरूरत की दुकानें शामिल थीं।

अमित होटल के मालिक अमित कुमार ने बताया कि रोज की तरह उन्होंने रात 11:30 बजे दुकान बंद की थी और कर्मचारी दुकान पर ही सो रहे थे। अचानक आग लगने की खबर मिली और बुझाने का प्रयास किया गया, पर आग की लपटें तेज थीं। मनोज कुमार, जिनकी राशन दुकान जल गई, ने बताया कि यह उनकी आजीविका का एकमात्र साधन था। वहीं दुकानदार भीम प्रसाद का कहना है कि उनके पूरे परिवार की जीविका इसी दुकान पर निर्भर थी, अब सब कुछ खाक हो गया है। स्थानीय मंटू दीक्षित ने बताया कि लगभग दो बजे अपने बेटी को लेने के लिए स्टेशन आए थे तो देखा की आग लगी हुई।

सिरमटोली रैंप निर्माण को लेकर आमने-सामने स्थानीय और प्रशासन, महिला इंस्पेक्टर से धक्कामुक्की

रांची, एजेंसी। सिरमटोली फ्लाईओवर का विवाद एक बार फिर से चरम पर पहुंच गया है. गुरुवार की देर रात जैसे ही कंस्ट्रक्शन कंपनी के द्वारा रैंप निर्माण का काम शुरू किया गया, निर्माण का विरोध करने के लिए देर रात दर्जनों लोग सिरम टोली पहुंच गए. इस दौरान पूरे सिरम टोली चौक को पुलिस छावनी में तब्दील करना पड़ा. आधी रात तक रैंप का विरोध कर रहे लोगों के साथ रांची पुलिस जूझती रही. इस दौरान जमकर हंगामा हुआ.

रांची के सिरमटोली फ्लाईओवर रैंप के निर्माण को लेकर देर रात गुरुवार से जमकर हंगामा हो गया. सिरमटोली फ्लाईओवर का निर्माण कर रही कंपनी ने गुरुवार की देर रात रैंप का निर्माण शुरू किया, जैसे ही इसकी जानकारी आदिवासी संगठन को हुई, वह सिरमटोली पहुंचे और निर्माण कार्य का विरोध करने लगे.

आदिवासी संगठन के विरोध को देखते हुए पूरे सिरमटोली चौक को पुलिस छावनी में तब्दील कर दिया गया. आननफानन में रांची के सिटी एसपी, डीएसपी सहित कई थानेदार मौके पर पहुंचे. इस दौरान पुलिस और रैंप विरोधी लोगो के बीच जमकर कहासुनी हुई. डोरंडा थाना प्रभारी दीपिका प्रसाद के साथ विरोध कर रही कई महिलाओं ने धक्कामुक्की की.

गुरुवार की रात 12 बजे तक पुलिस और रैंप विरोधियों के बीच तनातनी रही. निर्माण के लिए लाए गए जेसीबी के सामने बार बार आदिवासी संगठन के लोग सामने आ जा रहे थे. इस दौरान काफी हंगामा हुआ. आदिवासी संगठनों का आरोप है कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के द्वारा आदिवासियों को धोखा दिया जा रहा है. सरना स्थल को लेकर रैंप का विरोध समाज के द्वारा किया जा रहा है. लेकिन सरकार पूरे मामले में चुप्पी सादे हुए अब इस मामले को लेकर सरकार का ही विरोध किया जाएगा.

बच्चों का स्कूल में नामांकन व ठहराव बड़ी चुनौती : डीसी

धनबाद, एजेंसी। स्कूल रूआर-2025 को लेकर बुधवार को न्यू टाउन हॉल में जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया. उपायुक्त माधवी मिश्रा ने कहा कि जिले के 5 से 18 वर्ष के शत-प्रतिशत बच्चों को शिक्षित करना, विद्यालयों में उनकी उपस्थिति सुनिश्चित करना तथा ड्रॉप आउट कम करना स्कूल रूआर 2025 का उद्देश्य है. स्कूलों में छात्रों की कम उपस्थिति और आठवीं से बच्चियों का ड्रॉप आउट चिंता का विषय है. हर साल अभियान चलने के बाद भी ग्रामीण क्षेत्र में बच्चियां नामांकन से वंचित रह जा रही हैं. बच्चों व उनके अभिभावकों में जागरूकता लाने के लिए स्कूल प्रबंधन, प्रधानाचार्य, जनप्रतिनिधि व अभिभावकों का योगदान तथा भागीदारी महत्वपूर्ण है. इसे चुनौती के रूप में लेना है.

उन्होंने कहा कि जिले में नामांकन लेने वाले बच्चों की संख्या में बढ़ोतरी आयी है, लेकिन आज भी शतप्रतिशत नामांकन नहीं हो पाया है. आठवीं के बाद बच्चियों के ड्रॉप आउट की संख्या अधिक है. बच्चों को किताब, बैग, जूते, ड्रैस, साइकिल, एमडीएम समेत अन्य सुविधा उपलब्ध करायी जाती है. राज्य सरकार ने सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना भी शुरू की है. स्कूल रूआर 2025 के तहत आगामी 10 मई तक जागरूकता कार्यक्रम चलाया जायेगा. जिला शिक्षा अधीक्षक सह अपर जिला कार्यक्रम पदाधिकारी आयुष कुमार ने कार्यक्रम की महत्व एवं राज्य कार्यालय द्वारा प्राप्त निर्देश व बच्चों के नामांकन आवश्यक क्यों है, इन सभी बिंदुओं से अवगत कराया. अतिरिक्त जिला कार्यक्रम पदाधिकारी आशीष कुमार ने पीपीटी के माध्यम से महत्वपूर्ण बिंदुओं को प्रदर्शित किया गया. धन्यवाद ज्ञापन देते हुए जिला शिक्षा पदाधिकारी अभिषेक झा ने स्कूल रूआर 2025 अभियान के सफल बनाने में बीपीओ सीआरपी एवं बीआरपी के योगदान को महत्वपूर्ण बताया. मौके पर जिला समाज कल्याण पदाधिकारी अनीता कुजूर, टुंडी विधायक प्रतिनिधि जगदीश प्रसाद चौधरी, झरिया विधायक के प्रतिनिधि केडी पांडेय, विभिन्न प्रखंड के बीडीओ सहित अन्य लोग मौजूद थे. छह से 14 साल उम्र के आउट ऑफ स्कूल की बात करें तो 50 सेंटर में 268 बच्चे हैं. सबसे अधिक झरिया के छह केंद्र में 57 बच्चे हैं, बलियापुर के पांच सेंटर में 45, गोविंदपुर के 16 सेंटर में 44, बाघमारा के आठ सेंटर में 40, धनबाद के तीन सेंटर में 37, टुंडी के चार में 23, निरसा के तीन में आठ, केलियासोल के एक में छह, पूर्वी टुंडी के तीन में पांच व तोपचांची के एक के तीन है.

14 से 18 साल तक के 519 विद्यार्थी ड्रॉप आउट: 14 साल से 18 साल के आउट ऑफ स्कूल बच्चों की संख्या 519 है. इसमें सबसे अधिक धनबाद के 97 हैं. इसमें गोविंदपुर के 69, बलियापुर के 64, टुंडी के 49, बाघमारा के 41, निरसा के 39, एग्यारकुंड के 37, झरिया के 36, केलियासोल के 32, पूर्वी टुंडी के 30, तोपचांची के 25 विद्यार्थी शामिल है.

पहलगाम आतंकी हमले के विरोध में पलामू का अल्पसंख्यक समुदाय, बोले- सेना के साथ हर मुसलमान

पलामू, एजेंसी। कश्मीर के पहलगाम आतंकी हमले के खिलाफ विरोध प्रदर्शन जारी है. पलामू में गुरुवार को लगातार दूसरे दिन विरोध प्रदर्शन जारी रहा. अल्पसंख्यक समुदाय इस हमले के विरोध में सड़क पर उतरा और विरोध मार्च किया. इस दौरान हाथ में कैंडल लेकर आतंकी हमले में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि दी गई.

विरोध प्रदर्शन कर रहे लोगों ने कहा कि भारत सरकार, पाकिस्तान पर हमला करे. एक-एक अल्प मुसलमान इंडियन आर्मी के साथ इस हमले में साथ देगा. विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे मोहर्रम इंतजामिया कमेटी के पूर्व जनरल शहरयार अली ने कहा केंद्र में भारतीय जनता पार्टी की सरकार है. कांग्रेस के नेता इस्तीफा मांग रहे है, कांग्रेस की सरकार रहती तो बीजेपी के नेता इस्तीफा मांगते हैं. यह विरोध प्रदर्शन कोई राजनीति के लिए नहीं है.

अल्पसंख्यक समुदाय एक मजबूत संदेश दे रहा है कि भारत की सरकार पाकिस्तान पर हमला करें. हमले में एक-एक मुसलमान भारतीय आर्मी के साथ खड़ा है. कुछ लोगों के द्वारा मामले में गलत तथ्यों को प्रचारित किया जा रहा है. दरअसल मुस्लिम नगर से विरोध प्रदर्शन मार्च निकाला गया, जो मेदिनीनगर शहर के छहमुहान में जाकर समाप्त हुआ. दअरसल पहलगाम आतंकी हमले में 27 पर्यटकों की मौत हुई थी. इस आतंकी हमले के बाद पूरे देश में प्रदर्शन जारी है. बुधवार को पलामू के कई इलाकों में विरोध प्रदर्शन हुआ. इस विरोध प्रदर्शन में सैकड़ों लोग शामिल हुए.

नक्सलियों का खतरनाक प्लान आया सामने, 35 पेन ड्राइव और मेमोरी कार्ड से खुला राज

बोकारो, एजेंसी। बीते सोमवार को लुगू पहाड़ पर हुए मुठभेड़ में मारे एक करोड़ के इनामी नक्सली प्रयाग व उसके सहयोगियों के पास से पुलिस ने 35 पेन ड्राइव व मेमोरी कार्ड बरामद किया है। यहां से दो सैमसंग कंपनी का टैब भी मिला है। बरामद पेन ड्राइव, मेमोरी कार्ड व टैब को पुलिस ने खंगालना शुरू कर दिया है।

मिली प्रारंभिक जानकारी के अनुसार इस पेन ड्राइव व मेमोरी कार्ड से लेकर टैब में लाल आतंक को सींचने के लिए मिलने वाले लेवी का ब्यौरा उपलब्ध है। संगठन के निचले स्तर से लेकर थिंक टैंक का नाम पता समेत अन्य जानकारियां भी इसमें मौजूद हैं।

प्रशिक्षण देने के तरीके भी इसमें बताए गए हैं। संगठन के प्रचार-प्रसार का मैटेरियल भी इसमें है। बताया जा रहा है कि भविष्य की नक्सली संगठन की योजनाएं भी इसमें दर्ज हैं। पुलिस को इससे मिली जानकारियों के आधार पर नक्सल संगठन के जड़ से उखाड़ने में काफी मदद मिलेगी। लाल आतंक को लेवी देकर आर्थिक मजबूती देने वालों की भी सूची भी इसमें है। इनकी भी नकेल अब पुलिस कस पाएगी।

बताया जा रहा है कि चार घंटे तक नक्सलियों व पुलिस के बीच चली मुठभेड़ में हुई थी। इधर इस बार की भुठभेड़ में एक भी एक-47 राइफल नहीं बरामद हुई। वजह बताई जा रही है कि बीते जनवरी माह में पुलिस की नक्सलियों से मुठभेड़ हुई थी। उस समय दो एके-47 राइफल को पुलिस ने बरामद किया था।

एक एके-47 राइफल बिहार के जमुई का रहने वाला नक्सली अरविंद यादव उर्फ अविनाश का था। उस समय के मुठभेड़ में वह अपना यह हथियार छोड़कर भाग निकला था। पुलिस जनवरी में इसके हथियार को बरामद की थी। तबसे स यह एसएलआर राइफल लेकर ही चल रहा था। एक करोड़ के इनामी नक्सली प्रयाग के पास भी एके-47 राइफल नहीं थी। सुरक्षा बलों से पुलिस के एक-47 राइफलों समेत अन्य उन्नत हथियारों का मुकाबला नक्सली नहीं कर पाए और इन्हें मार गिराया गया। मुठभेड़ के बाद नक्सलियों का 35 पेन ड्राइव व मेमोरी कार्ड पुलिस के हाथ लगा है। इसमें नक्सली संगठन के बारे में कई जानकारियां हैं। प्रशिक्षण, लेवी, प्रचार-प्रसार समेत मनोरंजन से संबंधित मैटेरियल इसमें हैं।

2029 तक 10 लाख लीटर प्रतिदिन दूध उत्पादन का लक्ष्य: शिल्पी नेहा तिर्की

रांची, एजेंसी। रीजनल मिल्क यूनियन के गठन को लेकर रांची के होटवार में जागरूकता सह क्षमता उन्नयन कार्यशाला का आयोजन किया गया. झारखंड मिल्क फेडरेशन की ओर से आयोजित किए गए कार्यशाला में राज्य की कृषि एवं पशुपालन मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की भी शामिल हुई. इस कार्यक्रम में राज्य की कृषि एवं पशुपालन मंत्री ने कहा कि दूध उत्पादन के क्षेत्र में राज्य लंबी छलांग लगाए, इसके लिए झारखंड मिल्क फेडरेशन को अभी से जुट जाना चाहिए. उन्होंने कहा कि वर्ष 2029 तक के लिए उन्होंने राज्य में दूध उत्पादन का नया लक्ष्य 10 लाख लीटर प्रति दिन तय किया है।

रांची के होटवार स्थित मेधा डेयरी के परिसर में आयोजित कार्यशाला में कृषि एवं पशुपालन मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने श्वेत क्रांति की ओर इशारा करते हुए कहा कि आज वर्गीज कुरियन के प्रयास और सफलता से हम सभी को सीख लेने की जरूरत है. अपना राज्य झारखंड भी उसी श्वेत क्रांति की राह पर आगे बढ़ रहा है. एक समय में दूध उत्पादन 40 हजार लीटर प्रति दिन था, जो आज बढ़कर 02 लाख लीटर प्रतिदिन से ज्यादा हो गया है. अब 2029 तक 10 लाख लीटर प्रति दिन दूध उत्पादन का लक्ष्य है।

उन्होंने यह भी कहा कि अगले चार साल के बाद जेएमएफ को किसानों के माध्यम से ही संचालित किया जाएगा, क्योंकि नेशनल डेयरी डेवलपमेंट बोर्ड के सहयोग का सफर 2029 में खत्म होने जा रहा है. ऐसे में राज्य के किसानों और पशुपालकों के कंधों पर बड़ी जिम्मेवारी आने वाली है और इसके लिए उन्हें तैयार रहना होगा. कृषि मंत्री ने कहा कि आज झारखंड मिल्क फेडरेशन का टर्न ओवर 430 करोड़ तक पहुंच गया है, लेकिन हमें यह भी ध्यान रखना होगा कि कई दूसरे राज्यों में ये आंकड़ा हमसे अधिक का है. कृषि एवं पशुपालन मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि झारखंड के किसानों से मुझे काफी अपेक्षाएं है. अब तक ग्रामीण स्तर पर 170 सोसाइटी का गठन हो चुका है. अब बारी रीजनल स्तर पर सोसाइटी गठन की है. ये एक सेतु के रूप में काम करेगा।

उन्होंने कहा कि विभाग का लक्ष्य राज्य में सिर्फ दूध उत्पादन को बढ़ाना ही नहीं है, बल्कि किसानों-पशुपालकों को आर्थिक रूप से सशक्त करना भी है. किसान कैसे सशक्त होंगे, इस पर काम करने की जरूरत है. झारखंड देश का एक मात्र ऐसा राज्य है जहां गो पालक किसानों को 5 रुपए प्रति लीटर प्रोत्साहन राशि दी जा रही है. राज्य के किसानों के लिए गठबंधन वाली सरकार का दिल और दरवाजा हमेशा खुला है. सहकारिता एक कानून है जिसके साथ जुड़ना आपका मौलिक अधिकार है।

पांचों प्रमंडल में यूनियन का हो गठनः कांके विधायक

इस कार्यक्रम में शामिल कांके से कांग्रेस विधायक सुरेश बैठा ने कहा कि राज्य की कृषि मंत्री कृषि, दुग्ध उत्पादन, बाजार –हाट के सौंदर्यीकरण को लेकर बेहद गंभीर हैं. राज्य में मांग के अनुरूप दूध का उत्पादन तेजी से बढ़ रहा है. राज्य के सभी 5 प्रमंडल में यूनियन का गठन कर इसे और बेहतर बनाया जा सकता है. कांग्रेस विधायक ने कहा कि जहां एक ओर केंद्र की भाजपा सरकार किसान विरोधी है, वहीं उनके नेता राहुल गांधी और राज्य में चल रही इंडिया गठबंधन की सरकार, किसानों के हितों की रक्षा करने वाली है। राज्य के कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता सचिव अबू बकर सिद्दिकी ने कहा कि आज राज्य के सभी 24 जिलों में झारखंड मिल्क फेडरेशन काम कर रहा है. जेएमएफ में किसानों की सहभागिता बढ़ाने और निर्णय लेने की क्षमता को बढ़ाने की आवश्यकता है. एनडीडीबी से अलग होने तक जेएमएफ को अपने बूते आगे बढ़ने के लिए पूरी तरह से कमर कस लेना होगा. इस मौके पर मेधा डेयरी के डायरेक्टर ने तुलनात्मक रूप से पिछले कुछ वर्षों की तुलना में बेहतर काम करने की रिपोर्ट कार्यशाला में पेश की. मंच से बेहतर काम करने वाले तीन समितियों को पुरस्कृत भी किया गया.

गंगा में दूध चढ़ाने से मिलते हैं ये अनगिनत लाभ

मां गंगा की पूजा करने से जीवन में सुख-समृद्धि का वास होता है। साथ ही, मां गंगा का आशीर्वाद भी प्राप्त होता है। व्यक्ति को मृत्यु के बाद मोक्ष मिलता है। वहीं, ज्योतिषाचार्य ने बताया कि मां गंगा की पूजा के दौरान या गंगा स्नान के दौरान गंगा में दूध भी चढ़ाना चाहिए। आइये जानते हैं इसके पीछे का महत्व एवं इससे मिलने वाले लाभ।

गंगा में दूध चढ़ाने से मिलती है शिव कृपा
मां गंगा का वास शिव जी की जटाओं में माना गया है। ऐसे में मां गंगा की पूजा से शिव जी भी प्रसन्न हो जाते हैं। साथ ही, मां गंगा में दूध चढ़ाने से उतना ही पुण्य प्राप्त होता है जितना पुण्य शिवलिंग पर दूध चढ़ाने से मिलता है। गंगा में दूध चढ़ाने से भगवान शिव की कृपा होती है और व्यक्ति को महादेव का सानिध्य प्राप्त होता है।

गंगा में दूध चढ़ाने से दूर होता है दोष
गंगा में दूध चढ़ाने से ग्रह दोष भी दूर हो जाते हैं। कुंडली में कैसा भी ग्रह दोष क्यों न लग रहा हो, अगर आप उतने सक्षम नहीं है कि ग्रह दोष दूर करने के लिए किसी भी प्रकार की पूजा करवा पाएं तो आप बस गंगा में पूर्ण श्रद्धा से 11 दिनों तक एक छोटी लुटिया में दूध भरकर अर्पित करें। इससे ग्रह दोष से दूर हो जाएगा।

गंगा में दूध चढ़ाने से मिटते हैं पाप
गंगा में स्नान करने से व्यक्ति के पापों का नाश होता है, लेकिन वहीं अगर गंगा में दूध अर्पित किया जाए तो इससे पीढ़ी दर पीढ़ी से चले आ रहे दोषों एवं पापों का निवारण हो जाता है। व्यक्ति के पूर्वजों और उसकी आने वाली पीढ़ी को मां गंगा की कृपा से पाप चक्र के फल से मुक्ति मिलती है। साथ ही, पुण्यों में वृद्धि भी होती है।

गंगा में दूध चढ़ाने से मिलती है दिव्य ऊर्जा
गंगा में दूध चढ़ाने से सकारात्मकता का संचार होता है और व्यक्ति के भीतर, आसपास या घर में मौजूद नकारात्मक ऊर्जा दूर हो जाती है। गंगा में दूध अर्पित करने से व्यक्ति के भीतर दिव्य ऊर्जा का संचार होता है और व्यक्ति को आध्यात्मिक शक्ति मिलती है जिससे उसकी भक्ति में बढ़ोतरी होती है और शांति प्राप्त होती है।

गायत्री मंत्र का जाप करते समय भूलकर भी न करें ये गलतियां

फायदे की जगह हो सकते हैं नुकसान

गायत्री मंत्र को समस्त मंत्रों में श्रेष्ठ माना जाता है, यदि आप इस मंत्र का जाप करते हैं तो कुछ नियमों का पालन करना जरूरी माना जाता है। ऐसा करने से आपके जीवन में सकारात्मक ऊर्जा बनी रहती है।

हिंदू धर्म में किसी भी मंत्र के जाप का विशेष महत्व है और हर मंत्र के उच्चारण का विशेष तरीका है। मंत्रों के जाप से मन को शांति मिलती है और शरीर में भी एक अलग ऊर्जा का वास होता है। यदि आप सुबह शाम मंत्रों का जाप नियम पूर्वक करते हैं तो ये कई तरह से लाभदायक होते हैं। इन्हीं मंत्रों में से एक है गायत्री मंत्र। इसके जाप से आसपास का वातावरण शुद्ध होता है और घर में खुशहाली बनी रहती है। गायत्री मंत्र के जाप करने का जीवन में विशेष महत्व है। यही नहीं मान्यता है कि यदि आप नियमित रूप से गायत्री मंत्र का जाप करते हैं तो आपके जीवन में किसी भी क्षेत्र में सफलता मिलती है। गायत्री मंत्र वह मंत्र है जो आपके आत्मबल को मजबूत करने में मदद करता है। ऐसा माना जाता है कि गायत्री मंत्र का जाप आपको कुछ विशेष नियमों के अनुसार ही करना चाहिए अन्यथा इसके फायदों की जगह नुकसान हो सकते हैं।

तामसिक लोगों को नहीं करना चाहिए गायत्री मंत्र का जाप

यदि आप गायत्री मंत्र का जाप करते हैं तो ध्यान रखें कि आपको मांस-मदिरा या तामसिक भोजन का भोग करके इस मंत्र का जाप नहीं करना चाहिए। गायत्री मंत्र को अत्यंत शक्तिशाली मंत्र माना जाता है और यदि तामसिक जीवन जीने वाले इस मंत्र का जाप करेंगे तो इसके फायदे की जगह नुकसान होने लगेंगे। ऐसा करना मंत्रों का अपमान माना जाता है और आपको इस मंत्र के सकारात्मक फल नहीं मिलते हैं।

बिना स्नान के न करें गायत्री मंत्र

गायत्री मंत्र का जाप हमेशा स्नान करने के बाद ही करना चाहिए। आप इस मंत्र को जिस समय भी पढ़ें ध्यान में रखें कि पहले आप स्नान करके साफ़-सुथरे वस्त्रों को धारण करें उसके बाद ही इस मंत्र का जाप करें। कभी भी इस मंत्र का जाप आपको बिना स्नान किए हुए नहीं करना चाहिए और गंदे वस्त्रों को पहनकर भी नहीं करना चाहिए। यदि आप इस मंत्र का जाप इन नियमों से नहीं करते हैं तो यह आपके लिए नुकसान पहुंचा सकता है।

मंत्र जाप में एक ही आसन का में करें प्रयोग
गायत्री मंत्र का जाप करते समय आपको सबसे ज्यादा इस बात का ध्यान रखने की जरूरत होती है कि आपको हमेशा एक ही आसन पर बैठकर मंत्र जाप करना चाहिए। आपको रोज अलग आसन और अलग स्थान पर बैठकर मंत्र जाप नहीं करना चाहिए। यदि आप रोज नए आसन का इस्तेमाल करते हैं तो आपको इसके नुकसान हो सकते हैं और मंत्र जाप का फल भी नहीं मिलेगा।

कभी ही अशुद्ध मन से न करें गायत्री मंत्र
कई बार हम पूजा-पाठ या मंत्रों का जाप करते समय मन में कुछ ऐसे ख्याल लाते हैं जो नुकसान पहुंचा सकते हैं। आपको कभी भी अशुद्ध मन से गायत्री मंत्र का जाप नहीं करना चाहिए। ऐसा करने से आपके जीवन में समस्याएं आ सकती हैं और आपके बनते काम भी बिगड़ सकते है। कोशिश करें कि आप अच्छी तरह से मंत्र पर ध्यान केंद्रित करने के बाद ही इसका जाप करें।

उचित समय पर ही करें गायत्री मंत्र का जाप
आपको हमेशा मंत्र का जाप करते समय सही समय का ध्यान रखना चाहिए। यह मंत्र आमतौर पर दिन के तीन मुख्य समय पर किया जा सकता है। इसके लिए सबसे अच्छा समय ब्रह्म मुहूर्त माना जाता है। आपको हमेशा ब्रह्म मुहूर्त में ही जाप शुरू करना चाहिए और कोशिश करें कि सूर्योदय तक इसका समापन कर दें। इस मंत्र का जाप शाम के समय सूर्यास्त से पहले भी किया जा सकता है।

गलत दिशा में बैठकर न करें गायत्री मंत्र का जाप

शास्त्रों के अनुसार गायत्री मंत्र का जाप करते समय आपको दिशा का भी विशेष ध्यान रखना चाहिए। यदि आप सुबह इस मंत्र का जाप कर रहे हैं तो इसे पूर्व दिशा की तरफ मुंह करके पढ़ें। ऐसा इसलिए अच्छा माना जाता है क्योंकि सूर्य इसी दिशा से निकलता है और इस दिशा की तरफ बैठकर जाप करने से गायत्री मंत्र के साथ सूर्य की पूर्ण ऊर्जा भी घर में प्रवेश करती है।

रुद्राक्ष की माला से करें मंत्र जाप

गायत्री मंत्र का जाप करते समय यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि आप रुद्राक्ष की माला का उपयोग करें। रुद्राक्ष की माला को गायत्री मंत्र जाप के लिए सबसे श्रेष्ठ माना जाता है। इसके अलावा, आप तुलसी और चंदन की माला का भी उपयोग कर सकते हैं।

गायत्री मंत्र, जिसे वेदों की माता कहा जाता है, का जाप हमारे मन और आत्मा को शुद्ध करने के लिए अत्यंत प्रभावी होता है। इस मंत्र का नियमित जाप करने से मानसिक शांति और आध्यात्मिक उन्नति प्राप्त होती है।

रुद्राक्ष की माला का उपयोग विशेष रूप से इसलिए किया जाता है क्योंकि इसे पवित्र और आध्यात्मिक उन्नति के लिए अत्यंत प्रभावशाली माना जाता है। रुद्राक्ष में अद्वितीय ऊर्जा होती है, जो व्यक्ति के मन को स्थिर और ध्यान केंद्रित रखने में मदद करती है।

किस दिशा में मुख करके करें गायत्री मंत्र का जाप?

गायत्री मंत्र का जाप पूर्व दिशा की ओर मुख करके करना चाहिए। पूर्व दिशा को सूर्योदय की दिशा माना जाता है और सूर्य को देवताओं का देवता माना जाता है। इसलिए, पूर्व दिशा में मुख करके जाप करने से सूर्यदेव की कृपा प्राप्त होती है। उत्तर दिशा को भी गायत्री मंत्र जाप के लिए शुभ मानते हैं। उत्तर दिशा को ज्ञान और शांति की दिशा माना जाता है। इसके अलावा पश्चिम या दक्षिण दिशा में भी मुख करके गायत्री मंत्र का जाप करना उत्तम फलदायी माना जाता है।

गायत्री मंत्र का जाप करने का महत्व क्या है?

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, ऐसा कहा जाता है कि गायत्री मंत्र का जाप करने से व्यक्ति को कभी भी स्वास्थ्य संबंधित परेशानियों का सामना नहीं करना पड़ता है। साथ ही अगर आपके जीवन में किसी तरह की कोई परेशानी चल रही है, तो उससे भी छुटकारा मिल जाता है। आप गायत्री मंत्र का कम से कम 108 बार जाप जरूर करें। गायत्री मंत्र का जाप करने से बुद्धि का विकास होता है और याददाश्त तेज होती है। गायत्री मंत्र का जाप करने से एकाग्रती बढ़ती है। गायत्री मंत्र का जाप करने से मोक्ष की प्राप्ति भी होती है। इसके अलावा अगर आप मानसिक परेशानी से जूझ रहे हैं, तो उससे भी छुटकारा मिल जाता है।

रामायण से कैसे बना गायत्री मंत्र? किसने की थी रचना

गायत्री मंत्र का जाप करने से मनुष्य के भीतर सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है, मानसिक तनाव कम होता है, जीवन में शांति एवं समृद्धि आती है।

गायत्री मंत्र हिंदू धर्म का एक अत्यंत पवित्र और प्रभावशाली मंत्र है, जिसका विशेष महत्व है। यह मंत्र भगवान सूर्य को समर्पित होता है और आत्मा के शुद्धिकरण, मानसिक शांति, और दिव्य ज्ञान की प्राप्ति के लिए प्रयोग किया जाता है। गायत्री मंत्र का उचारण व्यक्ति के मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाता है। यह मंत्र ब्रह्मा, भगवान विष्णु और भगवान शिव के तत्वों से जुड़ा हुआ है। इसका उद्देश्य साधक को आत्मज्ञान, तात्विक समझ और ब्रह्मा की साक्षात प्राप्ति की ओर अग्रसर करना है। गायत्री मंत्र का जाप करने से मनुष्य के भीतर सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है, मानसिक तनाव कम होता है, जीवन में शांति एवं समृद्धि आती है। इस मंत्र के नियमित जाप से व्यक्ति का आत्मविश्वास बढ़ता है। ज्योतिषाचार्य राधाकांत वत्स ने हमें गायत्री मंत्र की उत्पत्ति के बारे में बताया।

रामायण हिंदू धर्म के पवित्र ग्रंथों में से एक है, जिसमें भगवान राम और देवी सीता के जीवन की कथा है। इस ग्रंथ में बताया गया है कि कैसे भगवान राम ने रावण जो बुराई का प्रतीक था, उसका वध कर धर्म विजय प्राप्त की। रामायण में कुल सात अध्याय हैं और इसमें लगभग 24,000 श्लोक हैं।

रामायण में एक राजा, आदर्श पिता, आदर्श पुत्र, आदर्श पत्नी, आदर्श भाई और आदर्श सेवक के रूप में रिश्तों और उनके कर्तव्यों का वर्णन किया गया है। महर्षि वाल्मीकि द्वारा रचित रामायण को आदिकाव्य कहा जाता है, जिसमें आदि का अर्थ है प्रथम और काव्य का अर्थ है कविता।

इसी दिव्य रामायण से बना था गायत्री मंत्र जिसकी रचना भगवान श्री राम के कुल गुरु ऋषि विश्वामित्र ने की थी। असल में रामायण में मौजूद 24,000 श्लोकों से ही गायत्री मंत्र को बनाया गया था। रामायण के हर 1000 श्लोकों के बाद आने वाले पहले अक्षर से गायत्री मंत्र को रचा गया था।

गायत्री मंत्र ऊँ भूर्भुव: स्व: तत्सवितुर्वरेण्यं भर्गो देवस्य धीमहि धियो यो न: प्रचोदयात में 24 अक्षर हैं। ऐसे में हर हजार श्लोकों के बाद के पहले अक्षर को जोड़ा जाए तो 24 अक्षरों का समूह बनता है और इसी से उत्पत्ति हुई गायत्री मंत्र की जिसे ब्रह्म मुहूर्त में जपना अत्यधिक लाभकारी माना जाता है।

अपनी राशि के अनुसार धारण करें रत्न, बनी रहेगी सुख समृद्धि

रत्नों को लंबे समय से ऊर्जा और भाग्य का शक्तिशाली प्रतीक माना जाता रहा है। ज्योतिष के क्षेत्र में, इन कीमती पत्थरों का एक विशेष महत्व बताया जाता है, क्योंकि ऐसा माना जाता है कि वे प्रत्येक राशि की अनूठी विशेषताओं और व्यक्तित्व के साथ जोड़े जाते हैं। इसलिए यदि आप अपनी राशि को ध्यान में रखते हुए रत्नों का चुनाव करती हैं और उन्हें किसी न किसी रूप में धारण करती हैं तो आपकी समृद्धि बनी रहती है।

मेष राशि – अपनी गतिशील ऊर्जा के लिए जानी जाने वाली उग्र राशि मेष के लिए दो रत्न बहुत ज्यादा लाभदायक हो सकते हैं। पहला मंत्रमुग्ध कर देने वाला माणिक है, यह एक ऐसा पत्थर है जो जुनून और जीवन शक्ति का संचार करता है। यह मेष राशि के लोगों को उनकी आंतरिक शक्ति और साहस को बढ़ाने में मदद करता है। एक अन्य रत्न जिसे मेष राशि का पूरक माना जाता है, जीवंत कार्नेलियन है। यह जेमस्टोन प्रेरणा, रचनात्मकता और आत्म विश्वास जगाता है और मेष राशि वालों को निडरता से नए प्रयासों को शुरू करने के लिए सशक्त बनाता है।

वृषभ राशि – वृषभ राशि के लोग, जो अपनी स्थिरता और जमीन से जुड़े स्वभाव के लिए जाने जाते हैं। इन लोगों के लिए पन्ना सबसे अच्छा रत्न माना जाता है। यह रत्न प्रेम, विश्वास और समृद्धि को बढ़ावा देता है, जिससे वृषभ राशि के लोग मजबूत संबंध बनाने और प्रचुरता प्रकट करने में सक्षम होते हैं। इसके अतिरिक्त, कोमल गुलाब क्वार्ट्ज वृषभ की भावनात्मक सद्भाव का प्रतीक माना जाता है।

मिथुन राशि – मिथुन, सामाजिक और बौद्धिक वायु चिह्न, एक्वामरीन की शांत ऊर्जा से लाभ पा सकता है। यह रत्न संचार, स्पष्टता और बौद्धिक खोज को बढ़ाता है, मिथुन राशि वालों को अपने विचारों और विचारों को प्रभावी ढंग से व्यक्त करने में सहायता करता है।

कर्क राशि – भावनात्मक और सहज ज्ञान युक्त कर्क राशि ईथर मूनस्टोन से लाभ पा सकती है। यह रत्न चुनौतीपूर्ण समय में शांति की भावना प्रदान करते हुए कर्क राशि की संवेदनशीलता, अंतर्ज्ञान और भावनात्मक स्थिरता का पोषण करता है। इसके अतिरिक्त, चमकदार मोती प्रेम, पवित्रता और शांति का प्रतीक माना जाता है, जो कर्क राशि के पोषण गुणों को बढ़ाता है।

सिंह राशि – आत्मविश्वासी और करिश्माई सिंह राशि के लिए, दो रत्न अलग दिखते हैं। पहला है सनस्टोन जो सूर्य की उज्ज्वल ऊर्जा को दर्शाता है। यह सिंह राशि के नेतृत्व गुणों, आत्म-अभिव्यक्ति और जीवन शक्ति को बढ़ाता है। सिंह राशि के लिए उपयुक्त एक और रत्न है गोल्डन सिट्रीन। ऐसा माना जाता है कि यह स्टोन बहुतायत और अच्छे भाग्य को आकर्षित करता है, सिंह के चुंबकीय व्यक्तित्व को बढ़ाने में मदद करता है।

कन्या राशि – विश्लेषणात्मक और व्यावहारिक कन्या राशि के लिए, पेरिडॉट एक शक्तिशाली रत्न के रूप में कार्य करता है। यह कन्या की सफलता और सकारात्मक परिवर्तन की इच्छा के अनुरूप है। पेरिडॉट जीवन में स्पष्टता, प्रचुरता और सुरक्षा लाता है, जिससे कन्या राशि के लोग आत्मविश्वास के साथ जीवन को नेविगेट कर सकते हैं।

तुला राशि – तुला राशि जो अपने कूटनीतिक स्वभाव और सुंदरता के साथ प्यार के लिए जानी जाती है। यह दो उत्तम रत्नों के साथ सामंजस्य स्थापित कर सकती है। इस राशि के लिए नीलम रत्न सबसे ज्यादा शुभ हो सकता है जो निष्पक्षता और संतुलन के लिए मदद करता है। तुला राशि के लिए अनुकूल एक और रत्न है ओपल यह तुला की रचनात्मकता, अंतर्ज्ञान और भावनात्मक कल्याण को बढ़ाता है।

वृश्चिक राशि – वृश्चिक राशि के लोग, जो अपनी तीव्रता और परिवर्तनकारी प्रकृति के लिए जाने जाते हैं, शक्तिशाली पुखराज की ऊर्जा का उपयोग कर सकते हैं। यह रत्न सफलता, साहस और जुनून को बढ़ावा देता है, वृश्चिक को बाधाओं को दूर करने और व्यक्तिगत विकास को अपनाने के लिए सशक्त बनाता है।

धनु राशि – साहसी और दार्शनिक धनु राशि के लिए फिरोजा रत्न सबसे शुभ माना जाता है। यह स्वतंत्रता, भाग्य और आध्यात्मिक विस्तार का प्रतिनिधित्व करता है और धनु राशि को नए अनुभवों को अपनाने और अपने क्षितिज को व्यापक बनाने के लिए प्रोत्साहित करता है। धनु राशि (धनु राशि के लोगों का स्वभाव) के लिए अनुकूल एक अन्य रत्न रहस्यमयी लापीस लाजुली है, जो ज्ञान और सच्चाई का प्रतीक है, जो स्वयं और दुनिया की गहरी समझ को बढ़ावा देता है।

मकर राशि – मकर राशि के लिए पारंपरिक भाग्यशाली रत्न गार्नेट है। ऐसा माना जाता है कि गारनेट मकर राशि से जुड़े सकारात्मक गुणों को बढ़ाता है, जैसे महत्वाकांक्षा, अनुशासन और व्यावहारिकता। यह भी कहा जाता है कि यह सुरक्षा प्रदान करता है और समग्र जीवन शक्ति को बढ़ाता है। गार्नेट पहनने या धारण करने से मकर राशि वालों को अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद मिल सकती है।

कुंभ राशि – कुंभ राशि के लिए पारंपरिक भाग्यशाली रत्न नीलम है। नीलम एक सुंदर बैंगनी क्वार्ट्ज क्रिस्टल है जो कुंभ राशि से जुड़े सकारात्मक गुणों को बढ़ाता है जैसे कि बौद्धिकता, अंतर्ज्ञान और मानवतावाद। ऐसा कहा जाता है कि यह दिमाग को उत्तेजित करता है, विचारों की स्पष्टता को बढ़ावा देता है और आध्यात्मिक विकास में सहायता करता है। ऐसा माना जाता है कि नीलम कुंभ राशि के व्यक्तित्व में संतुलन और सामंजस्य लाता है। नीलम पहनने या धारण करने से कुंभ राशि वालों को अपनी अनूठी अंतर्दृष्टि प्राप्त करने में मदद मिलती है।

मीन राशि – दयालु और कल्पनाशील मीन राशि के लिए, एक्वामरीन एक शक्तिशाली रत्न के रूप में कार्य करता है। यह मीन राशि वालों के अंतर्ज्ञान, आध्यात्मिक जागरूकता और भावनात्मक स्पष्टता को बढ़ाता है, जिससे उनकी भावनाओं की गहराई को नेविगेट करने में सहायता मिलती है।

1700 करोड़ के फ्रेश शेयर वाला आ रहा आईपीओ

सेबी की हरी झंडी का इंतजार

नईदिल्ली, एजेंसी। रियल एस्टेट डेवलपर प्रेस्टीज एस्टेट्स प्रोजेक्ट्स लिमिटेड की हॉस्पिटैलिटी फर्म प्रेस्टीज हॉस्पिटैलिटी वेंचर्स लिमिटेड ने आरंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) लॉन्च करने की योजना बनाई है। इसके जरिए कंपनी 2700 करोड़ तक जुटाएगी। इसके लिए कंपनी ने भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) दाखिल किया है।

आईपीओ की डिटेल– प्रस्तावित आईपीओ में 1700 करोड़ तक के इक्विटी शेयरों का फ्रेश इश्यू और प्रेस्टीज एस्टेट्स प्रोजेक्ट्स द्वारा 1000 करोड़ तक के शेयरों की बिक्री का प्रस्ताव (ओएफएस) शामिल है। कंपनी 340

करोड़ तक के प्री–आईपीओ प्लेसमेंट पर भी विचार कर सकती है। अगर ऐसा किया जाता है तो इससे नए इश्यू का साइज कम हो जाएगा। जेएम फाइनेंशियल लिमिटेड, सीएलएसए इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, जे पी मॉर्गन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड और कोटक महिंद्रा कैपिटल कंपनी लिमिटेड इस इश्यू के एकमात्र बुक रनिंग लीड मैनेजर हैं।

कंपनी की प्रॉपर्टीज– बेंगलुरु में प्रेस्टीज एस्टेट्स के पोर्टफोलियो में द ओबेरॉय, रेडिसन ब्लू (ओआरआर) और भारतीय सिटी में द लीला जैसी प्रमुख संपत्तियां शामिल हैं। इसकी सहायक कंपनी प्रेस्टीज होटल वेंचर्स, व्यवसाय और अवकाश यात्रियों दोनों के लिए लक्जरी से लेकर होटलों का डेवलपमेंट और स्वामित्व करती है। प्रेस्टीज हॉस्पिटैलिटी वेंचर्स का इरादा फ्रेश इश्यू की नेट इनकम से 1121.276 करोड़ का उपयोग कंपनी और इसकी महत्वपूर्ण सहायक कंपनियों, साई चक्र होटल्स प्राइवेट लिमिटेड और नॉर्थलैंड होल्डिंग कंपनी प्राइवेट लिमिटेड के कर्ज को पूरी तरह या आंशिक रूप से चुकाने के लिए करना है।

60 पर आ गया अडानी का शेयर

बाजार में हाहाकार के बीच शेयर बेच निकले निवेशक

नईदिल्ली, एजेंसी। पहलगाम अटैक से शेयर बाजार निवेशकों में डर बैठ गया। इसके चलते भारी गिरावट देखी गई। शुक्रवार को कारोबार के दौरान सेंसेक्स 1200 अंक तक लुढ़क गया था। विशेषज्ञों ने बताया कि मंगलवार को पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बीच

बढ़ते भू–राजनीतिक तनाव को लेकर चिंता ने बाजार की धारणा को प्रभावित किया। इस बीच, अडानी समूह की एक कंपनी के शेयर में भी तगड़ी गिरावट देखी गई। यह शेयर – सांघी इंडस्ट्रीज लिमिटेड का है। सांघी इंडस्ट्रीज लिमिटेड के शेयर में आज 4 प्रतिशत से अधिक टूटकर 60.75 रुपये के इंट्रा डे लो पर आ गए थे।

क्या है डिटेल– कंपनी ने शेयर बाजार को जानकारी दी है कि आगामी 29 अप्रैल को एक बैठक होने वाली है। कंपनी ने शेयर बाजार को कहा, सेबी नियम के अनुसार, आपको सूचित किया जाता है कि 31 मार्च, 2025 को समाप्त तिमाही और वित्तीय वर्ष के लिए कंपनी के ऑडिट किए गए वित्तीय परिणामों पर निवेशकों/एनालिस्ट्स का सम्मेलन मंगलवार, 29 अप्रैल, 2025 को दोपहर 2.00 बजे से निर्धारित है।

पीएम मोदी बोले- इस्पात जैसा सुदृढ़ भारत बनाएं

उत्पादन बढ़ाएं; नवाचार अपनाएं

नईदिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्टील उद्योग के प्रतिनिधियों से कहा कि मजबूत, हितकारी बदलावों को तेजी से आगे बढ़ाने वाला और इस्पात जैसा सुदृढ़ भारत बनाने के लिए साथ मिलकर काम करें। उद्योग को भविष्य के लिए तैयार करने के साथ हमें नई तकनीकी को अपनाने, नवाचार करने, सर्वोत्तम गतिविधियों का आदान-प्रदान करने और कोयला आयात में कमी लाने की दिशा में ध्यान देना चाहिए। पीएम ने बृहस्पतिवार को इंडिया इस्पात 2025 कार्यक्रम को ऑनलाइन संबोधित करते हुए कहा, इस्पात उभरता हुआ क्षेत्र होने के साथ विकास की रीढ़ है। 2030 तक 30 करोड़ टन का लक्ष्य हासिल करने के लिए हमें इस्पात उत्पादन बढ़ाने की आवश्यकता है। 2023-24 में देश की इस्पात उत्पादन क्षमता 17.9 करोड़ थी। प्रधानमंत्री ने संबोधन में यह भी कहा, इस्पात उत्पादन बढ़ाने के लिए अप्रयुक्त नई खदानों से लौह अयस्क निकालने का प्रयास शुरू करना चाहिए। इन खदानों का उचित और समय पर उपयोग किया जाना महत्वपूर्ण है। ऐसा नहीं होने पर देश और उद्योग दोनों को नुकसान होगा।

शून्य आयात व निर्यात बढ़ाने का हो लक्ष्य

पीएम ने कहा, देश निर्यात बाजार पर नजर रखते हुए आधुनिक व बड़े जहाज बनाने की महत्वाकांक्षा रखता है। ऐसे कार्यों के लिए उच्च श्रेणी के इस्पात की जरूरत होगी। उन्होंने कहा, इस्पात के मामले में आयात को शून्य स्तर पर लाने व शुद्ध निर्यात बढ़ाने का लक्ष्य होना चाहिए। देश को कोयला गैसीकरण व कोयला आयात को कम करने के लिए अपने भंडार के बेहतर उपयोग जैसे विकल्पों की भी तलाश करनी चाहिए। देश का लक्ष्य 2047 तक इस्पात निर्यात को 2.5 करोड़ टन से बढ़ाकर 50 करोड़ टन करना है। 2030 तक प्रति व्यक्ति इस्पात खपत 98 किलो से बढ़ाकर 160 किलो करने का लक्ष्य है।

इन्फ्रा के विकास से बढ़ेगी इस्पात की मांग– पीएम ने कहा, देश 1,300 अरब डॉलर की राष्ट्रीय अवसंरचना पाइपलाइन को भी आगे बढ़ा रहा है। बड़े पैमाने पर स्मार्ट सिटी बनाए जा रहे हैं।?सड़कों, रेलवे, एयरपोर्ट, बंदरगाहों और पाइपलाइन में विकास की गति इस्पात क्षेत्र के लिए नए अवसर पैदा कर रही है। बड़ी परियोजनाओं की बढ़ती संख्या इस्पात की मांग को बढ़ाएगी।

वैश्विक नेतृत्व की दिशा में बढ़ रहा भारत– प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, भारत न सिर्फ घरेलू वृद्धि के बारे में, बल्कि इस क्षेत्र में वैश्विक नेतृत्व के बारे में भी सोच रहा है।

दुनिया भारत को उच्च गुणवत्ता वाले इस्पात के एक विश्वसनीय आपूर्तिकर्ता के रूप में देखती है। देश में बुनियादी ढांचे को बढ़ा रही सरकार अपने अनुबंधों में स्थानीय रूप से विनिर्मित इस्पात के उपयोग पर जोर दे रही है।

क्षेत्र में रोजगार देने की क्षमता– मोदी ने कहा, इस्पात क्षेत्र अर्थव्यवस्था के लिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि इसमें युवाओं को रोजगार देने की क्षमता है। हमें ऊर्जा दक्षता, कम उत्सर्जन और डिजिटल रूप से उन्नत प्रौद्योगिकियों की ओर तेजी से आगे बढ़ने की जरूरत है।

एक्सिस बैंक का मुनाफा घटा

हिंदुस्तान यूनिलीवर 24 लाभांश देगी; टेक महिंद्रा का लाभ बढ़ा एसीसी को नुकसान

नईदिल्ली, एजेंसी। एक्सिस बैंक का शुद्ध लाभ 2024–25 की मार्च तिमाही में मामूली घटकर 7,117.5 करोड़ रुपये रह गया। 2023–24 की समान तिमाही में शुद्ध लाभ 7,129.67 करोड़ था। बैंक ने बृहस्पतिवार को शेयर बाजार को बताया, इस अवधि में उसकी कुल आय बढ़कर 38,022 करोड़

रुपये पहुंच गई।?सकल एनपीए 1.43 फीसदी से घटकर 1.28 फीसदी रह गया। हिंदुस्तान यूनिलीवर (एचयूएल) का शुद्ध मुनाफा 3.35 फीसदी घटकर 2,475 करोड़ रुपये रहा।?हालांकि, उत्पादों की बिक्री से राजस्व 2.68 फीसदी की बढ़ोतरी के साथ? 15,416 करोड़ रुपये पहुंच गया।?कंपनी ने शेयरधारकों को 24 रुपय प्रति शेयर का अंतिम लाभांश देने की घोषणा की है।?इससे पहले एचयूएल के बोर्ड ने नवंबर, 2024 में 19 रुपये का अंतरिम और 10 रुपये का विशेष लाभांश भी दिया था।

टेक महिंद्रा– टेक महिंद्रा का एकीकृत शुद्ध लाभ 2024–25 की मार्च तिमाही में 76.5 फीसदी बढ़कर 1,166.7 करोड़ रुपये रहा।?कंपनी ने बृहस्पतिवार को शेयर बाजार को बताया, इस अवधि में उसे करीब 6,800 करोड़ रुपये के नए सौदे मिले।?पूरे वित्त वर्ष 2024–25 में करीब 23,000 करोड़ के सौदे हासिल किए थे।

एसीसी– सीमेंट निर्माता एसीसी लि. का मार्च तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ 20.4 फीसदी घटकर 751.04 करोड़ रुपये रह गया। अदाणी समूह की कंपनी ने बताया, उसका परिचालन राजस्व 12.7 फीसदी बढ़कर 5,207.3 करोड़ रुपये हो गया। कुल खर्च 13.11 फीसदी की बढ़ोतरी के साथ ?5,514.82 करोड़ रुपये रहा

बीमा क्लेम की प्रक्रिया में दी ये छूट

आतंकी हमले के पीड़ितों को एलआईसी ने दी बड़ी राहत

नईदिल्ली, एजेंसी। जीवन बीमा निगम (एलआईसी) ने कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में मारे गए लोगों के परिवारों को राहत देते हुए, बीमा दावे की प्रक्रिया में छूट देने का ऐलान किया है। एलआईसी ने एक बयान में कहा कि उसे नागरिकों की मौत पर गहरा दुख है और वह पीड़ित परिवारों के साथ खड़ा है। बीमा कंपनी ने दावा निपटान की प्रक्रिया को तेज और सरल बनाने की बात कही है ताकि पीड़ित परिवारों को जल्दी से जल्दी आर्थिक मदद मिल सके।

क्या-क्या मिल रहीं रियायतें?

एलआईसी के सीईओ और एमडी सिद्धार्थ मोहंती ने कहा कि पीड़ित परिवारों को परेशानियों से बचाने के लिए कई रियायतें दी जा रही हैं। इसमें अगर किसी मृतक का मृत्यु प्रमाण पत्र उपलब्ध नहीं है, तो सरकारी रिकॉर्ड में दर्ज कोई भी जानकारी, जिससे यह साबित होता हो कि व्यक्ति की मौत इस आतंकी हमले में हुई है, प्रमाण के रूप में स्वीकार की जाएगी। इसके अलावा, केंद्र या राज्य सरकार की तरफ से दी गई कोई मुआवजा राशि भी मृत्यु का प्रमाण मानी जाएगी।

दावेदारों के लिए एलआईसी क्या करेगा– एलआईसी ने कहा है कि वह खुद पहल कर के पीड़ित परिवारों से संपर्क करेगा और उनका दावा जल्द से जल्द निपटाएगा। इसके लिए पूरे देश की शाखाओं में एक विशेष

प्रक्रिया लागू की जा रही है। अगर कोई परिवार इस आतंकी हमले में अपने किसी सदस्य को खो चुका है और उसका एलआईसी में बीमा था, तो वे निकटतम एलआईसी शाखा/डिवीजन/कस्टमर ज़ोन से संपर्क करें। या एलआईसी के हेल्पलाइन नंबर 022-68276827 पर कॉल करें।

पहलगाम में आतंकी हमला

आतंकवादियों ने मंगलवार को पहलगाम के बैसरन मैदान में पर्यटकों पर हमला किया, जिसमें 25 भारतीय नागरिक और एक नेपाली नागरिक की मौत हो गई, जबकि कई अन्य घायल हो गए, जो 2019 के पुलवामा हमले के बाद घाटी में सबसे घातक हमलों में से एक था जिसमें 40 सीआरपीएफ जवान मारे गए थे।

भारत का पाकिस्तान पर एक्शन

इस हमले के बाद, भारत ने सीमा पार आतंकवाद के समर्थन के लिए पाकिस्तान के खिलाफ कड़े जवाबी कदम उठाए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में गृह मंत्री अमित शाह की मौजूदगी में हुई सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति की बैठक में भारत ने 1960 की सिंधु जल संधि को तब तक स्थगित रखने का फैसला किया जब तक कि पाकिस्तान विश्वसनीय और अपरिवर्तनीय रूप से सीमा पार आतंकवाद के लिए अपने समर्थन को त्याग नहीं देता और एकीकृत अटारी चेक पोस्ट को बंद कर दिया है।

पाकिस्तानियों को भारत छोड़ने का निर्देश

भारत ने पाकिस्तानी उच्चायोग के अधिकारियों को भी अवांछित घोषित कर दिया है और उन्हें एक सप्ताह के भीतर भारत छोड़ने का आदेश दिया है। देश ने आगे सार्क वीजा छूट योजना (एसवीईएस) के तहत प्रदान किए गए किसी भी वीजा को रद्द करने का फैसला किया और पाकिस्तान को 48 घंटे के भीतर देश छोड़ने का आदेश दिया। भारत सरकार ने पाकिस्तानी नागरिकों के लिए वीजा सेवाओं को तुरंत प्रभाव से निलंबित करने का भी फैसला किया है।

अब ट्रक व अन्य भारी वाहन भी होंगे सुरक्षित

जल्द शुरू होगी एनसीएपी की तर्ज पर सुरक्षा मूल्यांकन

नईदिल्ली, एजेंसी। सुरक्षा बढ़ाने के लिहाज से देश में कारों की तरह अब ट्रकों और अन्य भारी वाणिज्यिक वाहनों का भी क्रैश टेस्ट होगा। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ट्रकों और भारी वाणिज्यिक वाहनों के लिए सुरक्षा मूल्यांकन रेटिंग शुरू करने की योजना बना रहा है। यह मूल्यांकन देश के अपने क्रैश (वाहनों की टक्कर) टेस्ट कार्यक्रम भारत एनसीएपी (न्यू कार एसेसमेंट प्रोग्राम) की तर्ज पर होगा। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने ग्लोबल न्यू कार एसेसमेंट प्रोग्राम (जीएनसीएपी) और सड़क यातायात शिक्षा संस्थान (आईआरटीई) की ओर से आयोजित कार्यक्रम में कहा, इसका उद्देश्य विनिर्माताओं को उत्पादन की गुणवत्ता में सुधार लाने के लिए प्रोत्साहित करना है, ताकि वाहन अधिक सुरक्षित बन सकें। भारत एनसीएपी 2023 में पेश किया गया था।

देश में हर साल 4.8 लाख सड़क दुर्घटनाएं– गडकरी ने कहा, भारत में हर साल सबसे अधिक घातक सड़क दुर्घटनाएं होती हैं। देश में हर साल करीब 4.8 लाख सड़क दुर्घटनाओं में 1.8 लाख लोगों की मौत हो जाती है। यह आंकड़ा चिंताजनक है।?

ई-रिक्शा में सुरक्षा सुधार से बढ़ेंगे रोजगार– सरकार बैटरी चालित ई-रिक्शा के लिए मानकों और सुरक्षा मूल्यांकन प्रणाली पर पहले से ही काम कर रही है, क्योंकि उनको लेकर सुरक्षा संबंधी समस्याएं हैं। ई-रिक्शा में सुरक्षा सुधार से उनकी गुणवत्ता बेहतर होगी और अधिक रोजगार पैदा होगा।

ट्रक चालकों के लिए तय होंगे काम के घंटे– मंत्री ने कहा, सड़क मंत्रालय ट्रक चालकों के काम के घंटे निर्धारित करने के लिए एक कानून पर भी काम कर रहा है क्योंकि वर्तमान में वे प्रतिदिन 13-14 घंटे गाड़ी चलाते हैं।

लॉजिस्टिक लागत घटाने पर काम– सरकार कुछ वर्षों में लॉजिस्टिक लागत को 14-16 फीसदी से घटाकर 9 फीसदी करने परकाम कर रही है।

मुकदमे में फंसी स्टारबक्स, ब्राजील में मजदूरों से गुलामों जैसे काम कराने का आरोप

नईदिल्ली, एजेंसी। अमेरिका में एक श्रम अधिकार समूह ने मशहूर कॉफी चेन रेस्तरां स्टारबक्स के खिलाफ मुकदमा दायर किया है। मुकदमे में स्टारबक्स पर आरोप लगाया गया है कि वे जिन फार्म्स से कॉफी खरीदते हैं, उनमें काम करने वाले मजदूरों को गुलामों जैसे हालात में रखा जाता है। मुकदमे में आरोप है कि स्टारबक्स ने मजदूरों की हालात को नजरअंदाज कर उन फार्म्स के साथ व्यापार जारी रखा है।

क्या हैं स्टारबक्स पर आरोप– यह मुकदमा इंटरनेशनल राइट्स एडवोकेट्स नामक श्रम अधिकार समूह ने ब्राजील के कॉफी फार्म में काम करने वाले आठ मजदूरों की तरफ से अमेरिका के वॉशिंगटन स्थित यूएस डिस्ट्रिक्ट कोर्ट में दाखिल किया गया है।

कंपनी ने आरोपों को लेकर दी ये प्रतिक्रिया– मुकदमा दायर करने वाले मजदूरों की पहचान जाहिर नहीं की गई है। मजदूरों का कहना है कि उन्हें अच्छी सैलरी और बेहतर हालात में काम करने का लालच देकर काम पर रखा गया था, लेकिन अमानवीय हालात में रहने पर मजबूर किया जा रहा है और उनके आने-जाने के परिवहन खर्च, खाने आदि के पैसे भी उनकी तन्खवाह से काट लिया जाता है। हालांकि स्टारबक्स ने आरोपों से इनकार किया है और कहा है कि कंपनी के 19 हजार कॉफी फार्म सदस्यों में से कुछ से ही कॉफी खरीदती है।

30 प्रतिशत से ज्यादा चढ़ सकता है आईटी शेयर

मोतीलाल ने दिया 1950 रुपये का टारगेट

नईदिल्ली, एजेंसी। दिग्गज आईटी कंपनी टेक महिंद्रा के शेयर शुक्रवार को उछाल के साथ 1465 रुपये पर पहुंच गए हैं। बाजार में हाहाकार के बीच अच्छे तिमाही नतीजों की वजह से कंपनी के शेयरों में

यह तेजी आई है। मार्केट एक्सपर्ट का कहना है कि टेक महिंद्रा के शेयरों में अच्छी तेजी देखने को मिल सकती है। ब्रोकरेज हाउस मोतीलाल ओसवाल ने टेक महिंद्रा के शेयरों को खरीदने की सलाह दी है। ब्रोकरेज हाउस ने कंपनी के शेयरों के लिए 1950 रुपये का टारगेट प्राइस दिया है। यानी, मौजूदा लेवल से आईटी कंपनी के शेयरों में 30 प्रतिशत से अधिक का उछाल देखने को मिल सकता है।

76 प्रतिशत बढ़ा है टेक महिंद्रा का मुनाफा

आईटी कंपनी टेक महिंद्रा का कंसॉलिडेटेड नेट प्रॉफिट मार्च 2025 तिमाही में सालाना आधार पर 76 प्रतिशत बढ़कर 1167 करोड़ रुपये रहा है। वहीं, कंपनी का रेवेन्यू सालाना आधार पर 4 प्रतिशत बढ़कर 13,384 करोड़ रुपये रहा है। टेक महिंद्रा के बोर्ड ने मार्च 2025 को खत्म हुए वित्त वर्ष के लिए हर शेयर पर 30 रुपये का फाइनल डिविडेंड रिकमंड किया है। तिमाही आधार पर टेक महिंद्रा का प्रॉफिट 19 प्रतिशत बढ़ा है, जबकि रेवेन्यू में 1 प्रतिशत का उछाल आया है। पूरे साल के लिए टेक महिंद्रा का कंसॉलिडेटेड प्रतिशत (टैक्स भुगतान के बाद मुनाफा) सालाना आधार पर 80 प्रतिशत बढ़कर 4,252 करोड़ रुपये रहा है, जबकि रेवेन्यू सालाना आधार पर 2 प्रतिशत बढ़कर 54,988 करोड़ रुपये रहा है।

5 साल में 190 प्रतिशत से ज्यादा चढ़ गए हैं टेक महिंद्रा के शेयर

टेक महिंद्रा के शेयर पिछले पांच साल में 190 पर्सेंट से अधिक उछल गए हैं। दिग्गज आईटी कंपनी के शेयर 24 अप्रैल 2020 को 503.55 रुपये पर थे। कंपनी के शेयर 25 अप्रैल 2025 को 1465 रुपये पर जा पहुंचे हैं। पिछले एक साल में कंपनी के शेयरों में 23 पर्सेंट की तेजी देखने को मिली है। हालांकि, पिछले 6 महीने में कंपनी के शेयर करीब 15 पर्सेंट लुढ़क गए हैं।

हर शेयर पर 135 डिविडेंड देने का ऐलान कंपनी को हुआ 3911 करोड़ का प्रॉफिट

नईदिल्ली, एजेंसी। मारुति सुजुकी इंडिया ने अपने मार्च तिमाही के नतीजे जारी कर दिए हैं। मार्च तिमाही में कंपनी के नेट प्रॉफिट में सालाना आधार पर 1 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। यह पिछले साल की समान अवधि में 3,952 करोड़ की तुलना में 3,911 करोड़ रहा। गिरावट के बावजूद लाभ स्ट्रीट अनुमानों से अधिक रहा, जो कि 3,801 करोड़ आंका गया था। कंपनी के बताया कि उसका मुनाफा समूचे वित्त वर्ष में 14,500 करोड़ रुपये रहा। इसके अलावा कंपनी ने भारी भरकम डिविडेंड देने का भी ऐलान किया है। मारुति सुजुकी इंडिया ने हर शेयर पर 135 रुपये डिविडेंड देने का ऐलान किया है। बता दें कि आज कंपनी के शेयर कारोबार के दौरान 2 प्रतिशत से अधिक टूटकर 11,639 रुपये पर आ गए थे।

क्या है अन्य डिटेल

शेयर बाजार में दी गई जानकारी के मुताबिक, मारुति सुजुकी इंडिया ने अपने बयान में कहा है कि उसका एकीकृत शुद्ध लाभ पिछले वित्त वर्ष (2024–25) की जनवरी–मार्च तिमाही में एक प्रतिशत घटकर 3,911 करोड़ रुपये रह गया है। देश की सबसे बड़ी कार विनिर्माता कंपनी का शुद्ध लाभ वित्त वर्ष 2023–24 की जनवरी–मार्च तिमाही में 3,952 करोड़ रुपये रहा था। मारुति सुजुकी इंडिया ने शुक्रवार को शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि उसकी कुल आमदनी समीक्षाधीन तिमाही में बढ़कर 40,920 करोड़ रुपये रहा है, जो वित्त वर्ष 2023–24 की समान तिमाही में 38,471 करोड़ रुपये रहा था।

9 मैचों में 7 में मिली हार, क्या अब प्लेऑफ में पहुंच पाएगा राजस्थान!

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल के इस सीजन में राजस्थान टीम की हालत काफी खराब है और इस टीम को अब तक 9 में से 7 मैचों में हार मिली है। इस टीम के अभी सिर्फ 4 अंक हैं और अंकतालिका में ये टीम अभी 8वें स्थान पर है। इस सीजन में अब राजस्थान को 5 लीग मैच और खेलने हैं, लेकिन क्या अब वो प्लेऑफ में पहुंच पाएगी ये बड़ा सवाल है।

राजस्थान के प्लेऑफ में पहुंचने की कितनी संभावना

किसी भी टीम को वैसे तो प्लेऑफ में पहुंचने के लिए 16 अंक की जरूरत होती है, लेकिन राजस्थान की अभी जैसी हालत है ऐसे में ये टीम 16 अंक तो हासिल नहीं कर सकती है। राजस्थान के अभी 4 अंक हैं और वो अगले 5 मैच जीत भी जाते हैं तो उसे 10 अंक प्राप्त होंगे और कुल मिलाकर इस टीम के 14 अंक होंगे। अब सवाल ये उठता है कि 14 अंक के साथ क्या कोई टीम प्लेऑफ में पहुंच सकती है। वैसे आईपीएल में कई बार स्थिति कुछ ऐसी बनी है कि 14 अंक हासिल करने वाली टीमें भी प्लेऑफ में पहुंची हैं, लेकिन हर बार ऐसा हो लगता तो नहीं है। आइए अब जानते हैं कि राजस्थान की प्लेऑफ में पहुंचने की कितनी संभावना है।

8वें नंबर पर है राजस्थान

आईपीएल 2025 में 42 मैच खत्म होने के बाद अंकतालिका पर नजर डालें तो इस वक्त गुजरात पहले स्थान पर है जबकि दिल्ली दूसरे और आरसीबी तीसरे नंबर पर हैं। इन तीनों टीमों के 12-12 अंक हैं और ये तीनों टीम मौजूदा हालात के हिसाब से प्लेऑफ की सबसे बड़ी दावेदार दिख रही हैं। इसके अलावा इस रेस में मुंबई, लखनऊ और पंजाब भी मौजूद हैं जिनके 10-10 अंक हैं। अब अंकतालिका की मौजूदा स्थिति को देखते हुए राजस्थान के लिए मौका बनता तो नहीं दिख रहा है क्योंकि ये सभी टीमें उनसे काफी बेहतर स्थिति में नजर आ रही हैं।

राजस्थान को जीत के साथ रन रेट बेहतर करने की जरूरत

हालांकि क्रिकेट में कुछ भी हो सकता है और अगर टॉप में मौजूद टीमों के साथ कोई बड़ा उलटफेर होता है और उन्हें अगर लगातार हार का सामना करना पड़ता है तो स्थिति बदल सकती है, लेकिन इसके लिए राजस्थान को भी अपने सभी बाकी के मुकाबले जीतने होंगे। राजस्थान को सिर्फ जीत ही नहीं बल्कि अपने रन रेट को भी बेहतर करने की जरूरत होगी। इस टीम के पास अभी 14 अंक हासिल करने का मौका बचा हुआ है साथ ही उसे दुआ करनी होगी कि अन्य टीमों को हार मिले।

42 गेंदों में हुआ दूध का दूध और पानी का पानी, नजर आया विराट कोहली और बाबर आजम के बीच का फर्क

नई दिल्ली, एजेंसी। क्रिकेट में बल्लेबाज को आउट करना हो तो उसके लिए एक गेंद काफी होती है। मैच में जीत और हार के बीच भी 1 गेंद बहुत फर्क डाल सकती है। लेकिन, विराट कोहली और बाबर आजम के बीच का फर्क एक नहीं 42 गेंदें ने बताया है। भारत-पाकिस्तान के दो स्टार बल्लेबाजों के बीच दूध का दूध और पानी का पानी करने वाली ये वो 42 गेंदें रहीं, जो एक ही दिन पर, एक ही तरह के फॉर्मेट वाले मैच में, दोनों को डाली गई. उसके बाद जो रिजल्ट नजर आया, उसने बता दिया कि विराट कहां हैं और बाबर कहां?दिन था 24 अप्रैल का और फॉर्मेट था टी20 का. फर्क बस सिर्फ इतना था कि विराट कोहली इधर भारत में आईपीएल खेल रहे थे और बाबर आजम उधर पाकिस्तान में पीएसएल.मगर एक-दूसरे काफी दूर खेल रहे होने के बावजूद संयोग देखिए की अपने-अपने मैच में दोनों ने एक बराबर गेंदों का ही सामना किया. इधर भारत में राजस्थान रॉयल्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के बीच मैच में विराट कोहली ने 42 गेंदें खेली और उधर पाकिस्तान में पेशावर जाल्मी और लाहौर कलंदर्स के बीच खेले मैच में बाबर आजम ने भी 42 गेंदों का ही सामना किया.अब 24 अप्रैल को खेले मैच में 42-42 गेंदें खेलने के बाद विराट कोहली और बाबर आजम के बीच जो फर्क नजर आया, वो जानिए. आईपीएल में राजस्थान के खिलाफ खेले मैच में विराट कोहली ने 42 गेंदों पर बनाए 70 रन. वहीं पीएसएल में बाबर आजम ने 42 गेंदों का सामना कर 56 रन ही बनाए. विराट कोहली का स्ट्राइक रेट 166.66 का रहा, जबकि बाबर आजम का 133.33 का. विराट ने 42 गेंदों की अपनी इनिंग में जहां 8 चौके और 2 छक्के लगाए. वहीं बाबर आजम ने 7 चौके और 1 छक्का ही लगाया. साफ है कि विराट रन, स्ट्राइक रेट और बाउंड्रीज की संख्या, हर मामले में बाबर आजम से आगे दिखे हैं. ऐसा तब है जब विराट कोहली टी-20 इंटरनेशनल से संन्यास ले चुके हैं और बाबर आजम उस फॉर्मेट को अभी खेल रहे हैं. एक मैच का ये नतीजा उन लोगों के लिए भी जवाब की तरह है, जो बाबर को विराट से बेहतर बताने की कोशिश करते रहते हैं.

पहलगाम में आतंकी हमला मेरे देश ने ही कराया है... पाकिस्तानी क्रिकेटर का बड़ा बयान, जानिए क्यों कहा ऐसा?

नई दिल्ली, एजेंसी। पहलगाम में हुए आतंकी हमले पर रह-रहकर डेवलपमेंट हो रहे हैं. बयानों का सिलसिला भी लगातार जारी है. इस बीच पाकिस्तानी क्रिकेटर दानिश कानेरिया ने एक चौंकाने वाला बयान दिया है. उन्होंने कहा कि ये तो मेरे देश ने खुलेआम मान लिया कि पहलगाम में आतंकी हमला उन्होंने ही कराया है. अब सवाल है कि पाकिस्तान के हिंदू क्रिकेटर दानिश ने ऐसा क्यों कहा? तो उन्होंने ऐसा पाकिस्तान के डिप्टी पीएम के बयान पर

अपनी प्रतिक्रिया जताते हुए कहा है.पाकिस्तान के डिप्टी पीएम ने पहलगाम हमले में शामिल आतंकियों को 'स्वतंत्रता सेनानी' कहकर संबोधित किया था. डिप्टी पीएम के उसी बयान पर पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर दानिश कानेरिया ने अपने एक्स हैंडल पर लिखा कि जब पाकिस्तान का डिप्टी पीएम ही आतंकियों को 'स्वतंत्रता सेनानी' बता रहा हो तो ये सिर्फ अपमानजनक नहीं है बल्कि ये मान लेने जैसा भी है कि हमला हमारे देश ने ही कराया है.श्रीराम भक्त हिंदू क्रिकेटर दानिश कानेरिया ने पहलगाम में हुए आतंकी हमले के अगले दिन भी अपने देश की सरकार और उसके इरादे पर सवाल उठाए थे. तब उन्होंने एक्स हैंडल पर लिखा था कि अगर वाकई पाकिस्तान का पहलगाम में हुए आतंकी हमले में हाथ नहीं तो फिर प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने उस पर चिंता जाहिर क्यों नहीं की? क्यों अचानक ही सेना को हाई अलर्ट पर रहने कहा गया? साफ है कि आपको सच पता है. आप आतंकियों को पनाह दे रहे हो और आतंकवाद को बढ़ावा दे रहे हो. ऐसा करते हुए शर्म आनी चाहिए. दानिश कानेरिया ने पाकिस्तान के लिए 61 टेस्ट और 18 वनडे खेले हैं, जिसमें 276 विकेट अपने नाम किए हैं.

ऑस्ट्रेलिया दौरा अनुभव हासिल करने का शानदार अवसरः सलीमा टेटे

पर्थ, एजेंसी। एक महीने लंबे सीनियर नेशनल ट्रेनिंग कैंप के बाद, भारतीय महिला हॉकी टीम 26 अप्रैल से 4 मई तक ऑस्ट्रेलिया के दौरे पर पांच मुकाबले खेलेगी। दौरे की शुरुआत 26 और 27 अप्रैल को ऑस्ट्रेलिया 'ए' टीम के खिलाफ दो मुकाबलों से होगी। इसके बाद 1, 3 और 4 मई को पर्थ हॉकी स्टेडियम में विश्व की पांचवें स्थान पर काबिज ऑस्ट्रेलियाई सीनियर महिला टीम के साथ तीन मैच खेले जाएंगे।

भारतीय टीम ने हाल ही में एफआईएच हॉकी प्रो लीग (महिला) में घरेलू मैदान पर भाग लिया था, जहां उन्होंने दो जीत और एक शूटआउट जीत हासिल की। टूर्नामेंट के अंत में टीम ने विश्व की नंबर एक टीम नीदरलैंड्स के खिलाफ 2-2 की बराबरी के बाद शूटआउट में बोनस अंक हासिल कर शानदार समापन किया। इस दौरे के लिए हॉकी इंडिया ने 26 खिलाड़ियों की टीम घोषित की है। सलीमा टेटे टीम की कप्तान होंगी और नवनीत कौर उपकप्तान के रूप में उनका साथ देंगी। युवा ड्रैग-फ्लिकर दीपिका, जिन्होंने फरवरी में प्रो लीग में तीन गोल किए थे, अपनी अच्छी फॉर्म को बनाए रखने के लिए तैयार हैं। अनुभवी गोलकीपर सविता इस दौरे पर भी टीम के डिफेंस की अगुवाई करेंगी, जिन्होंने हाल ही में 300 अंतरराष्ट्रीय मैच पूरे किए हैं। इस टीम में पांच नए चेहरे- ज्योति सिंह, सुजाता कुजूर, अजमीना कुजूर, पूजा यादव और महिमा टेटे शामिल किए गए हैं, जो इस दौरे पर पहली बार सीनियर टीम के लिए खेल सकती हैं। यह दौरा इन युवाओं के लिए अंतरराष्ट्रीय अनुभव प्राप्त करने और उच्च स्तर की हॉकी के दबाव को समझने का अच्छा अवसर है। सीरीज से पहले कप्तान सलीमा टेटे ने कहा, हम पर्थ पहुंचकर बहुत उत्साहित हैं। यह हमारे लिए मजबूत टीमों के खिलाफ खेलने और मैच का अनुभव हासिल करने का सुनहरा मौका है। इससे हमें अपनी टीम संयोजन और रणनीतियों को समझने में मदद मिलेगी, जो यूरोप में होने वाले प्रो लीग और इस वर्ष के महिला एशिया कप के लिए उपयोगी होगा। सभी खिलाड़ी, विशेषकर नए खिलाड़ी, इस अनुभव से अधिक से अधिक सीखना चाहते हैं।

ऑस्ट्रेलिया हमेशा से एक मजबूत प्रतिद्वंद्वी रहा है। दोनों टीमों के बीच अब तक 16 मुकाबले हुए हैं, जिनमें ऑस्ट्रेलिया ने 10 जीते हैं और 3 बराबरी पर रहे हैं। हालांकि, भारत को प्रो लीग 2023-24 में ऑस्ट्रेलिया पर 1-0 की हालिया जीत से आत्मविश्वास मिला है, जिसे वे इस दौर में आगे बढ़ाना चाहेंगे।

मुख्य कोच हरेंद्र सिंह ने कहा, बेंगलुरु में ट्रेनिंग कैंप के दौरान खिलाड़ियों ने कड़ी मेहनत की है। यह दौरा हमें यह जानने में मदद करेगा कि हम कहां खड़े हैं। हमारा उद्देश्य खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय अनुभव देना, टीम में गहराई बनाना और नए संयोजन आजमाना है। ऑस्ट्रेलिया की घरेलू परिस्थितियों में ऑस्ट्रेलिया 'ए' और सीनियर टीम के खिलाफ खेलना हमारे लिए एक महत्वपूर्ण सीख होगी और आगामी बड़े टूर्नामेंटों की तैयारी में मदद करेगा।

पांच और भारतीय एशियाई अंडर-15 और अंडर-17 मुक्केबाजी चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में

अम्मान, एजेंसी। पांच भारतीय, जिनमें तीन लड़के और दो लड़कियां शामिल हैं, पांचवें दिन प्रभावशाली प्रदर्शन के साथ एशियाई अंडर-15 मुक्केबाजी चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में पहुंच गए। पुरुषों की अंडर-15 चैंपियनशिप में, नेल्सन ख्वाइरकपम (55 किग्रा) ने पहले दौर में चीनी ताइपे के वांग शेंग-यांग पर आरएससी जीत हासिल की, जबकि अभिजीत (61 किग्रा) और लक्ष्य फोगाट (64 किग्रा) ने क्रमशः किर्गिस्तान और जॉर्डन के विरोधियों के खिलाफ 5-0 से जीत हासिल की।

लड़कियों में, प्रिंसी (52 किग्रा) ने यूक्रेन की येवा कुबानोवा पर 5-0 से हरा दिया। समृद्धि सतीश शिंदे (55 किग्रा) ने यूक्रेन की केसिया सविना के खिलाफ तीसरे दौर में आरएससी के साथ अपना मुकाबला समाप्त किया। इससे पहले, रुद्राक्ष सिंह खेदेम (46 किग्रा) ने चौथे दिन भारत के लिए शानदार प्रदर्शन किया और किर्गिस्तान के ऐदर मुसाएव पर 3-0 से जीत हासिल की। सभी छह भारतीय मुक्केबाज सेमीफाइनल में पहुंचे, जिससे अम्मान में टीम का दबदबा कायम रहा। पुरुषों की अंडर-15 श्रेणी में, हर्षिल (37 किग्रा) और संचित जयानी (49 किग्रा) ने 5-0 से जीत दर्ज की, जबकि संस्कार विनोद अत्रम (35 किग्रा) ने 4-1 से जीत दर्ज की। प्रीक्षित बल्हरा (40 किग्रा) ने मंगोलिया को अखमीतखान नूरसलीम पर कड़े मुकाबले में 3-2 से जीत दर्ज की।

नीरज चोपड़ा क्लासिक भाला फेंक प्रतियोगिता, जापानी जेनकी डीन और श्रीलंकाई पथिरेज भी होंगे शामिल

नई दिल्ली, एजेंसी। श्रीलंका के नंबर एक भाला फेंक खिलाड़ी पथिरेज ने 2024 में कोरिया के मोकपो में एशियाई थ्रोइंग चैंपियनशिप में 85.45 मीटर के प्रयास के साथ 85 मीटर क्लब में प्रवेश किया जो उनका व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता जापान के जेनकी डीन और उभरते श्रीलंकाई रुमेश पथिरेज 24 मई को बेंगलुरु में नीरज चोपड़ा क्लासिक भाला फेंक प्रतियोगिता के पहले चरण में हिस्सा लेने वाले विदेशी सितारों में शामिल होंगे। 33 वर्षीय डीन ने नीरज और किशोर जेना से पीछे रहते हुए 2023 हांग्झोउ एशियाई खेलों में 82.68 मीटर के थ्रो के साथ कांस्य पदक जीता था। उनका व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ 84.28 मीटर है जो उन्होंने 2012 में हासिल किया था। टूर्नामेंट के आयोजक जेएसडब्ल्यू ने एक विज्ञप्ति में कहा, ''डीन एशियाई सर्किट के मजबूत खिलाड़ी हैं जो शीर्ष-10 विश्व रैंकिंग पर हैं और उनका व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 84.28 मीटर का है। श्रीलंका के नंबर एक भाला फेंक खिलाड़ी पथिरेज ने 2024 में कोरिया के मोकपो में एशियाई थ्रोइंग चैंपियनशिप में 85.45 मीटर के प्रयास के साथ 85 मीटर क्लब में प्रवेश किया जो उनका व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। 22 वर्षीय ने पिछले महीने ऑस्ट्रेलिया में पर्थ ट्रैक क्लासिक में 85.41 मीटर थ्रो के साथ फिर से 85 मीटर का थ्रो पार किया।

डब्ल्यूटीसी फाइनल में ऑस्ट्रेलिया को बोलैंड की जगह इस अनुभवी को चुनना चाहिए: रवि शास्त्री

दुबई, एजेंसी। भारत के पूर्व क्रिकेटर और कोच रवि शास्त्री ने कहा कि जून में लॉर्ड्स मैदान पर खेले जाने वाले विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया को स्कॉट बोलैंड की जगह अनुभवी तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड को चुनना चाहिए क्योंकि दिग्गज ग्लेन मैक्ग्रा की तरह गेंदबाजी करने वाला यह लंबे कद का खिलाड़ी इंग्लैंड की परिस्थितियों का बेहतर तरीके से उपयोग कर पाएगा। टीम में तेज गेंदबाजी विभाग में कप्तान पैट कमिंस और मिचेल स्टार्क की जगह लगभग पक्की है। ये दोनों अगर फिट रहे तो तीसरे तेज गेंदबाज के नाम के लिए चर्चा हो सकती है। गत चैंपियन ऑस्ट्रेलिया के सामने 11 से 15 जून तक लॉर्ड्स में खेले जाने वाले डब्ल्यूटीसी फाइनल में दक्षिण अफ्रीका की चुनौती होगी। इस मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया के तीन तेज गेंदबाजों और नाथन लियोन के रूप में एक स्पिनर के साथ उतरने की संभावना है। ऑस्ट्रेलिया के पास हरफनमौला बीयू वेबस्टर को एकादश में शामिल करने का विकल्प भी है, तीसरे तेज गेंदबाज के लिए हेजलवुड और बोलैंड के बीच चयन होने की संभावना है।

शास्त्री ने 'आईसीसी रिव्यू' पर कहा, 'यह बहुत कठिन विकल्प होगा, अगर हेजलवुड फिट होते हैं, तो उन्हें बोलैंड के मुकाबले तरजीह मिलनी चाहिए। हेजलवुड अपने करियर में कई बार चोटिल होने के कारण टीम से बाहर रहे है। वह चोट के कारण भारत के ऑस्ट्रेलिया दौरे पर खेली गयी बॉर्डर गावस्कर श्रृंखला के पांच मैचों में से तीन में नहीं खेल पाए थे। ऑस्ट्रेलिया ने इस श्रृंखला को 3-1 से जीता था। वह इसके बाद श्रीलंका दौरे और चैंपियंस ट्रॉफी में भी टीम का हिस्सा नहीं थे।

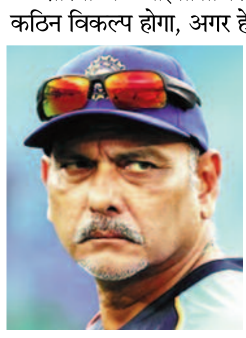

इस 34 साल के खिलाड़ी ने इंडियन प्रीमियर लीग में वापसी की और शानदार लय में है। उन्होंने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ चार विकेट झटक कर टीम को यादगार जीत दिलाई। शास्त्री ने कहा, 'हेजलवुड अगर पूरी तरह से फिट है तो दो वजहों से उन्हें टीम में जगह मिलनी चाहिए। पहला इंग्लैंड की परिस्थितियां उन्हें रास आएंगी और दूसरा उनके पास मैक्ग्रा की तरह गेंदबाजी (एक ही लाइन लेंथ की गेंद से बल्लेबाजों को परेशान करना) करने की क्षमता है। लॉर्ड्स की पिच पर एक तरफ से ढलान है और कमेंट्री बॉक्स वाले छोर से गेंदबाजी करते समय में हमें मैक्ग्रा का रिकॉर्ड देखना चाहिए।

मैक्ग्रा ने लॉर्ड्स में तीन टेस्ट में 26 विकेट लिए है जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 1997 में 38 रन देकर 8 विकेट लिए है। शास्त्री ने कहा, 'ईमानदारी से कहूं तो वह (मैक्ग्रा) गेंद को दोनों ओर स्विंग करते हुए घातक साबित होते थे और मुझे लगता है कि हेजलवुड अपनी कद के साथ कुछ ऐसा ही कर सकते है। उन्होंने कहा, 'यह पिच ऑस्ट्रेलिया की तरह तेज नहीं है, इसलिए आपको थोड़ी अतिरिक्त ऊंचाई और उछाल की जरूरत होती है। हेजलवुड के पास स्कॉट बोलैंड के मुकाबले ऐसा करने की अधिक क्षमता है। मैं हालांकि स्कॉट बोलैंड का बहुत बड़ा प्रशंसक हूं। बोलैंड ने बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में भारत के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया की जीत में अहम भूमिका निभाई थी।

आईसीसी टूर्नामेंट में भी पाकिस्तान के साथ नहीं खेलेगा भारत!

बीसीसीआई ने आईसीसी को लिखा पत्र

नई दिल्ली, एजेंसी। पहलगाम में आतंकी हमले के बाद भारतीय क्रिकेट टीम पाकिस्तान के साथ अब कोई द्विपक्षीय सीरीज नहीं खेलेगी। दोनों टीमें सिर्फ आईसीसी टूर्नामेंट या एसीसी टूर्नामेंट में आमने सामने होती है, लेकिन पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद बीसीसीआई ने एक और बड़ा फैसला किया और इस बाबत आईसीसी को पत्र भी लिखा है।

मंगलवार, 22 अप्रैल 2025 को जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में 26 लोगों की जान चली गई. क्रिकबज की रिपोर्ट के मुताबिक, बीसीसीआई ने एक बड़ा कदम उठाते हुए आईसीसी को पत्र लिखा है और मांग की है कि भारत और पाकिस्तान को किसी भी टूर्नामेंट में एक ग्रुप में ना रखा जाए.

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार बीसीसीआई अब नहीं

चाहता कि भारत और पाकिस्तान के बीच आईसीसी टूर्नामेंट में मुकाबला हो, कम से कम ग्रुप स्टेज में तो नहीं. अगर दोनों टीमें सेमीफाइनल या फाइनल में पहुंचे तो अलग बात होगी लेकिन ग्रुप स्टेज में तो कम से दोनों टीमों को एक साथ ना रखा जाए. अगला बड़ा आईसीसी टूर्नामेंट सितम्बर में है, जिसमें भारत महिला वनडे वर्ल्ड कप की मेजबानी करेगा. पाकिस्तान महिला टीम ने इसके लिए क्वालीफाई किया है.

एशिया कप में क्या होगा?

पुरुष क्रिकेट में अगला आईसीसी टूर्नामेंट 2026 में फरवरी और मार्च के बीच खेला जाएगा, भारत और श्रीलंका टी20 वर्ल्ड कप की मेजबानी करेगा. हालांकि इससे पहले बीसीसीआई के लिए चिंता एशिया कप को लेकर होगी. इस साल पुरुष क्रिकेट एशिया कप का आयोजन भी होना है, जिसमें भारत बनाम पाकिस्तान 2 मैचों की संभावना है. भारत और पाकिस्तान अभी ग्रुप् में शामिल हैं, जिसमें उनके साथ यूएई और हांगकांग हैं. ग्रुप बी में बांग्लादेश, श्रीलंका, अफगानिस्तान और ओमान हैं. एशिया कप का मेजबान भारत है, लेकिन क्रिकबज की एक रिपोर्ट में पहले बताया गया था कि पूरा टूर्नामेंट न्यूट्रल वेन्यू पर होने की संभावना है. अब देखना होगा कि क्या भारत और पाकिस्तान एशिया कप में एक ही ग्रुप में बने रहते हैं या इस पर भी कोई फैसला हो सकता है क्योंकि अभी तक टूर्नामेंट का शेड्यूल नहीं आया है. शेड्यूल मई तक आने की संभावना है लेकिन ये इस बात पर निर्भर करेगा कि बीसीसीआई और पीसीबी के बीच कैसा तालमेल रहता है. दरअसल पाकिस्तान अपने मैच भारत में नहीं खेलेगा, ऐसी में न्यूट्रल वेन्यू पर चर्चा हो सकती है. एक रिपोर्ट में तो ये भी कहा गया है कि अगर दोनों के बीच तनाव रहता है तो टूर्नामेंट रद्द भी हो सकता है.

अंकिता लोखंडे ने शेयर की अपने पापा से जुड़ी खास याद

मशहूर एक्ट्रेस अंकिता लोखंडे बेहतरीन एक्टिंग और स्टाइलिश लुक्स के लिए जानी जाती हैं। वह जितनी सुंदर मॉडर्न आउटफिट्स में लगती हैं, उससे कहीं ज्यादा खूबसूरत साड़ी में दिखती हैं। एक्ट्रेस ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर अपना लेटेस्ट फोटोशूट शेयर किया है, जो अब इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो रहा है। अंकिता ने इंस्टाग्राम पर अपना नया फोटोशूट फैंस के साथ शेयर किया। फोटो में वह ब्लैक प्रिंटेड फ्लोरल साड़ी में नजर आ रही हैं। उन्होंने इस साड़ी के साथ फुल स्लीव्स ब्लाउज पहना हुआ है। वहीं बड़े ईयररिंग्स के साथ बालों का बन बनाया हुआ है। फोटो में वह अपनी कातिलाना अदाओं से लोगों को अपना दीवाना बना रही हैं। इस पोस्ट में उन्होंने उर्मिला मातोंडकर की फिल्म रंगीला के टाइटल सॉन्ग का इस्तेमाल किया है। इस गाने को आशा भोसले और आदित्य नारायण ने गाया है, वहीं म्यूजिक एआर रहमान ने दिया है।

पोस्ट में उन्होंने कुछ पुरानी फोटो शेयर कीं, जो उनके पिता ने खींची थीं। बता दें कि अंकिता का असली नाम तनुजा लोखंडे है। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत इंडियाज बेस्ट सिनेस्टार की खोज नाम के रियलिटी शो से की थी। इसमें वह कंटेस्टेंट थीं। इसके बाद 2009 में उन्हें एकता कपूर का सीरियल पवित्र रिश्ता ऑफर हुआ, जिसमें उन्होंने अर्चना देशमुख का रोल निभाया और घर-घर में पहचानी जाने लगीं। इस शो में उनके अपोजिट सुशांत सिंह राजपूत थे। स्मॉल स्क्रीन पर छाने के बाद उन्होंने बिग स्क्रीन पर भी किस्मत आजमाई। कंगना रनौत की फिल्म मणिकर्णिका- द क्वीन ऑफ झांसी में झलकारी बाई का किरदार निभाया। इसके अलावा, वह टाइगर श्रॉफ और श्रद्धा कपूर की फिल्म बागी 3 का भी हिस्सा रह चुकी हैं। वह रियलिटी शो बिग बॉस 17 में बतौर कंटेस्टेंट नजर आईं।

भारत में रिलीज नहीं होगी पाकिस्तानी एक्टर फवाद खान स्टारर 'अबीर गुलाल'!

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले को लेकर देश भर में आक्रोश व्याप्त है। इस बीच पाकिस्तान और पाकिस्तानी एक्टर

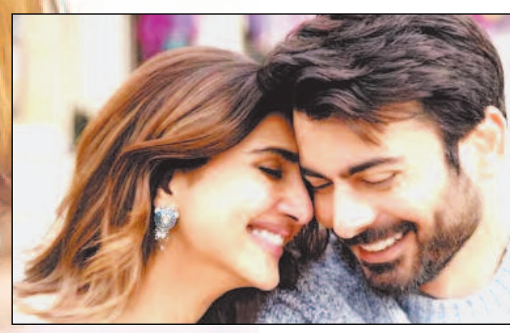

फवाद खान का भी सोशल मीडिया पर भारी विरोध देखने को मिल रहा है। खबर है कि एक्टर फवाद खान की फिल्म 'अबीर गुलाल' भारत में रिलीज नहीं होगी। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के सूत्रों ने ये जानकारी दी है। सूत्रों का कहना है कि पाकिस्तानी अभिनेता फवाद खान स्टारर फिल्म 'अबीर गुलाल' को भारत में रिलीज नहीं होने दिया जाएगा। पहलगाम आतंकी हमले को लेकर आक्रोशित लोग सोशल मीडिया पर काफी मुखर होकर पाकिस्तानी एक्टर को बायकॉट करने की बात कर रहे हैं। दरअसल, पाकिस्तान सरकार ने इस हमले में हुई जानमाल की हानि पर चिंता व्यक्त की, लेकिन इसे आतंकवादी कृत्य बताने या इसकी निंदा करने से परहेज किया। पड़ोसी मुल्क की इस प्रतिक्रिया के बाद लोगों का गुस्सा पाकिस्तानी कलाकारों पर फूट पड़ा। इसी कड़ी में लोग अबीर गुलाल को बैन करने की मांग कर रहे हैं। एक यूजर ने एक्स पर लिखा- क्या हम अभी भी भारत में पाकिस्तानी कलाकार की फिल्म अबीर गुलाल को रिलीज होने देंगे?

कलमा सीखो, तभी कश्मीर जाना, नहीं तो... पायल घोष का चौंकाने वाला दावा

पायल घोष ने खुलासा किया है कि वो अपनी उस कश्मीर ट्रिप को लेकर असमंजस में हैं, जो उन्होंने पहलगाम अटैक के पहले बुक कराया था। जब उन्होंने अपने एक पाकिस्तानी दोस्त से इस बारे में बात की तो उसने कलमा सीखने की नसीहत दे डाली और एक चेतावनी भी दी।

साउथ और हिंदी फिल्मों में काम कर चुकीं एक्ट्रेस पायल घोष ने एक चौंकाने वाला दावा किया है। उन्होंने कहा कि उन्होंने एक हफ्ते पहले कश्मीर ट्रिप के लिए बुकिंग कर ली थी, लेकिन 22 अप्रैल को पहलगाम की बैसरन घाटी में आतंकी हमला हो गया। इसके बाद अब वो धर्म संकट में हैं कि वहां जाएं या नहीं! उन्होंने अपने पाकिस्तानी दोस्त से मशवरा लेना चाहा तो उल्टा उसने चेतावनी दे डाली। उसने एक्ट्रेस से कहा कि कश्मीर जाना है तो पहले कलमा सीखो, नहीं तो अंजाम भुगतने के लिए तैयार रहो।

बता दें कि पहलगाम की बैसरन घाटी में आतंकियों ने पर्यटकों पर हमला किया था। इस हमले में 26 लोगों की जान गई है। चश्मदीदों ने बताया कि आतंकियों ने मारने से पहले मृतकों से धर्म के बारे में पूछा था। उन्होंने ज्यादातर हिंदुओं को निशाना बनाया। इससे पूरा देश दहल गया है।

हफ्ते भर पहले बुक की थी कश्मीर की ट्रिप

पायल घोष ने इस हमले से हफ्ते भर पहले ही कश्मीर की ट्रिप बुक की थी। आतंकी हमले के बाद वो असमंजर में फंस गई कि क्या आगे बढ़ना चाहिए! पर उनके एक पाकिस्तानी दोस्त ने उन्हें ऐसा मैसेज दिया कि वो डर गईं।

अब कंफ्यूज हैं पायल घोष

वो कहती हैं, ये बहुत घिनौना है। मैंने पाकिस्तानी के एक एक्टर और मेरे दोस्त के साथ अपनी जर्नी की प्लानिंग के बारे में शेयर किया, क्योंकि मैं कश्मीर जाने का इंतजार कर रही थी। मेरी टिकटें एक हफ्ते पहले ही बुक हो गई थीं। लेकिन हमले के बाद मैं असमंजस में हूं कि मुझे ट्रिप पर जाना चाहिए या नहीं

कलमा सीखो, तब कश्मीर जाना

पायल ने आगे कहा, पहले से ही अनिश्चितता का माहौल है और इस सबके बीच जब आपको ऐसी बातें सुननी पड़ती हैं, जो इशारों में ये बताती हैं कि आप अपने ही देश में सुरक्षित नहीं हैं यो जाहिर है इससे आपको गुस्सा आएगा। उन्होंने मुझसे कहा कि मैं इल्म अल-कलाम सीखूं नहीं तो मुझे अंजाम भुगतने के लिए तैयार रहना चाहिए। अंजाम से उनका वास्तव में क्या मतलब है? ये सुनने के बाद मैं वाकई में बहुत गुस्से में हूं। ये घटना पाकिस्तान के लोगों के लिए मजाक की बात लगती है।

नेटफ्लिक्स पर अब देखिए सैफ की 'नादानियां'

बाईगॉड की कसम, बहुत कलेजा चाहिए, नेटफ्लिक्स ओरिजनल 'ज्वेलथीफ द हाइस्ट बिगिन्स' जैसी फिल्म बनाने के लिए। झोली में 'वॉर' और 'पठान' जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्में हो। 'फाइटर' में ऋतिक रोशन और दीपिका पादुकोण को एक फ्रेम में लाने का तमगा मिल चुका हो।

शाहरुख खान की अगली फिल्म 'किंग' की जिम्मेदारी मिली हुई हो और कंपनी का नाम हो, मारफ्लिक्स। नेटफ्लिक्स की बहन जैसा नाम लगता है। लेकिन, निर्माता सिद्धार्थ आनंद बतौर निर्देशक हिंदी सिनेमा को 'बैंग बैंग' जैसा बबल भी दे चुके हैं, ये भूलना नहीं चाहिए। भारतीय मनोरंजन जगत के कलाकारों के इन दिनों दोनों हाथों में लड्डू हैं। एक में अमेरिकन एमजीएम स्टूडियोज के लिए अमेजन जैसी कंपनी मोतीचूर के लड्डू चढ़ा रही है, दूसरे हाथ में बूंदी के लड्डू लेकर हाजिर है नेटफ्लिक्स। वहां का 'फैमिली मैन' यहां 'किलर सूप' बनाता मिलता है। यहां आलीशान 'स्कूप' बनाने वाला वहां 'खौफ' जैसी कम बजट की एमएक्स प्लेयर सीरीज बनाता दिखता है। अब बारी हाथीराम की है। उनको भी अपना स्टैंडर्ड बढ़ाना है।

खराब फिल्म बनाने की हिट रेसिपी

एक खराब फिल्म बनाने के लिए क्या क्या जरूरी होता है, वह सब एक दर्शक निर्माता सिद्धार्थ आनंद की नेटफ्लिक्स पर पहुंची फिल्म 'ज्वेलथीफ द हाइस्ट बिगिन्स' देखकर सीख सकता है। मतलब कि किरदार सरदार हो तो उसका मोटा होना जरूरी है। चोर है तो वह अय्याश भी होना चाहिए। 'डेयरडेविल' के फिस्क जैसा विलेन हो तो उसे मुक्के मारकर सामने वाले की जान ले ही लेनी चाहिए। और, लड़की अगर खूबसूरत है तो उसका कमअक्ल का होना भी जरूरी है। इतने क्लीशे किरदार फिल्म शुरू होने के पहले 15 मिनट में अगर दिख जाएं तो फिल्म कहां पहुंचने वाली है, समझ आ जाता है। लेकिन, रिव्यू लिखना है तो अभी जीवन के पौने दो घंटे और कुर्बान करने ही होंगे। 54 साल का हीरो, 34 साल की शादी शुदा हीरोइन पर डोरे डाल रहा है। कहानी करवट ले रही है और मुझे पता नहीं क्यों नेटफ्लिक्स की चार साल पहले रिलीज हुई फिल्म 'रेड नोटिस' बार बार याद आ रही है।

भूल चूक माफ का नया सॉन्ग चोर बजारी फिर से हुआ रिलीज, रोमांस करते दिखे राजकुमार-वामिका

राजकुमार राव की अपकमिंग फिल्म भूल चूक माफ का नया गाना चोर बजारी फिर से रिलीज हो चुका है। गाने में राजकुमार और वामिका गब्बी रोमांस करते नजर आ रहे हैं। यह गाना सैफ अली खान की फिल्म लव आज कल के सॉन्ग चोर बजारी का रीमेक है, जिसमें वह दीपिका पादुकोण के साथ नजर आए थे। यही वजह है कि इस गाने को देखने के बाद फैंस को सैफ-दीपिका की जोड़ी याद आने लगी। भूल चूक माफ 9 मई को थिएटरों में रिलीज होगी। फिल्म में राजकुमार रंजन तिवारी और वामिका गब्बी तितली मिश्रा के किरदार में हैं। दोनों की केमिस्ट्री देखने लायक है। फिल्म के चोर बजारी फिर से सॉन्ग में भी दोनों का रोमांस और मस्ती देखने को मिल रही है।

इस गाने को सुनिधि चौहान और नीरज श्रीधर ने गाया है। वहीं, कंपोज प्रीतम और तनिष्क बागची ने किया है। सॉन्ग को लेकर राजकुमार ने कहा, चोर बजारी फिर से एक बेहतरीन गाना है! यह रंजन और तितली के बीच की केमिस्ट्री को बड़ी ही खूबसूरती के साथ दिखाता है। इस गाने की शूटिंग मजेदार रही। मैं म्यूजिक के साथ दर्शकों की एनर्जी और वाइब से भरे फीडबैक का बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं। एक्ट्रेस वामिका गब्बी ने कहा, चोर बजारी फिर से एक बेहतरीन गाना है! इसमें ड्रामा है, डांस है और हर बीट में तितली की मजेदार शरारत है। मुझे लगता है कि दर्शकों को गाने में रंजन और तितली की मस्ती पसंद आएगी। यह मजेदार है!

प्रियंका चोपड़ा ने डिलीट कर दिया इंस्टाग्राम पोस्ट, लेकिन एक-एक फोटो हो गई वायरल, पूल से कार तक, ये करती दिखीं

प्रियंका चोपड़ा ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर किया, लेकिन तुरंत इसे डिलीट भी कर दिया। लेकिन तब तक देर हो चुकी थी। उनका पोस्ट उनके फैंस ने वायरल कर दिया। इसमें वो कभी पूल तो कभी जिम में नजर आ रही हैं। उन्होंने सेल्फ-केयर से जुड़ा पोस्ट शेयर किया था। ग्लोबल आइकन प्रियंका चोपड़ा ने हाल ही में इंस्टाग्राम पर अपनी कुछ फोटोज शेयर कीं। उन्होंने अपनी हेल्दी डेली रुटीन की झलक दिखाई। हालांकि, कुछ देर बाद ही उन्होंने अपने इस पोस्ट को डिलीट कर दिया। लेकिन तब तक देर हो चुकी थी। उनका पोस्ट वायरल हो गया, जिसमें वो स्विमिंग पूल में अठखेलियां करने से लेकर जिम में पसीना बहाते, मसाज करवाते और स्किन केयर करती हुई दिख रही हैं। इंस्टाग्राम पर एक छोटा-सा वीडियो शेयर किया, जिसमें वो स्विमिंग पूल में तैराकी करते हुए नजर आ रही हैं। पीले रंग के स्ट्रैपलेस वन-पीस स्विमसूट वो गजब ढा रही हैं। उन्होंने हिंट दिया कि स्विमिंग से सिर्फ कसरत ही नहीं होती है, ये आपको तनाव से दूर रहने और फिट रहने में भी मदद करता है।

प्रियंका ने अपने फैंस को जिम रुटीन की भी झलक दिखाई है। उन्होंने स्टाइलिश ब्राउन स्पोर्ट्स ब्रा और मैचिंग शॉर्ट्स पहना हुआ है, जिसमें उनकी टोंड बॉडी साफ दिख रही है। वो खुद को फिट रखने के लिए जिम में खूब पसीना बहाती हैं।

अंतरराष्ट्रीय थ्रिलर व्हाइट में श्री-श्री रविशंकर की भूमिका में नजर आएंगे एक्टर विक्रांत मैसी

पठान, वॉर और फाइटर जैसी फिल्मों के लिए मशहूर फिल्म निर्माता सिद्धार्थ आनंद अपनी प्रोडक्शन कंपनी मार्फ्लिक्स पिक्चर्स के तहत और ऊंचाई व

नागजिला जैसी फिल्मों के निर्माता महावीर जैन की महावीर जैन फिल्म्स के साथ मिलकर अपनी अगली महत्वाकांक्षी फिल्म की घोषणा की एक अंतरराष्ट्रीय प्रोजेक्ट जिसका नाम है व्हाइट। व्हाइट एक बेहद रोमांचक वैश्विक थ्रिलर है, जिसमें बहुमुखी अभिनेता विक्रांत मैसी प्रसिद्ध आध्यात्मिक गुरु और मानवतावादी गुरुदेव श्री श्री रविशंकर की भूमिका निभा रहे हैं। फिल्म की तैयारी कोलंबिया में चल रही है और इसकी शूटिंग जुलाई से शुरू होने की योजना है। यह फिल्म एक प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय टीम को एक साथ लाकर उस प्रेरणादायक कहानी को पर्दे पर लाएगी कि कैसे कोलंबिया के 52 साल लंबे क्रूर गृहयुद्ध का अंत हुआ। एक ऐसा अध्याय जो आज भी दुनियाभर में बहुत कम जाना जाता है।

आखिर क्यों 'अंदाज अपना अपना' की स्पेशल स्क्रीनिंग में नहीं पहुंचे आमिर

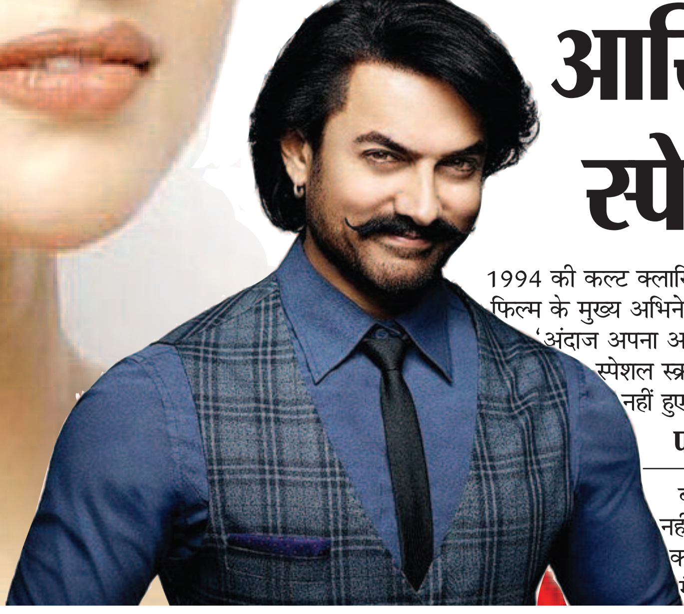

1994 की कल्ट क्लासिक फिल्म 'अंदाज अपना अपना' आज सिनेमाघरों में फिर से रिलीज हुई है। फिल्म की री-रिलीज से पहले रखी गई स्पेशल स्क्रीनिंग में फिल्म के मुख्य अभिनेता आमिर खान नहीं पहुंचे। अब आमिर ने इसके पीछे एक बड़ी वजह बताई है। आमिर खान-सलमान खान की कल्ट कॉमेडी फिल्म 'अंदाज अपना अपना' अपनी रिलीज के तकरीबन 31 साल बाद आज सिनेमाघरों में फिर से रिलीज हुई है। री-रिलीज से पहले मुंबई में फिल्म की एक स्पेशल स्क्रीनिंग रखी गई। फिल्म की क्रू और कलाकारों के लिए आयोजित इस स्पेशल स्क्रीनिंग में फिल्म के मुख्य अभिनेता आमिर खान शामिल नहीं हुए। अब अभिनेता ने खुद ये बताया है कि वो आखिर क्यों इस स्पेशल स्क्रीनिंग का हिस्सा नहीं बन सके।

पहलगाम में हुए आतंकी हमले से आहत हैं आमिर

बॉलीवुड हंगामा से बातचीत के दौरान आमिर खान ने बताया कि आखिर क्यों वो 'अंदाज अपना अपना' की स्पेशल स्क्रीनिंग में शामिल नहीं हुए। अभिनेता ने बताया कि इसके पीछे की वजह 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुआ भयावह आतंकी हमला है। उन्होंने कहा, मैं कश्मीर के पहलगाम में हुई घटनाओं के बारे में रिपोर्ट पढ़ रहा था। बेगुनाहों की बेवकूफी भरी हत्या से मैं बुरी तरह प्रभावित हुआ हूं। मैं स्क्रीनिंग में जाने की स्थिति में नहीं था। मैं अब इसे इस सप्ताह के अंत में देखूंगा।